राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 रिलायस, वेदाता, अडानी... चीन को रोकने....

अब टी20 मे ट्रॉफी का सूख खत्म करने उतरेगी.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 49 | नई दिल्ली, शनिवार, 13 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 41.0°C

न्यूनतम तापमान 30.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

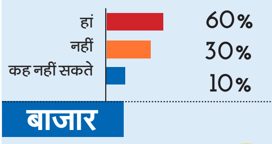

बाजार

सोना 1,51,855

चांदी 2,60,000

सेंसेक्स 75,527.95

निफ्टी 23,622.90

संक्षिप्त खबरें

एनसीआर में मौसम ने ली करवट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। भीषण गर्मी और लू से परेशान लोगों को अब राहत मिलने लगी है। पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश, तेज हवाओं और बादलों की आवाजाही के कारण तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार 12 जून के लिए बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान में करीब 7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली है। आईएमडी के स्थानीय मौसम पूवार्नुमान के अनुसार 12 जून को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। दिनभर गरज के साथ बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि सुबह, पूर्वाह्न, दोपहर और शाम के समय हल्की से बहुत हल्की वर्षा, आकाशीय बिजली तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं लोगों को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के सात दिवसीय पूवार्नुमान के अनुसार 13 जून को भी मौसम का रुख नरम बना रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पूरे दिन गरज के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, हालांकि इस दिन किसी विशेष चेतावनी की घोषणा नहीं की गई है। 14 जून को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

कोलकाता की सरकारी बिल्डिंग में आग, 4 हजार EVM जलीं

प्रातः किरण, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक सरकारी बिल्डिंग में आग लगने से करीब 4 हजार एश्ट जल गईं। ये मशीनें विधानसभा चुनाव में 10 सीटों पर इस्तेमाल की गई थीं। घटना के बाद TMC, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा कि आग सामान्य नहीं लगती। FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बिल्डिंग में दक्षिण 24 परगना जिला परिषद समेत कई सरकारी दफ्तर हैं। आग पर पूरी तरह काबू पाने में करीब 24 घंटे लगे। TMC बोली- आग में एश्ट रहस्यमय तरीके से नष्ट हुईं TMC ने पर आग का वीडिया शेयर कर लिखा, 4 हजार कंट्रोल यूनिट, 4 हजार बैलेट यूनिट और 4 हजार VVPAT मशीनें नष्ट हो गईं। ये मशीनें कस्बा, जादवपुर, बेहाला ईस्ट, बेहाला वेस्ट, मेटियाबुरुज, सतगछिया और डायमंड हार्बर सब-डिवीजन की कई विधानसभा सीटों से जुड़ी थीं। कांग्रेस ने कहा- सरकार और चुनाव आयोग को यह साफ करना चाहिए कि आग कैसे लगी और नौवीं-दसवीं मंजिल तक कैसे पहुंची? AAP ने कहा- आखिर ऐसा क्या हुआ कि एक सरकारी भवन में इतनी भीषण आग लग गई? आग कैसे लगी, और हजोरों EVM इस आग की चपेट में कैसे आ गईं, भाजपा जवाब दे? मंत्री बोले- साजिश की आशंका से इनकार नहीं कर सकते पश्चिम बंगाल के दमकल एवं आपदा प्रबंधन राज्य मंत्री कौशिक चौधरी ने बताया कि आग सबसे पहले दूसरी और तीसरी मंजिल पर दिखी थी। इसके बाद यह सातवीं, आठवीं, नौवीं और दसवीं मंजिल तक पहुंच गई। उन्होंने सवाल उठाया कि चौथी, पांचवीं और छठी मंजिल को ज्यादा नुकसान पहुंचे बिना आग ऊपर कैसे पहुंची।

₹12 वर्षों का विकास, विश्वास और जनसेवा का संकल्प-रेखा गुप्ता

प्रातः किरण, एजेंसी

दिल्ली भाजपा आने वाले समय में केन्द्र सरकार की 12 सालों की उपलब्धियों को लेकर और दिल्ली सरकार के 15 महीने की उपलब्धियों को लेकर एक जागरुकता अभियान चलाएगी और घर-घर तक जाएगी झ हर्ष मल्होत्रा नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसमर्पित सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के साथ चुने हुए प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक लम्बा सेवा कार्यकाल रिकार्ड बनाने पर शुक्रवार को एक पत्रकार वार्ता के माध्यम से दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि उनकी सरकार विश्वास, विकास एवं जनकल्याण को समर्पित सरकार है। पत्रकार वार्ता का संचालन मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक राजकुमार भाटिया की उपस्थिति में किया और कहा कि विगत 12 वर्ष भारत के परिवर्तित निर्माण को समर्पित वर्ष हैं। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज का दिन नए भारत की उपलब्धियों को सेलिब्रेट करने के लिए उत्सव का दिन है और साथ ही आज के दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रुप में 12 वर्ष पूर्ण किए है। 12 वर्षों का विकास, 12 वर्षों का विश्वास और 12 वर्षों का जनसेवा का संकल्प एक-एक दिन नई इबारत लिखी गई और उसका लाभ देश के 140 करोड़ जनता तक पहुंचाने का काम किया गया। बिते 12 वर्षों में मोदी ने प्रधानमंत्री पद को जनसेवा का माध्यम बनाया, यह हम सबने देखा है और नेतृत्व की नई परिभाषा लिखने का काम किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेतृत्व में भारत ने खेत खलिहान से लेकर चंद्रयान तक और गांव की चौपाल से लेकर वैश्विक मंचो तक अभुतपूर्व उपलब्धियां हासिल की है।

अमित शाह ने अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा की तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। गृह मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को यात्रा के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख, सीआरपीएफ के महानिदेशक तथा गृह मंत्रालय, सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, मार्गों की निगरानी, आपदा प्रबंधन, चिकित्सा सुविधाओं, यातायात प्रबंधन और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की स्थिति की समीक्षा की गई। गृह मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को यात्रा के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।सूत्रों के अनुसार बैठक में सुरक्षा परिदृश्य, तीर्थयात्रियों की सुविधा तथा संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बनाए रखने जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सरकार का लक्ष्य है कि देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और निर्बाध यात्रा का अनुभव मिल सके। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष आयोजित होने वाली अमरनाथ यात्रा में देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं, जिसके मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में मिली सजा रद्द की

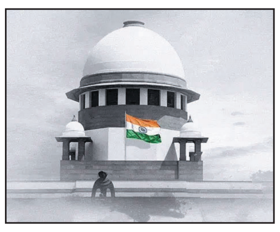

- **पीड़िता को पति ने छोड़ा तो आरोपी ने ही शादी की, 10 लाख का मुआवजा भी दिया**

प्रातः किरण, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में मिली सजा रद्द कर दी। कोर्ट ने यह फैसला इसलिए लिया, क्योंकि आरोपी और पीड़िता ने बाद में शादी कर ली और आरोपी ने पीड़िता को 10 लाख रुपए का मुआवजा भी दिया। कोर्ट का कहना है कि बालिग होने के बाद पीड़िता ने आरोपी से शादी कर ली थी। पीड़िता ने ही उसकी सजा रद्द करवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी और पीड़िता अब समाज में पति-पत्नी की तरह शांतिपूर्वक जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हैं। 2019 में ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई थी। मद्रास हाई कोर्ट ने सजा सस्पेंड कर दी थी, लेकिन 2021 में केस खत्म करने की पीड़िता की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद आरोपी सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए फैसला सुनाया। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार है कि वह अपने पास लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कोई भी आदेश पारित कर सके। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंदूरकर की बेंच ने कहा- मामले की खास परिस्थितियों को देखते हुए, हम अपीलकर्ता की दोषसिद्धि और सजा के फैसले को रद्द करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी व्यापक शक्तियों का इस्तेमाल करना उचित समझते हैं।

दिल्ली के तुगलकाबाद में बिल्डिंग में आग, 3 मौतें:6 झुलसे, पार्किंग में टू-व्हीलर में आग लगी

प्रातः किरण, एजेंसी

दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2:35 बजे से 2:37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया। 3:45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। चश्मदीद बोलीं- गाड़ियां एक-एक करके ब्लास्ट हुईं एक चश्मदीद ने बताया कि, हम लोग पड़ोस में रहते हैं। आग लगने की खबर मिलते ही वहां पहुंचे तो देखा कि ग्राउंड फ्लोर पर खड़ी गाड़ियों में एक-एक करके ब्लास्ट हो रहा था। हमने पानी का इस्तेमाल करके आग बुझाई। हमने पीछे की तरफ से भी लोगों को बचाया। उन्हें नीचे उतारने के लिए साड़ियों का इस्तेमाल किया और लड़कियों को बाहर निकालने के लिए पीछे की सुरक्षा ग्रिल काटी। बिलडिंग में कुल 9 परिवार रहते हैं कुछ बाहर गए थे। घटना के वक्त करीब 20-22 लोग इमारत में रहे होंगे। तीन स्कूटी, दो बाइक और एक साइकिल जली फायर विभाग के एडीओ यशवंत मीणा ने बताया कि पार्किंग में खड़ी तीन स्कूटी, दो बाइक और एक साइकिल जल गईं। आग और धुआं ग्राउंड फ्लोर से पांचवीं मंजिल तक फैल गया, जिससे निचली मंजिलों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। संकरी गली में बनी पांच मंजिला इमारत होने के कारण राहत कार्य में दिक्कतें आईं। छत का गेट बंद होने पर उसका ताला तोड़कर अंदर पहुंचे और वहां फंसी दो लड़कियों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। दिल्ली में पिछले 10 दिनों में आग की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 3 जून को मालवीय नगर स्थित फ्लरिश स्टे होटल में आग लग गई थी। इसमें नाइजीरिया, किर्गिस्तान, मोजाम्बिक, उज्बेकिस्तान, बांग्लादेश, कांगो, लाइबेरिया और इराक के 15 विदेशी नागरिकों समेत कुल 23 लोगों की मौत हो गई थी। 30 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। 6 कमरों का लाइसेंस, 25 कमरे चल रहे थे फ्लरिश स्टे होटल के पास B&B (बेड एंड ब्रेकफास्ट) के तौर पर सिर्फ 6 कमरों का लाइसेंस था। रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के मुताबिक, पहली मंजिल पर 3 और दूसरी मंजिल पर 3 कमरे दर्ज थे। होटल सिल्वर कैटेगरी में रजिस्टर्ड था। हालांकि, पुलिस का कहना है कि इमारत में करीब 25 कमरे चलाए जा रहे थे।

बच्चों का फिर मजदूरी में लौटना चिंताजनकः खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर कहा है कि हाल के वर्षों में यह चिंताजनक स्थिति देखने में आई है कि बच्चों को फिर शोषणकारी मजदूरी की तरफ धकेला जा रहा है और इस बुराई के उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों की सख़्त जरूरत है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बच्चों को शोषण से बचाने की जिम्मेदारी सबकी है। उन्होंने इसके लिए सामूहिक कदम उठाने का आह्वान किया और कहा कि प्रत्येक बच्चे के सीखने, बढ़ने और बेहतर भविष्य के अधिकार की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। श्री खरगे ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और शोषणमुक्त बचपन का अधिकार है। बाल श्रम केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय है, जो बच्चों से उनका भविष्य छीन लेता है। उन्होंने कहा कि 1986 में बने बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम ने देश में बाल श्रम कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन हाल के वर्षों में कुछ कानूनी संशोधनों, बाल संरक्षण के बजट में कमी और कोविड-19 महामारी के दीर्घकालिक सामाजिक- आर्थिक प्रभावों के कारण बच्चों के फिर से शोषणकारी श्रम की ओर धकेले जाने की चिंताजनक घटनाएं बढ़ी हैं। बच्चों की पोषण संबंधी स्थिति पर भी चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) के अनुसार 29.3 प्रतिशत बच्चे अवरुद्ध वृद्धि (स्टंटिंग), और 31.8 प्रतिशत कम वजन प्रभावित हैं, जो देश में पोषण संबंधी चुनौतियों को दशार्ता है।

ममता की हार के 14 दिन बाद ही TMC टूटी

बागियों का 18 मई को स्पीकर को भेजा लेटर सामने आया, इसमें 19 सांसदों के दस्तखत

प्रातः किरण, एजेंसी

ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस(TMC) में फूट अब तय है। विधानसभा के 80 में से 58 विधायकों के बगावत के बाद लोकसभा के बागी 19 सांसदों का लेटर शुक्रवार को सामने आया। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक इसे 18 मई को लोकसभा स्पीकर को भेजा गया था और अलग गुट बनाने की मांग की गई है। इससे साफ है कि ममता की हार के 14 दिन बाद ही पार्टी में बगावत शुरू हो गई थी। इस चिठ्ठी में यूसुफ पठान, सायोनी घोष, काकोली घोष और शताब्दी रॉय जैसे बड़े नाम शामिल हैं। एक नाम सामने नहीं आया है। इससे पहले 3 जून को TMC के58 विधायकों ने बंगाल विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर उनके गुट को मान्यता देने की मांग की थी, जिसे अध्यक्ष ने मंजूर भी कर लिया था। इधर, ममता बनर्जी के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के आरोप में कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में FIR दर्ज की गई है। राजनीतिक पार्टी का अलग गुट बनाने का नियम दल-बदल कानून (10वीं अनुसूची) के तहत अलग गुट को मान्यता तभी मिलती है। जब पार्टी के कम से कम दो-तिहाई विधायक या सांसद उसके साथ हों। TMC के मामले में अभी यह स्थिति है विधानसभा में ममता के 80 विधायकों में से 58 अलग हो चुके हैं। यानी बागी गुट के पास दो-तिहाई समर्थन है। लोकसभा में लोकसभा में 28 में से 20 सांसद बगावत कर चुके हैं। यानी यहां भी बागी गुट के पास दो-तिहाई से ज्यादा बहुमत है। दो-तिहाई सदस्य किसी दूसरी पार्टी में विलय कर सकते हैं या अलग गुट बनाकर उसकी मान्यता मांग सकते हैं। अंतिम निर्णय विधानसभा अध्यक्ष, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति लेते हैं। हालांकि ममता गुट इस पूरे मामले को कोर्ट में चुनौती दे सकता है। बंगाल में महाराष्ट्र जैसी बगावत, 4 साल पहले उद्धव को खोनी पड़ी थी शिवसेना 20 जून 2022 को महाराष्ट्र में शिवसेना के 55 में से 40 विधायक एकनाथ शिंदे के साथ गए। तब उद्धव सीएम थे। राज्यपाल ने उन्हें फ्लोर टेस्ट को कहा। उद्धव सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन कोर्ट ने फ्लोर टेस्ट नहीं रोका तो उद्धव ने इस्तीफा दे दिया। 30 जून 2022 को शिंदे भाजपा के समर्थन से सीएम बन गए। फिर दोनों गुट एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने सुप्रीम कोर्ट गए। कोर्ट ने फैसला स्पीकर राहुल नार्वेकर पर छोड़ दिया। 10 जनवरी 2023 को स्पीकर ने कहा कि जब बगावत हुई, तब शिंदे गुट में 37 विधायक थे। इसलिए यही असली शिवसेना है। स्पीकर ने विधायकों को अयोग्य ठहराने की याचिकाएं खारिज कर दीं। इनकी सदस्यता भी रद्द नहीं की। इसी बीच, चुनाव आयोग ने शिवसेना का चुनाव चिह्न धनुष-बाण शिंदे गुट को दे दिया। ममता के पास अब सिर्फ 22 विधायक और 18 सांसद बचे टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले राजनीति जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टिकरण और....

मोदी सरकार के 12 वर्ष विकसित भारत की मजबूत नींव के स्वर्णिम वर्ष : जेपी नड्डा

प्रातः किरण, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी - हिमाचल प्रदेश
12 विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के
विकसित भारत
संकल्प सम्मेलन
ANI

शिमला। केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री तथा भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अवधि केवल एक सरकार का कार्यकाल नहीं, बल्कि विकसित भारत की मजबूत आधारशिला रखने वाले परिवर्तनकारी वर्षों का प्रतीक है। भाजपा द्वारा आयोजित 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान के तहत शुक्रवार को शिमला में आयोजित बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति की दिशा और संस्कृति दोनों को बदला है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार तक सीमित थी, लेकिन मोदी सरकार ने राजनीति को सेवा, सुशासन और जवाबदेही का माध्यम बनाया है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने कई ऐतिहासिक निर्णय देखे हैं। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाना और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू करना ऐसे फैसले हैं, जिन्होंने देश की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण की नीतियों के कारण भाजपा को लगातार तीसरी बार जनता का समर्थन मिला है। देश के अधिकांश नागरिक आज भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में निवास कर रहे हैं, जो सरकार की नीतियों पर जनता के विश्वास को दशार्ता है। हिमाचल प्रदेश का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रदेश को विकास की नई गति प्रदान की है। बिलासपुर में एम्स की स्थापना, चंबा, हमीरपुर और नाहन में मेडिकल कॉलेजों का निर्माण तथा राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क परियोजनाओं के विस्तार से प्रदेश की तस्वीर बदली है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हिमाचल में 14,400 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़क नेटवर्क विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हिमाचल में सभी घरों तक पेयजल सुविधा पहुंचाई गई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से लगभग डेढ़ लाख परिवारों को गैस कनेक्शन मिले हैं, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना से एक लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रदेश में लगभग दो लाख शौचालयों का निर्माण किया गया है। नड्डा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने आधारभूत ढांचे, स्वास्थ्य, रक्षा, तकनीक और अंतरिक्ष के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। चंद्रयान-3 की सफलता, सेमीकंडक्टर निर्माण, डिजिटल इंडिया, वंदे भारत ट्रेनों और आधुनिक परिवहन नेटवर्क ने भारत को नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि आज भारत आत्मविश्वास के साथ विश्व मंच पर अपनी भूमिका निभा रहा है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 13 जून, 2026

संक्षिप्त समाचार

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर हादसा, तुंगनाथ दर्शन कर लौट रहे एमपी के दो युवकों की बाइक खाई में गिरी

देवप्रयाग, एजेंसी। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर मध्य प्रदेश के दो युवक हादसे का शिकार हो गए। दोनों को खाई से निकाल उपचार के लिए भेजा गया। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर पाली पुलिया के पास मंगलवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां तुंगनाथ से दर्शन कर लौट रहे बुलेट सवार दो युवक अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरे। घटना की जानकारी मिलते ही उपनिरीक्षक ललित मोहन भट्ट के नेतृत्व में श्रीनगर पोस्ट से एसडीआरएफ की टीम तत्काल उपकरणों के साथ मौके के लिए रवाना हुई। देवप्रयाग से लगभग पांच किलोमीटर पहले श्रीनगर की ओर स्थित दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर एसडीआरएफ और देवप्रयाग पुलिस ने संयुक्त रूप से रात के अंधेरे में ही बेहद चुनौतीपूर्ण सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पहाड़ के अत्यधिक दुर्गम और पथरीले रास्ते के बावजूद जवानों ने अदम्य साहस और पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए गहरी खाई में उतरकर दोनों घायलों तक पहुंच बनाई और कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें जीवित बाहर निकाल लिया। खाई से सुरक्षित निकालने के बाद दोनों युवकों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर एंबुलेंस के जरिए तुरंत बेस अस्पताल श्रीनगर भिजवाया गया। एसडीआरएफ के इंस्पेक्टर केवेंद्र सजवाण ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि घायलों की पहचान पीयूष शर्मा (19) और हर्ष कुशवाहा (22) के रूप में हुई है, जो शिवपुरी, मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। हादसे में दोनों युवकों के पैर और कमर में गंभीर चोटें आई हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

रुद्रप्रयाग में बारिश का कहर, उफनाए खुदगर गदेरे ने मचाई तबाही, कई जगहों पर नुकसान की भी खबरें

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। उत्तराखंड में अभी मॉनसून के दस्तक भी नहीं दी, लेकिन बारिश ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है. रुद्रप्रयाग जिले के जखोली विकासखंड में बुधवार शाम को मूसलाधार बारिश हुई. इस बारिश ने ग्रामीणों क्षेत्रों में भारी नुकसान पहुंचाया है. दरअसस, ग्राम सभा खलियाण स्थित राम मंदिर के पास बहने वाला खुदगर गदेरा बारिश के बाद अचानक उफान पर आ गया था. जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. तेज बहाव के कारण कई स्थानों पर बुनियादी ढांचे को क्षति पहुंची है, जबकि प्रमुख संपर्क मार्ग भी बाधित हो गए हैं. जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अत्यधिक वर्षा के चलते खुदगर गदेरे का जलस्तर अचानक बढ़ गया. गदेरे के तेज बहाव की चपेट में आने से पुजार गांव से जंगल की ओर जाने वाले पैदल मार्ग पर बनी 2 से 3 पुलियाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं. पुलियाओं के क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित हुई है और स्थानीय लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं, पुजारगांव-सिरवाड़ी मोटर मार्ग पर भारी मात्रा में मलबा, पत्थर और बोल्डर आने से सड़क पूरी तरह अवरुद्ध हो गई है. मार्ग बंद होने से क्षेत्र का संपर्क प्रभावित हुआ है. सूचना मिलते ही प्रशासन और संबंधित विभागों ने मार्ग खोलने की कार्रवाई शुरू कर दी है. स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है. प्रशासन के अनुसार फिलहाल घटना में किसी प्रकार की जनहानि या पशुहानि की सूचना नहीं है, जो राहत की बात है. हालांकि प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का विस्तृत आंकलन किया जा रहा है. राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं संबंधित विभागों की टीमें मौके से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर स्थिति का मूल्यांकन कर रही हैं. लगातार जारी बारिश और मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों को देखते हुए प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है. लोगों को गदेरों, नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने, खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा न करने तथा किसी भी आपदा संबंधी सूचना को तत्काल प्रशासन तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं. बारिश के इस ताजा कहर ने एक बार फिर पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते खतरे को उजागर कर दिया है. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है.

निशुल्क पाठ्य पुस्तकों की गुणवत्ता की जांच

चंपावत, एजेंसी। मुख्यालय में शिक्षा विभाग सरकारी विद्यालयों की निशुल्क पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता की जांच कर रहा है। यह पहल छात्रों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की जा रही है। जिले में कक्षा एक से 12 तक के लगभग 26 हजार छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की जा रही हैं। छात्रों को समय पर उच्च गुणवत्ता की पुस्तकें उपलब्ध कराना शिक्षा विभाग की प्राथमिकता है। इसी के तहत जिला मुख्यालय में पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। जांच के दौरान छपाई, कागज की गुणवत्ता, बाइंडिंग और सामग्री की शुद्धता का परीक्षण किया जा रहा है। प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी मान सिंह बिष्ट ने बताया कि अलग-अलग ब्लॉकों के आठ विषयाध्यापकों से पाठ्यपुस्तकों की जांच कराई जा रही है। कहा कि यदि किसी विद्यालय में खराब गुणवत्ता की पुस्तकें पाई जाती हैं तो इसकी सूचना तत्काल निदेशालय स्तर पर निशुल्क पाठ्यपुस्तक जांच समिति को भेजी जाएगी।

हाईकोर्ट से सहायता प्राप्त कॉलेजों के प्रवक्ताओं को बड़ी राहत, सरकार को ब्याज के साथ बकाया राशि देने के निर्देश

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सरकार द्वारा सहायता प्राप्त कॉलेजों के हिंदी, इतिहास और कला विषय के प्रवक्ताओं को दस वर्ष की संतोषजनक सेवा करने के बाद भी चयन/पदोन्नति का वेतनमान नहीं दिए जाने के मामले में दायर याचिका पर सुनवाई की.

मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ ने उनकी याचिका को निस्तारित करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि उनकी नियुक्ति की तिथि से उनकी सेवाओं को जोड़ते हुए आज से आठ सप्ताह के भीतर उनका बकाया समेत चयन ग्रेड/पे स्केल निर्धारित करें और बकाया राशि पर 9 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब से ब्याज समेत भुगतान करें. निर्धारित अवधि के भीतर अगर भुगतान नहीं किया जाता है तो 18 प्रतिशत ब्याज के हिसाब से भुगतान पाने के हकदार होंगे.

मामले के अनुसार, राजेश कुमार वर्मा सहित अन्य ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा है कि वे सहायता प्राप्त कॉलेजों में हिंदी, इतिहास और कला विषय के प्रवक्ता हैं. उनके द्वारा दस वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी कर ली गई है.

लेकिन उन्हें अभी भी चयन/पदोन्नति वेतनमान का लाभ नहीं दिया जा रहा है. जबकि वे चयन वेतमान ग्रेड पे स्केल पाने के हकदार हैं.

सरकार द्वारा 4 मार्च 2014 के शासनादेश में स्पष्ट किया है कि दस वर्ष की निरंतर संतोषजनक सेवा करने के बाद चयन ग्रेड और 12 वर्ष की संतोषजनक सेवा करने पर पदोन्नति वेतनमान पाने के हकदार होंगे. लेकिन अभी तक उन्हें इसका लाभ नहीं दिया गया है. जबकि उच्च न्यायालय ने 2015 और 2018 उनके हक में फैसला दिया था. लेकिन सरकार ने उसका अनुपालन नहीं किया. याचिका में कोर्ट से प्रार्थना की है कि उन्हें चयन वेतनमान और पदोन्नति के समस्त लाभ दिलाए जाने के निर्देश सरकार को दिए जाएं.

जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश पर रोकः एक अन्य मामले में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने स्नातक में 45 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं होने के कारण जिला शिक्षा अधिकारी हरिद्वार के द्वारा हरिद्वार में सहायक अधयापक ऊर्दू शिक्षक की सेवा समाप्ति के आदेश को चुनौती देती याचिका पर सुनवाई की. मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ ने जिला शिक्षा अधिकारी हरिद्वार के सेवा समाप्ति के आदेश पर रोक लगाते हुए सरकार से 6 सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है.

मामले के अनुसार हरिद्वार निवासी अनीश अहमद सिद्धकी ने याचिका दायर कर कहा है कि उनकी नियुक्ति हरिद्वार में सहायक अध्यापक उर्दू के रूप में 23 मई 2022 को हुई.

उनके पास कला वर्ग में स्नातक और बीएड डिग्री थी. उनके स्नातक में 41 प्रतिशत अंक थे. जिला शिक्षा अधिकारी हरिद्वार ने 25 अप्रैल 2026 को उनकी सेवा इस आधार पर समाप्त कर दी कि उनके स्नातक में 45 प्रतिशत अंक नहीं है.

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को अवगत कराया कि एनसीईटी की नियमावली 13 नवम्बर 2018 के अनुसार वे उम्मीदवार जिन्होंने 29 जुलाई 2011 से पहले बीएड किया है, उनपर स्नातक में 45 प्रतिशत अंक होने का प्रावधान लागू नहीं होता है. यहां याचिकाकर्ता ने स्नातक 2005 में और बीएड 2008 में किया है. इसलिए उनकी सेवा समाप्ति के आदेश नियम विरुद्ध है.

लिहाजा उन्हें बहाल किया जाए. सरकार की तरफ से कहा गया कि उनके पास स्नातक में उर्दू मुख्य विषय नहीं था. इसलिए उनकी सेवा समाप्ति का आदेश वैध है. कोर्ट ने सरकार के इस तथ्य को नकार कर जिला शिक्षा अधिकारी हरिद्वार के आदेश पर रोक लगा दी है. साथ में सरकार से छः सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है.

चमोली में फिर भालू का हमला, महिला की हालत नाजुक

चमोली, एजेंसी। उत्तराखंड में शिकारी वन्यजीवों के हमले में थमने का नाम नहीं ले रहे हैं. ताजा मामला कुंड बगड़ क्षेत्र से सामने आया है. जहां लकड़ी लेने जंगल जा रही एक महिला पर भालू ने अचानक हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया. महिला को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है. जहां पर उसका उपचार जारी है. महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है.

जंगल जा रही महिला पर झपटा भालूः जानकारी के मुताबिक, कुंड बगड़ गांव की विमला देवी अन्य ग्रामीण महिलाओं के साथ जंगल की ओर जा रही थी. इसी दौरान झाड़ियों में छिपे भालू ने अचानक हमला कर दिया. हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. साथ मौजूद महिलाओं के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद भालू जंगल की ओर भाग गया.

भालू के हमले में महिला बुरी तरह से घायलः बताया जा रहा है कि भालू के हमले में महिला बुरी तरह लहूलुहान हो गई. उसके शरीर पर गहरे घाव हो गए हैं. वहीं, ग्रामीणों ने घायल महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. जहां से डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया. इस घटना के बाद वन विभाग की टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है. वहीं, ग्रामीणों ने वन विभाग से प्रभावित क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, भालू की गतिविधियों पर निगरानी रखने और मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की है. स्थानीय लोगों का कहना है कि वन विभाग को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने चाहिए. ताकि, भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके.

बता दें कि चमोली जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हाल के सालों में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं.

जंगलों से सटे गांवों में भालू, गुलदार और अन्य वन्यजीवों की आवाजाही बढ़ने से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है. बीती 8 जून को भी कुंड बगड़ क्षेत्र में भी भालू के हमले की घटना सामने आई थी.

दोस्ती में नाराजगी पड़ी भारी, दोस्तों ने लगा दिए गुमशुदगी के पोस्टर, मजाक पहुंचा कोतवाली

ऋषिकेश, एजेंसी। दोस्ती में आई खटास के बाद दोस्तों द्वारा किया गया एक मजाक उन्हें भारी पड़ गया. अपने ही दोस्त से कई दिनों तक बातचीत बंद होने पर तीन युवकों ने उसे मनाने के लिए ऐसा तरीका अपनाया, जिसने पूरे मामले को पुलिस तक पहुंचा दिया. दरअसल, दोस्तों ने युवक की तस्वीर के साथ गुमशुदगी के पोस्टर छपवाकर शहर के विभिन्न इलाकों में चस्पा कर दिए और उसे ढूंढकर लाने वाले के लिए सिगरेट की डिब्बी इनाम के तौर पर घोषित कर दी. बाद में पोस्टरों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला कोतवाली पहुंच गया. जानकारी के अनुसार रेलवे रोड क्षेत्र निवासी एक युवक निजी कंपनी में कार्यरत है. कुछ समय पहले किसी बात को लेकर उसकी अपने तीन दोस्तों से कहासुनी हो गई थी. विवाद के बाद युवक ने उनसे बातचीत बंद कर दी और संपर्क भी कम कर दिया. कई दिनों तक बात न होने पर दोस्तों ने उसे मनाने के उद्देश्य से एक अनोखा लेकिन गैर-जिम्मेदाराना मजाक करने की योजना बनाई. युवकों ने अपने दोस्त की तस्वीर के साथ गुमशुदगी के पोस्टर तैयार कराए.

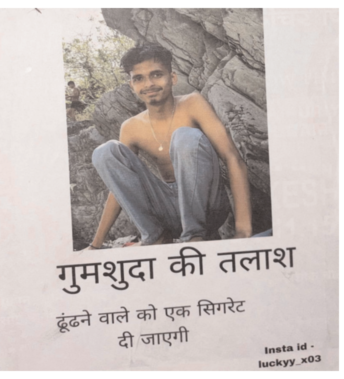

पोस्टर में युवक को 'लापता' बताते हुए उसे खोजकर लाने वाले के लिए सिगरेट की डिब्बी इनाम के रूप में देने की बात भी लिखी गई. इसके बाद इन पोस्टरों को आईएसबीटी परिसर, आशुतोष नगर समेत शहर के विभिन्न स्थानों की दीवारों पर चस्पा कर दिया गया. इतना ही नहीं, पोस्टर लगाने का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा कर दिया गया, जिससे यह तेजी से वायरल हो गया. मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब वायरल वीडियो युवक और उसके परिजनों तक पहुंचा. खुद को गुमशुदा घोषित किए जाने और सार्वजनिक रूप से इस तरह प्रचारित किए जाने से परिवार नाराज हो गया. परिजनों ने इसे अनुचित बताते हुए संबंधित युवकों के खिलाफ कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और एक युवक को पूछताछ के लिए कोतवाली बुलाया. पूछताछ के दौरान युवकों ने बताया कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार की गलत सूचना फैलाना नहीं था, बल्कि अपने नाराज दोस्त को मनाने के लिए मजाक के तौर पर यह कदम उठाया गया था. हालांकि पुलिस ने इसे गैर-जिम्मेदाराना हरकत मानते हुए युवकों को कड़ी फटकार लगाई. प्रभारी निरीक्षक केसी भट्ट ने बताया कि सभी संबंधित युवकों को कोतवाली बुलाकर चेतावनी दी गई है. साथ ही उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की गई है. उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मजाक से अनावश्यक भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है और पुलिस का समय भी व्यर्थ होता है. भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए युवकों को सख्त हिदायत दी गई है.

9 साल की बेटी से दुष्कर्म का प्रयास, कोर्ट ने पिता को सुनाई दस साल की सजा, चाची का भी रेप-मर्डर कर चुका है दोषी

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में कोर्ट ने आज दस जून को बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट ने 9 साल की बेटी से दुष्कर्म के प्रयास मामले में आरोपी पिता को दोषी माना है. इस मामले में कोर्ट ने दोषी पिता को दस साल के कठोर कारावास की सजा और दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगया है. दोषी पिता ने पड़ोस में ही रहने वाली अपनी चाची की भी रेप के बाद हत्या कर दी थी. इस मामले ने उसे सजा भी हुई थी. सजा के बाद कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दोषी पैरोल पर जेल से बाहर आया था, तभी उसने अपनी नाबालिग बेटी के साथ इस तरह की हरकत की. शासकीय अधिवक्ता भूपेंद्र चौहान ने बताया कि सात अक्टूबर 2022 से श्यामपुर थाना क्षेत्र में किशोरी का अपने घर पर लगातार मानसिक और शारीरिक शोषण किया जा रहा था. पीड़िता ने मां को अपनी सारी आपबीती बताई थी. उसने मां को बताया था कि आरोपी पिता गलत नीयत से छेड़खानी और दुष्कर्म की कोशिश करता है. जब भी वो घर में अकेली होती है तब पिता उसके साथ गलत नीयत से छेड़खानी करता है. कई बार उसने किसी तरह पीड़िता ने बचकर अपनी जान बचाई थी. पत्नी ने थाने में अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायतकर्ता पत्नी ने पुलिस को बताया था कि सात अक्टूबर 2022 की रात को उसके पति ने सोती हुई बेटी के साथ छेड़खानी की और बेटी के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की. बेटी ने पिता की हरकत का विरोध किया और शोर मचा दिया.

बेटी का शोर सुनकर उठी शिकायतकर्ता माता ने बड़ी मुश्किल से पीड़ित बेटी को आरोपी पिता के चंगुल से बचाया था. शिकायतकर्ता पत्नी के विरोध करने पर आरोपी पति ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी थी. उस समय शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज किया और पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था.

सरकारी पक्ष ने प्राप्त साक्ष्य में साक्ष्यों, आठ गवाह और कोर्ट की ओर से एक गवाह पेश किया था. कोर्ट ने मामले की सुनवाई की और पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाया. अपर सत्र न्यायाधीश चंद्रमणि राय की अदालत ने प्रस्तुत किए गए गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को 10 वर्ष की कैद 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है. दोषी पिता को जुर्माना राशि जमा ना करने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा.

लोन माफी का झांसा देकर किसान से 2.75 लाख की ठगी, बैंक मैनेजर समेत दो पर लगा आरोप

लक्सर, एजेंसी। कृषि ऋण माफ कराने का सपना दिखाकर एक किसान से 2.75 लाख रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है. पीड़ित किसान ने बैंक शाखा प्रबंधक समेत दो लोगों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस से कार्रवाई की मांग की है. जानकारी के अनुसार कंकरखाता गांव निवासी किसान पहल सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसे भरोसा दिलाया गया था कि उसका कृषि ऋण पूरी तरह माफ करा दिया जाएगा. आरोप है कि इसी विश्वास में उसने 25 अगस्त 2025 को 2.75 लाख रुपये बैंक में जमा कराए. रकम जमा करने के बाद उसे रसीद भी दी गई, जिससे उसे लगा कि ऋण माफी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. किसान का कहना है कि कई महीने बीत जाने के बावजूद उसका ऋण समाप्त नहीं हुआ. जब उसने इस संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया तो उसे लगातार टालमटोल जवाब दिए जाते रहे. कई बार बैंक और संबंधित लोगों के चक्कर लगाने के बाद भी कोई समाधान नहीं निकला. पीड़ित के अनुसार आखिर में उसने अपने अधिवक्ता के माध्यम से आरोपितों को कानूनी नोटिस भेजा. नोटिस मिलने के बाद संबंधित लोगों ने यह कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया कि ऋण माफी कराना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है और उन्होंने उससे कोई धनराशि नहीं ली. हालांकि किसान का दावा है कि उसके पास बैंक में जमा कराई गई राशि से संबंधित सभी दस्तावेज और प्रमाण मौजूद हैं. पहल सिंह ने आरोप लगाया कि सुनियोजित तरीके से उसे भ्रमित कर 2.75 लाख रुपये हड़प लिए गए. उसने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है. उधर, लक्सर कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक नितिन चौहान ने बताया कि शिकायत प्राप्त हो चुकी है. मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर लग रहा जाम

धारचूला (पिथौरागढ़), एजेंसी। आदि कैलाश दर्शन करने के लिए देशभर से आ रहे यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इस कारण आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया है। यात्रियों की संख्या अधिक होने से ओम पर्वत और आदि कैलाश क्षेत्र में जाम की स्थिति बन रही है। एसडीएम आशीष जोशी ने बताया कि बीते बुधवार को 1048 परमिट जारी किए गए। इस यात्रा सीजन में अब तक कुल 39,052 परमिट जारी हो चुके हैं। यात्रियों के बढ़ते दबाव के बीच गुंजी और नाबी में वाहनों की रोजाना चेकिंग हो रही है। गुंजी की सरपंच लक्ष्मी गुंज्याल ने बताया कि बाहर से आए यात्रियों के कई वाहन खराब हो रहे हैं जिन्हें पुलिस प्रशासन की ओर से बीआरओ आदि के सहयोग धारचूला पहुंचाया जा रहा है।

उत्तराखंड की लोक गायिका हेमा नेगी करासी को मिलेगा उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। देवभूमि उत्तराखंड की लोक-संस्कृति की गूंज अब देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है. इस सांस्कृतिक अलख को प्रज्वलित करने वाली उत्तराखंड की सुप्रसिद्ध लोक गायिका एवं संस्कृति संरक्षक हेमा नेगी करासी को वर्ष 2024-25 के प्रतिष्ठित 'संगीत नाटक अकादमी के अंतर्गत 'उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार' से सम्मानित किए जाने की घोषणा ने पूरे प्रदेश को गौरवान्वित कर दिया है. यह सम्मान उन्हें उत्तराखंड की लोक-संस्कृति, पारंपरिक लोककलाओं और लोकसंगीत के संरक्षण एवं संवर्धन में दिए गए अतुलनीय योगदान के लिए प्रदान किया जा रहा है. यह उपलब्धि केवल एक कलाकार का सम्मान नहीं, बल्कि उत्तराखंड की उस लोकधरोहर का राष्ट्रीय सम्मान है, जिसे हेमा नेगी करासी ने अपने स्वर, समर्पण और संघर्षों के बल पर नई पहचान दिलाई. हेमा नेगी करासी ने केवल गीत नहीं गाए, बल्कि उत्तराखंड की मिटती सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्जीवित करने का अभियान चलाया. उन्होंने जागर, थड़िया, चौंफला, झुमेलो जैसी विलुप्तप्राय लोक विधाओं को अपनी मधुर आवाज और आधुनिक प्रस्तुति के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाया. उनकी कला साधना का परिणाम है कि आज उत्तराखंडी लोकसंगीत को देश और विदेशों में सम्मानपूर्वक सुना और सराहा जाता है. उनके गीतों में पहाड़ की आत्मा, संस्कृति की खुशबू और मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम झलकता है. तानों और तिरस्कार से राष्ट्रीय सम्मान तक का सफरः रुद्रप्रयाग जिले के दूरस्थ गांव तुखिंडा में जन्मी हेमा नेगी करासी का जीवन संघर्षों की एक प्रेरणादायक कहानी है. विवाह के बाद उनका ससुराल फलासी गांव में हुआ. सीमित संसाधनों और सामाजिक चुनौतियों के बीच उन्होंने अपने सपनों को जीवित रखा. हेमा नेगी ने कहा कि, जब उन्होंने मंचों पर पारंपरिक उत्तराखंडी वेशभूषा पाखला-आंगड़ी, पहाड़ी नथ और लोक परिधान को गर्व के साथ धारण करना शुरू किया, तब कई लोगों ने उनका मजाक उड़ाया, ताने दिए और उनकी सोच पर सवाल उठाए. लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय अपनी संस्कृति को ही अपनी ताकत बना लिया. आज वही पारंपरिक वेशभूषा, जो कभी उपहास का विषय बनाई गई थी, दुनिया भर में उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बन चुकी है. तीलू रौतेली पुरस्कार से भी हो चुकी हैं सम्मानितः उत्तराखंड सरकार द्वारा महिलाओं को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक 'तीलू रौतेली पुरस्कार' से भी हेमा नेगी करासी को सम्मानित किया जा चुका है. यह सम्मान उनके साहस, संघर्ष और समाज और संस्कृति के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का प्रमाण है.

गोविंदपुरी अग्निकांड में पड़ोसियों ने साड़ियों का इस्तेमाल करके आग में फंसे लोगों को बचाने का सराहनीय कार्य किया- सौरभ भारद्वाज

- अब गोविंदपुरी अग्निकांड में गई तीन की जान, आप की भाजपा सरकार से सभी अग्निकांड की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी
ANI

नई दिल्ली। दक्षिणी-पूर्वी दिल्ली स्थित गोविंदपुरी इलाके में पांच मंजिला इमारत में आग लगने से तीन और बेकसूर लोगों की जान चली गई और कई गंभीर रूप से घायल हैं। इन घटनाओं के प्रति गहरा शोक व्यक्त करते हुए आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार से इस साल अब तक हुई अग्निकांड की घटनाओं की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार ने पालम, विवेक विहार, मालवीय नगर अग्निकांड की जांच की घोषणा की थी, लेकिन अब तक रिपोर्ट नहीं आई। जब जांच रिपोर्ट ही नहीं आएगी तो पता कैसे चलेगा कि आग कैसे लगी और इसके लिए जिम्मेदार कौन है? अगर सरकार आग की घटनाएं रोकने के लिए वास्तव में गंभीर है तो जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे और उसके अनुसार सख्त कदम उठाए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मृत्यु हुई है और आठ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घटनास्थल पर पड़ोसियों ने फंसे लोगों की जान बचाने के लिए बड़ी मदद करने की कोशिश की है। कई लोगों ने लटकी हुई साड़ियों से भी नीचे उतरकर अपनी जान बचाई है। अगर इस तरह से आस-पड़ोस के लोग आगे आकर मदद करें, तो कई हादसों के नुकसान को कम किया जा सकता है। मैं उन सभी पड़ोसियों का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद करता हूं जिन्होंने बचाव कार्य में अपनी जान की परवाह नहीं की, पानी डाला और हर संभव कोशिश की। शायद इसी सतर्कता की वजह से कई लोगों की जान बच पाई है। सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि दिल्ली में इस तरह के जितने भी हादसे होते हैं, उनमें जांच की बात तो की जाती है लेकिन जांच रिपोर्ट कभी सामने नहीं आती। मार्च में पालम के हादसे में नौ लोगों की मौत हुई थी, तब कहा गया था कि जांच में एक या डेढ़ महीना लग सकता है, लेकिन आज चौथा महीना चल रहा है और अभी तक पालम हादसे की जांच रिपोर्ट नहीं आई कि वहां क्या हुआ था और किसकी गलती थी। इसके बाद विवेक विहार में आग लगी और 9 लोगों की जान गई, तब कहा गया था कि हफ्ते भर में जांच रिपोर्ट आ जाएगी, लेकिन वह रिपोर्ट भी अब तक नहीं आई है। एक हफ्ते पहले मालवीय नगर में लगी आग में 23 लोगों की मौत हुई थी, जिसके लिए मीडिया के सामने कहा गया था कि तीन दिन के अंदर रिपोर्ट आएगी, लेकिन एक हफ्ते से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी उसकी रिपोर्ट नहीं आई है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमारी सरकार से सिर्फ इतनी मांग है कि जो भी हादसे हों, उनकी जांच रिपोर्ट अनिवार्य रूप से सामने आनी चाहिए। रिपोर्ट सार्वजनिक होने से ही पता चलेगा कि गलती किसकी थी, क्योंकि कई जगह फायर ब्रिगेड की लापरवाही होती है तो कई जगह किसी अन्य विभाग की कोताही होती है। रिपोर्ट आने पर ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकेगी और अगर फायर ब्रिगेड के रिस्पांस या बचाव कार्य में कोई कमियां हैं, तो उन्हें दूर किया जा सकेगा। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि पिछले कुछ समय में आग के तांडव और गंभीर मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

ब्रिटानिया चौक अब अश्विनी चोपड़ा मिन्ना के नाम पर, उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया अनावरण

- पत्रकारिता और सार्वजनिक जीवन में अश्विनी चोपड़ा का योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव रहेगा प्रेरणास्रोत : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व सांसद, समाजसेवी और पंजाब केसरी समूह के पूर्व संपादक स्वर्गीय अश्विनी कुमार चोपड़ा (मिन्ना) को सम्मान देते हुए लॉरेंस रोड स्थित ब्रिटानिया चौक का नया नाम ह्यअश्विनी चोपड़ा (मिन्ना) चौकह्न रखा। इस अवसर पर उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने संयुक्त रूप से चौक का उद्घाटन किया और नामकरण पट्टिका का अनावरण किया। उपराज्यपाल ने कहा कि दिल्ली सरकार की यह पहल सराहनीय है और इससे अश्विनी कुमार चोपड़ा के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता, सार्वजनिक जीवन और समाज सेवा के क्षेत्र में मिन्ना जी का योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। कार्यक्रम में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, प्रवीण खंडेलवाल, विजय गोयल, विधायक राजकुमार भाटिया, तिलकराम गुप्ता, वीरेन्द्र सचदेवा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं नागरिक उपस्थित थे। उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने स्वर्गीय अश्विनी चोपड़ा को याद करते हुए कहा कि वह केवल एक पत्रकार या जनप्रतिनिधि नहीं थे, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनका बड़ा दिल, साहस और लोगों के प्रति स्नेह उन्हें विशिष्ट बनाता था। अब यह हम सभी नागरिकों, प्रशासन और परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है कि इस चौक को दिल्ली के सबसे स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित सार्वजनिक स्थलों में शामिल किया जाए, ताकि स्वर्गीय अश्विनी चोपड़ा के नाम का सम्मान सदैव बना रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मिन्ना जी ने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण सत्य, समाज और राष्ट्रहित के लिए समर्पित किया। उन्होंने एक निर्भीक पत्रकार के रूप में अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की आवाज को बुलंद किया और जनसरोकारों को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया। अश्विनी चोपड़ा ने समाज और लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सदैव सर्वोपरि रखा। यही कारण है कि आज उनके नाम पर इस महत्वपूर्ण चौक का नामकरण किया जाना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व और योगदान को समाज की ओर से दी गई सच्ची श्रद्धांजलि है।

संक्षिप्त खबरें

यमुनापार में 750 से अधिक अवैध निर्माण चिह्नित

नई दिल्ली। राजधानी के यमुनापार क्षेत्र में अवैध निर्माण का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सैदुलाजाब और हौजरानी की घटनाओं में कई लोगों की मौत के बाद भी पूर्वी दिल्ली में नियमों को ताक पर रखकर बहुमंजिला इमारतों का निर्माण जारी है। नगर निगम के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी जोन में पिछले करीब दो महीनों के दौरान 750 से अधिक अवैध निर्माण चिह्नित किए गए हैं। अब इन निर्माणों के विरुद्ध बड़े स्तर पर ध्वस्तीकरण अभियान चलाए जाने की तैयारी की जा रही है। नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार कृष्णा नगर, दुर्गापुरी, भजनपुरा, घोंडा, बृजपुरी, खुरेजी, न्यू अशोक नगर, विवेक विहार, शकरपुर और लक्ष्मी नगर सहित कई क्षेत्रों में बड़ी संख्या में अवैध इमारतें खड़ी की जा रही हैं। हाल ही में सैदुलाजाब में इमारत गिरने और हौजरानी स्थित एक होटल में आग लगने की घटनाओं के बाद मुख्यमंत्री ने अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके बाद दोनों जोन में जल्द ही व्यापक कार्रवाई शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।सूत्रों के अनुसार, जिन भवनों का ढांचा तैयार हो चुका है, वहां निर्माणकर्ताओं द्वारा तेजी से अंतिम रूप देने का कार्य किया जा रहा है, ताकि संभावित कार्रवाई से पहले निर्माण कार्य पूरा किया जा सके।

दिल्ली के विकास को मिलेगी नई गति

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सुनियोजित विकास की दिशा में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा है। वर्षों से कानूनी विवादों में उलझे 207 भूखंडों का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है। इन भूखंडों को डीडीए अपने कब्जे में लेकर जनहित से जुड़ी परियोजनाओं के लिए विकसित करेगा, जिससे दिल्लीवासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। डीडीए के अनुसार, इन भूखंडों का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार के लिए किया जाएगा। यहां नए पार्क विकसित किए जाएंगे, सड़कों का चौड़ीकरण किया जाएगा, अस्पतालों सहित अन्य आवश्यक सरकारी परियोजनाओं को आकार दिया जाएगा। इससे न केवल स्थानीय स्तर पर सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि राजधानी के समग्र विकास को भी नई गति मिलेगी। प्राधिकरण का कहना है कि अधिग्रहण से जुड़े कानूनी विवादों के कारण ये भूखंड लंबे समय तक विकास कार्यों से दूर रहे।

हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और सराय काले खां की ओर से दूसरे प्रवेश द्वार का हुआ पुनर्विकास

- उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने दी जानकारी
- सराय काले खां की ओर से स्टेशन में सड़क मार्ग द्वारा प्रवेश अस्थायी रूप से बंद होने के कारण केवल नमो भारत के नए फुट ओवर ब्रिज से प्रवेश

नई दिल्ली, प्रात: किरण भरत पांडेय

HAZRAT NIZAMUDDIN
shutterstock

नई दिल्ली। हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, सराय काले खां की ओर स्थित दूसरे प्रवेश द्वार के पुनर्विकास का कार्य शुरू हो गया है। कार्य के दायरे में नई सीढ़ी, एस्केलेटर, लिफ्ट का निर्माण, बुकिंग कार्यालय का पुनर्निर्माण, शौचालय सुविधाओं का प्रावधान और फुट ओवर ब्रिज -2 के डेक स्लैब का विस्तार शामिल है। नमो भारत फुट ओवर ब्रिज को रेलवे फुट ओवर ब्रिज के साथ जोड़ने और एक अस्थायी बुकिंग कार्यालय की व्यवस्था का कार्य पहले ही पूरा कर लिया गया है और मई में इसे यात्रियों के लिए खोल दिया गया था। इन कार्यों के निष्पादन के लिए हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन का सराय काले खां की ओर का मौजूदा प्रवेश निकास द्वार अस्थायी रूप से बंद करना आवश्यक है। सीढ़ी के निर्माण का कार्य किया जाना है जिसके लिए मौजूदा प्रवेश/निकास द्वार के सामने का क्षेत्र उपलब्ध कराना आवश्यक है।यात्री सुरक्षा के हित में और कार्य के सुचारू निष्पादन के लिए सराय काले खा की ओर स्थित रेलवे स्टेशन का मौजूदा प्रवेश/निकास द्वार तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। कार्य अवधि के दौरान, यात्री नएफुट ओवर ब्रिज के माध्यम से नमो भारत स्टेशन के गेट नंबर 1 और गेट नंबर 2 के रास्ते हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन तक पहुंच सकेंगे। उत्तर रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे वैकल्पिक प्रवेश द्वार का उपयोग करें और रेलवे प्रशासन का सहयोग करें। यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं।इस बात की जानकारी उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने दी।

नव प्रशिक्षित सहायक उप निरीक्षक की हुई पासिंग आउट परेड समारोह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अकादमी, झरोदा कलां, नई दिल्ली में 85 प्रशिक्षुओं के लिए पासिंग आउट एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इनमें बैच संख्या-1 के 37 सहायक उप निरीक्षक (रेडियो तकनीशियन) (08 महिला सहित) तथा बैच संख्या-127 के 48 रंगरूट कांस्टेबल (10 महिला सहित) शामिल थे। इन प्रशिक्षुओं ने अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है और अब दिल्ली पुलिस में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर अकादमी के उपनिदेशक राजबीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सहायक उप निरीक्षक (रेडियो तकनीशियन) का यह प्रथम बैच था, जिसे वायरलेस संचालन से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षुओं को वायरलेस सेटों की ट्यूनिंग एवं मरम्मत, नेटवर्क स्थापना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अस्थायी नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षुओं को पुलिस प्रक्रियाओं, आपराधिक कानून, अपराध विज्ञान, साइबर अपराध एवं फोरेंसिक विज्ञान का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, ताकि वे आवश्यक कानूनी एवं प्रक्रियात्मक ज्ञान से सुसज्जित हो सकें। शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षुओं ने निःशस्त्र युद्ध कौशल, फायरिंग, आतंकवाद-रोधी उपायों तथा खेलकूद, योग एवं जिम अभ्यास जैसी शारीरिक दक्षता गतिविधियों में भाग लिया। विशेष प्रशिक्षण प्रशिक्षण के दौरान दंगा नियंत्रण, आतंकवादी घटनाओं से निपटने, शारीरिक क्षमता एवं सहनशक्ति विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। रंगरूट कांस्टेबलों को आपदा प्रतिक्रिया एवं हथियार संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके अतिरिक्त कमांडो कोर्स के अंतर्गत उन्हें विस्फोटक एवं आईईडी संबंधी आधारभूत जानकारी, कमांडो रणनीति, फील्ड क्राफ्ट तथा रेड एवं एम्बुश प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उत्कृष्ट प्रशिक्षु सहायक उप निरीक्षक (रेडियो तकनीशियन) वर्ग नवीन कुमार ने सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रशिक्षु (ऑल राउंड बेस्ट) ट्रॉफी एवं प्रथम इंडोर ट्रॉफी प्राप्त की।

सेवा रत्न से 132 समाज सेवियों को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

हैदराबाद। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सगठंन तेलंगाना राज्य के अध्यक्ष अब्दुल रहमान के तत्वाधन में प्रकाषनहाल गांधी भवन नामपल्ली में आयोजित 132 समाज सेवियों को सेवा रत्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाजिक कार्यकताओं मानवाधिकार रक्षकों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुडे व्यक्तियों ने भाग लिया डा. राजेन्द्र सिंह ठकराल के मार्ग दर्षन, अध्यक्षता में कार्यक्रम का षुभारम्भ किया गया । आईएचआरपी अध्यक्ष डा.एम.ए.रहमान फहीम ने वार्षिक रिर्पोट पेष की सम्मान समारोह में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवानिवृन्त आई.ए.एस.सैयद अजमत उल्लाह जस्टिस पाषा नवाज खान, डा.एच.मौ.मुजाहिद राष्ट्रीय अध्यक्ष षेख अब्दुल षरीफ एडवोकेट नेषनल चैयरमैन, डा.षेख फराष षोएब रहमान, गुरू नानक मिषन ट्रस्ट के सरदार रनवीर सिंह गाधी, एचआरपीसी दक्षिण भारत के अध्यक्ष डा. राजेन्द्र सिंह ठकराल के कर कमलों द्वारा समाज सेवियों को सम्मानित किया गया।

भाजपा जनकल्याण मंच ने संगठन विस्तार अभियान को दी नई गति

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भाजपा जनकल्याण मंच द्वारा राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा एवं जनकल्याण के उद्देश्य को लेकर देशव्यापी संगठन विस्तार अभियान को गति प्रदान की जा रही है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दर्शन आर शाह जी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में यह अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। भाजपा जनकल्याण मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सह दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित संतोष मिश्रा जी ने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा, सहयोग एवं जनकल्याण की योजनाओं को पहुंचाना है। संगठन प्रत्येक बूथ, वार्ड, ग्राम पंचायत, नगर एवं जिले तक अपने कार्यकताओं के माध्यम से राष्ट्रहित और समाजहित के कार्यों को विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि भाजपा जनकल्याण मंच केवल एक संगठन नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा का एक सशक्त माध्यम है, जो युवाओं, महिलाओं, किसानों, व्यापारियों एवं समाज के सभी वर्गों को जोड़कर मजबूत भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दर्शन आर शाह जी ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन के विस्तार के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें तथा सेवा, संस्कार और राष्ट्रभक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं।पंडित संतोष मिश्रा जी ने कहा कि दिल्ली प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में संगठन विस्तार अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। आगामी दिनों में सदस्यता अभियान, जनसंपर्क कार्यक्रम, सामाजिक सेवा गतिविधियां एवं राष्ट्रहित के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।भाजपा जनकल्याण मंच का मूल मंत्र सेवा ही संकल्प, संगठन ही शक्ति और राष्ट्र ही परम लक्ष्य है। संगठन इसी विचारधारा के साथ निरंतर समाज एवं राष्ट्र के उत्थान हेतु कार्य करता रहेगा।

नेशनल हॉकर फेडरेशन की अपील

नई दिल्ली। टाउन वेंडिंग कमेटी ने स्ट्रीट वेंडर्स एवं साप्ताहिक बाजार लगाने वालों से स्वच्छ छवि के व्यक्ति को चुनाव में जिताने की अपील की है। नेशनल हॉकर फेडरेशन का कहना है कि ईमानदार छवि वाले सदस्य को जिताने से उस पथ विक्रेताओं को लाभ मिलेगा, जो अपने मौलिक एवं संवैधानिक अधिकारों से वंचित हैं, उसके अधिकार दिलवाने में मदद करेंगे। नेशनल हॉकर फेडरेशन के महासचिव अनिल बक्शी का कहना है कि पिछली टाउन वेंडिंग कमेटी के अनुभव को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आगे बढ़-चढ़कर सर्वे करवाने में मदद की। दूसरा पहलू यह रहा कि लालची लोग टाउन वेंडिंग कमेटियों में घुस जाने के कारण वर्षों से काम कर रहे रेहड़ी, पटरी, साप्ताहिक बाजार में काम करने वाले पथ विक्रेताओं को सर्वे से वंचित कर दिया। नेशनल हॉकर फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव अनिल बक्शी ने कहा कि स्ट्रीट वेंडरों का जीवन बर्बाद कर दिया। आगे सर्वे कब होगा, पता नहीं, जिससे उनके जीवनयापन में संकट पैदा हो गया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश देकर कहा है कि जिनके पास वेंडिंग ऑफ सर्टिफिकेट है, वही रोजगार चलाने के पात्र हैं। अनिल बक्शी ने कहा कि नेशनल हॉकर फेडरेशन अपील करती है कि अपने मौलिक एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करनी है तो ईमानदार छवि के लोगों को चुनना होगा, ताकि भविष्य में दोबारा किसी प्रकार के रोजी रोजगार का संकट उत्पन्न न हो।

डीटीसी ने नए बस सेवाएं और रूट के विस्तार के जरिए लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को किया मजबूत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (डीटीसी) ने राजधानी दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की पहुंच को और ज्यादा बेहतर बनाने और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी क्रम में डीटीसी ने एक नया रूट 806 ए शुरू किया है। ह्यदेवी रूटह्न डी-6606 को लांच करने के साथ ही मौजूदा रूट आर एल-79 का विस्तार किया गया है, ताकि दिल्ली के तेजी से विकसित हो रहे रिहायशी और बाहरी इलाकों में रहने वाले नागरिकों को बेहतर परिवहन की सुविधाएं मिल सके दिल्ली के द्वारका मोड़ और पापरावत गांव के बीच पायलट आधार पर शुरू किया गया नया रूट 806 ए सेवा, पापरावत गांव, नांगली सकरावती, ककरोला और आस-पास के इलाकों के नागरिकों को सीधी बस कनेक्टिविटी देगी। यह रूट दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के ग्रामीण और शहरी सीमावर्ती इलाकों में बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाओं की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है।

घरेलू विवाद बना मौत, पत्नी की हथौड़े से मारकर पति ने ले ली जान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में एक महिला की हथौड़े से मारकर की गई निर्मम हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझाते हुए आरोपी पति को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि घरेलू विवाद और आपसी कलह के चलते आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया था। डीसीपी राहुल अहलावल के अनुसार मामले की सूचना मिलने के बाद खजूरी खास थाना पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों, तकनीकी विश्लेषण और लगातार पूछताछ के आधार पर आरोपी पति की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसका अपनी पत्नी के साथ अक्सर विवाद होता था। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आरोपी ने हथौड़े से पत्नी के सिर पर कई वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने मामले को छिपाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की जांच में उसके बयान और घटनास्थल से मिले सबूतों ने पूरी सच्चाई सामने ला दी। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल हथौड़ा भी बरामद कर लिया है। डीसीपी राहुल अहलावत ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ हत्या की धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ओ जोन के नाम पर नागरिकों के साथ हो रहा अन्याय : श्रीचंद वोहरा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। यमुना नदी के पर्यावरण संरक्षण के नाम पर बनाए गए ओ-जोन के कारण नहर पार क्षेत्र के लाखों निवासियों के साथ प्रशासनिक स्तर पर बड़ा अन्याय हो रहा है। जमीनी हकीकत यह है कि जो रिहाइशी इलाके यमुना जी के मुख्य तट से चार से आठ किलोमीटर दूर बसे हैं, उन्हें भी जबरन ओ जोन के दायरे में डाल दिया गया है। इसके खिलाफ अब निगम पार्षद हेमा श्रीचंद वोहरा एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्रीचंद वोहरा ने सीधे तौर पर मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं समाजसेवी श्रीचंद वोहरा ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक विशेष वीडियो जारी कर ओ जोन की पूरी सच्चाई को जनता के सामने बेनकाब किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि नियमों के अनुसार यमुना डूब क्षेत्र या उसके बेहद करीबी लगभग 300 मीटर के दायरे में निर्माण पर प्रतिबंध समझ आता है, लेकिन हमारा क्षेत्र यमुना जी से लगभग चार से आठ किलोमीटर दूर है। इसके बावजूद हमारे स्थापित और विकसित रिहाइशी इलाकों को ओ जोन में शामिल कर दिया गया है। यह सीधे तौर पर आम जनता के अधिकारों का हनन है। श्रीचंद वोहरा ने कहा कि ओ जोन का ठप्पा लग जाने की वजह से इन क्षेत्रों में मकानों की रजिस्ट्री, बैंक लोन, बिजली-पानी के वैध कनेक्शन और सड़कों-सीवर जैसे बुनियादी विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं। लोग अपनी गाढ़ी कमाई से जमीन खरीदने के बाद भी अपने ही आशियाने के मालिकाना हक के लिए तरस रहे हैं।पार्षद हेमा श्रीचंद वोहरा ने इस मुद्दे पर प्रशासन और संबंधित विभागों को घेरते हुए कहा कि सरकारी तंत्र की इस घोर लापरवाही को अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए इस आंदोलन से जुड़ें। उन्होंने मांग की है कि सरकार तुरंत इस क्षेत्र का दोबारा से करवाए।

उप महापौर कड़कड़डूमा गांव में विशेष स्वच्छता अभियान में हुई शामिल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उप महापौर डॉ. मोनिका पंत ने शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र के कड़कड़डूमा गांव में आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उप महापौर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नागरिकों से अपील की कि दिल्ली को साफ, स्वच्छ और सुंदर रखना हमारी साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि घरों से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें तथा प्लास्टिक कचरे को अन्य कचरे के साथ न मिलाएं। डॉ. मोनिका पंत ने कहा कि कचरा पृथक्करण से न केवल स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। उप महापौर डॉ. मोनिका पंत ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जो स्वच्छ एवं हरित दिल्ली का संकल्प किया है दिल्ली नगर निगम उसे साकार करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने नागरिकों से सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा न फेंकने तथा अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने का आग्रह किया। उप महापौर ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर दिल्ली के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। इस दौरान निगम अधिकारियों एवं स्थानीय निवासियों ने भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई और क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

प्रसिद्ध साहित्यकार और उर्दू प्रेमी कृष्ण लाल नारंग साकी के निधन पर उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की शोकसभा

- उर्दू पत्र-पत्रिकाओं को आर्थिक सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ उनका संरक्षण भी करते रहे केएल नारंग: डॉ. सैयद अहमद खान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की ओर से प्रसिद्ध साहित्यकार एवं उर्दू प्रेमी कृष्ण लाल नारंग साकी की स्मृति में एक शोकसभा का आयोजन दरियागंज स्थित ह्यउर्दू बुक रिव्यूह्न कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर उर्दू बुक रिव्यू के संपादक मोहम्मद आरिफ इकबाल ने कहा कि केएल नारंग साकी उर्दू के सच्चे प्रेमी थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन उर्दू भाषा, साहित्य तथा उर्दू के कवियों और साहित्यकारों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। वृद्धावस्था और शारीरिक कमजोरी के बावजूद वे उर्दू से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेने का हरसंभव प्रयास करते थे। नारंग ह्यसाकीह्न के भारत और पाकिस्तान के अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकारों एवं शायरों से घनिष्ठ संबंध थे। इसका स्पष्ट प्रमाण डॉ. सैफी सरवनजी द्वारा संपादित उनकी पुस्तक मशाहीर के खुतूतः नारंग साकी के नाम से मिलता है। उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सैयद अहमद खान ने कहा कि कृष्ण लाल नारंग साकी की साहित्यिक सेवाओं के सम्मान में गत वर्ष नौ नवम्बर को विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर उन्हें कुंवर महेंद्र सिंह बेदी विश्व उर्दू दिवस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे जीवनभर विभिन्न उर्दू पत्र-पत्रिकाओं को आर्थिक सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ उनका संरक्षण भी करते रहे। डॉ. खान ने कहा कि उर्दू जगत में नारंग साकी जैसे व्यक्तित्व बहुत कम देखने को मिलते हैं। वे साहित्यकारों और शायरों की मेहमाननवाजी के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध थे। उनके आतिथ्य का लाभ भारत और पाकिस्तान के अनेक प्रतिष्ठित कवियों और लेखकों को मिला। उर्दू भाषा और साहित्य के लिए उनकी सेवाओं को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने बताया कि उनकी दो चर्चित पुस्तकें अदीबों के लतीफे और खुश कलामियां कलमकारों की आज भी साहित्य प्रेमियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हैं।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 13 जून, 2026

संक्षिप्त खबरें

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा में छात्रों को मिलेगा 15 मिनट का अतिरिक्त समय

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा की अवधि 15 मिनट बढ़ाने की घोषणा की है। इसे छात्रों के हित में उठाया गया कदम बताया गया है। इसके अलावा छात्रों को प्रश्नपत्र में रफ कार्य के लिए मिलने वाले पृष्ठों की संख्या भी दो से बढ़ाकर चार कर दी गई है। एनटीए ने शुक्रवार को जारी सार्वजनिक सूचना में यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि 21 जून को प्रस्तावित पुनर्परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम सवा पांच बजे तक होगी। बताया कि यह परीक्षा 180 मिनट (तीन घंटे) की होती थी, लेकिन पुनर्परीक्षा 195 मिनट (सवा तीन घंटे) की होगी। एजेंसी के अनुसार, यह अतिरिक्त समय परीक्षा की शुरुआत और अंत में निरीक्षण संबंधी औपचारिकताओं, जैसे हस्ताक्षर आदि की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। अभ्यर्थियों का मानना था कि इन औपचारिकताओं के कारण उन्हें प्रश्न हल करने के लिए मिलने वाला वास्तविक समय कम हो जाता था। एजेंसी ने बताया कि अब तक प्रश्नपत्र पुस्तिका के अंत में रफ काम के लिए दो पेज मिलते थे, लेकिन पुनर्परीक्षा में इनकी संख्या चार कर दी गई है। एजेंसी के अनुसार, संशोधित प्रारूप में अब दो पेज प्रश्नपत्र पुस्तिका में निर्देश के तुरंत बाद और दो पेज अंत में होंगे। इससे अभ्यर्थियों को रफ कार्य के लिए पर्याप्त स्थान मिलेगा।

लापरवाही बरतने पर अधिकारियों की सेवाएं समाप्त होंगी

नई दिल्ली। मालवीय नगर अग्निकांड के बाद एमसीडी प्रशासन ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त रुख अपनाया है। इसे लेकर एमसीडी के जनस्वास्थ्य विभाग समेत अन्य विभागों को निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। इसी के मद्देनजर निगम प्रशासन ने दक्षिण जोन के अनुबंध पर काम कर रहे सहायक जन स्वास्थ्य अधिकारी (एपीएचओ) को हटा दिया है। इसके अतिरिक्त उप स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचओ) का भी ट्रांसफर कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि निगम जोन में सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही बरतने पर सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी। मालवीय नगर के हादसे के बाद एमसीडी प्रशासन लगातार अवैध तरह से होटल, गेस्ट हाउस और रेस्तरां समेत अन्य खानपान के प्रतिष्ठानों की जांच कर रहा है। इसे लेकर स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस से जुड़े दस्तावेजों और इसे नवीनीकरण की भी जांच की जा रही है।

सुल्तानपुरी इलाके में भाई से विवाद में बहन पर चलाई गोली

नई दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में एक लड़की से बातचीत करने को लेकर हुए विवाद में एक युवक के घर पर गोलीबारी का मामला सामने आया है। घटना के समय पीड़ित कृष की बहन 29 साल की राखी घर पर मौजूद थी। गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ है। राखी के बयान पर पुलिस ने गोली चलाकर जान सांसत में डालने और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पीड़िता राखी अपने परिवार के साथ ए ब्लॉक सुल्तानपुरी में रहती है। वह अविवाहित है। परिवार में उसके तीन भाई हैं। उसका मंझला भाई 20 साल का कृष सैलून में काम करता है। उसका इलाके में रहने वाले एक युवक से लड़की से बातचीत करने को लेकर विवाद चल रहा है। उसी से विवाद में घर पर गोली चलाई गई है।

देशभर के चालकों ने एकजुट होकर रखीं 30 प्रमुख मांगें

नई दिल्ली। राजधानी से देशभर के ड्राइवरों की आवाज बीते सोमवार को बुलंद होती दिखाई दी। ऑल ड्राइवर संघ भारत के नेतृत्व में राजघाट से झंडेवालान स्थित अंबेडकर भवन तक 22 किलोमीटर लंबी विशाल जन चेतना यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में देश के कई राज्यों से आए सैकड़ों पदाधिकारियों और ड्राइवरों ने भाग लेकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। यात्रा के दौरान सरकार तक अपनी 30 सूत्रीय मांगों को पहुंचाने के लिए पत्रकारवार्ता के दौरान संगठन के अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रसाद ने बताया कि देशभर के चालक संगठनों और संस्थाओं के साथ बैठक कर मांग पत्र सरकार को सौंपा गया ही। जिसमें चालक आयोग और राज्य चालक आयोग के गठन, 1 सितंबर को राष्ट्रीय चालक दिवस घोषित करने, चालक कल्याण बोर्ड बनाने तथा चालकों को पेंशन, बीमा, आवास और सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं देने की मांग की। मांग पत्र में दुर्घटना या मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहायता, बच्चों की शिक्षा में सहयोग, हाईवे पर विश्राम गृह व भोजनालय, पुलिस उत्पीड़न पर रोक, समान वेतन, 8 घंटे की ड्यूटी, चालक संग्रहालय और स्मारक निर्माण जैसी मांगें भी शामिल हैं।

एनडीएमसी ने शुरू की डी.आर.ओ.पी. पहल

● नई दिल्ली में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को मिलेगा नया आयाम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने प्लास्टिक कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए डी.आर.ओ.पी. परियोजना का शुभारंभ किया। किआ इंडिया और इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन के सहयोग से शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य प्लास्टिक अपशिष्ट के संग्रहण, पृथक्करण और पुनर्चक्रण की प्रभावी व्यवस्था विकसित करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने पुनर्चक्रित प्लास्टिक से निर्मित डी.आर.ओ.पी. सामुदायिक कूड़ेदानों का लोकार्पण किया और प्लास्टिक कचरा संग्रहण वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही नई दिल्ली क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे के व्यवस्थित प्रबंधन की नई व्यवस्था का औपचारिक शुभारंभ हो गया। इस अवसर पर परिषद सदस्य अनिल वाल्मीकि, आईपीसीए के सचिव अजय गर्ग, आईपीसीए की उपनिदेशक डॉ. राधा गोयल, किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतुल सूद, एनडीएमसी की मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शकुंतला श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों और बाजार व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेस्वच्छ भारत मिशन से जुड़ी है विशेष जिम्मेदारी कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन का शुभारंभ एनडीएमसी क्षेत्र स्थित वाल्मीकि बस्ती से किया था। ऐसे में एनडीएमसी के लिए स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी प्रत्येक पहल विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक रूप से छोटा होने के बावजूद एनडीएमसी क्षेत्र में संसद भवन, केंद्र सरकार के मंत्रालय, विदेशी दूतावास और राष्ट्रीय महत्व के अनेक संस्थान स्थित हैं। इसलिए यहां संचालित प्रत्येक स्वच्छता अभियान का संदेश राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचता है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में पहले भी मिली सफलताकुलजीत सिंह चहल ने बताया कि एनडीएमसी वर्ष 2021 से इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन के साथ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य कर रही है। इस सहयोग के तहत अब तक 115 एरोबिन स्थापित किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से 62,958 किलोग्राम गीले कचरे का वैज्ञानिक प्रसंस्करण किया गया और 10,013 किलोग्राम कम्पोस्ट का उत्पादन हुआ। उन्होंने कहा कि इसी अनुभव को आगे बढ़ाते हुए अब डी.आर.ओ.पी. परियोजना लागू की जा रही है, जिसके अंतर्गत पूरे एनडीएमसी क्षेत्र में प्लास्टिक कचरा संग्रहण के लिए विशेष डिब्बे लगाए जाएंगे। परियोजना के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट के संग्रहण से लेकर उसके अधिकृत पुनर्चक्रण तक की पूरी प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी।पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी होगी अहमकुलजीत सिंह चहल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल स्वच्छ भारत, मिशन लाइफ और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि नागरिकों की जिम्मेदार भागीदारी, जन-जागरूकता और क्षमता निर्माण के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण को कम किया जा सकेगा तथा लैंडफिल स्थलों पर बढ़ते दबाव को भी घटाया जा सकेगा।परिषद सदस्य अनिल वाल्मीकि ने कहा कि प्लास्टिक अपशिष्ट पर्यावरण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन चुका है।

विधायक आपके द्वार जनसुनवाई में उमड़ी भीड़, मौके पर कई समस्याओं का समाधान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

जन समस्या
के लिए आपका सेवक, आपके द्वार
संजय गुप्ता
RWA अध्यक्ष
जगन्नाथ प्रसाद
चेयरमैन
अर्जुन
सोनू
रवि

नई दिल्ली। त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र के सेंट्रल पार्क, ब्लॉक-2 में आयोजित विधायक आपके द्वार जनसुनवाई कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं और सुझाव विधायक रविकांत के समक्ष रखे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया, जबकि शेष मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए।जनसंवाद और जनसेवा के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में नगर निगम, दिल्ली पुलिस, जल बोर्ड, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड, दिल्ली विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग और बिजली वितरण कंपनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। नागरिकों ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, जलापूर्ति, सड़क मरम्मत, बिजली आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। विधायक रविकांत ने लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही चर्चा की और कई समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित कराया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करना जनप्रतिनिधि होने के नाते उनका कर्तव्य है। जनसुनवाई के बाद अधिकारियों के साथ हुई अहम समीक्षा बैठक जनसुनवाई कार्यक्रम समाप्त होने के तुरंत बाद विधायक रविकांत ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक भी की। इस बैठक में जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों से दो-टूक शब्दों में कहा कि जनता के कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी, लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।रविकांत ने कहा कि जिन समस्याओं को लेकर क्षेत्रवासी उनके पास पहुंचे हैं, उनका समाधान कराना अब उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे केवल समस्याएं सुनने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन पर प्रभावी कार्रवाई भी सुनिश्चित करेंगे। जनता की सुविधा ही मेरा एकमात्र लक्ष्य विधायक रविकांत ने कहा कि त्रिलोकपुरी विधानसभा को एक बेहतर, विकसित और सुविधासंपन्न क्षेत्र बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पत्रकारों की लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय की मांग, मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन (पंजीकृत) ने दिल्ली के मान्यता प्राप्त पत्रकारों की लंबे समय से लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को ज्ञापन भेजा है। एसोसिएशन का कहना है कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में शासन और जनता के बीच महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनके कल्याण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सरकार को प्राथमिकता के आधार पर निर्णय लेना चाहिए।एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय शंकर चतुर्वेदी द्वारा भेजे गए ज्ञापन में कहा गया है कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों तथा उनके आश्रित परिवारजनों के लिए सभी सरकारी और सूचीबद्ध अस्पतालों में नकदरहित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उनका कहना है कि आपात परिस्थितियों में उपचार के दौरान पत्रकारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिसे ऐसी व्यवस्था के माध्यम से दूर किया जा सकता है। ज्ञापन में वरिष्ठ पत्रकारों के लिए पेंशन योजना लागू करने की भी मांग की गई है। इसमें उल्लेख किया गया है कि देश के अनेक राज्यों में 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पत्रकारों को प्रतिमाह 15 हजार से 20 हजार रुपये तक की पेंशन प्रदान की जा रही है, जबकि दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार अब तक इस सुविधा से वंचित हैं। ऐसे में दिल्ली सरकार से 60 वर्ष से अधिक आयु के मान्यता प्राप्त वरिष्ठ पत्रकारों के लिए प्रतिमाह 20 हजार रुपये पेंशन देने की व्यवस्था लागू करने का आग्रह किया गया है।एसोसिएशन ने दिल्ली मान्यता समिति के गठन में हो रही देरी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया है। ज्ञापन के अनुसार, पिछले दो वर्षों से समिति का गठन नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में पत्रकारों के मान्यता पत्र जारी होने और उनके नवीनीकरण के मामले लंबित पड़े हैं। इससे पत्रकारों को अपने पेशेवर दायित्वों के निर्वहन में अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि दिल्ली मान्यता समिति का तत्काल गठन कर लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पत्रकारों को राहत मिल सके और वे निर्बाध रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

सीबीएसई पोर्टल खोलने से हाई कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 12वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए सीबीएसई के सत्यापन पोर्टल को दोबारा खोलने का तत्काल निर्देश देने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि ऐसा करने से लाखों विद्यार्थियों के अंतिम परिणाम प्रभावित हो सकते हैं।अवकाश पीठ की न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा और न्यायमूर्ति मधु जैन ने एनएसयूआइ की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि यदि पोर्टल फिर से खोला गया तो परीक्षा प्रक्रिया में देरी होगी। इससे 17.8 लाख विद्यार्थियों के परिणाम और उनकी उच्च शिक्षा में प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि तत्काल निर्देश जारी होने से व्यापक प्रशासनिक कठिनाइयां पैदा होंगी और विद्यार्थियों के प्रवेश पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसके बाद न्यायालय ने प्रभावित विद्यार्थियों को अपनी शिकायत लेकर व्यक्तिगत रूप से सीबीएसई से संपर्क करने की सलाह दी।

हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपति से की मुलाकात

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का अभियान चला रही है। इसी क्रम में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. योगेश सिंह से भेंट की। मुलाकात के दौरान हर्ष मल्होत्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों से संबंधित पुस्तिका उपकुलपति को भेंट की और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा के नेता एवं विश्वविद्यालय में प्राध्यापक अभिषेक टंडन भी उपस्थित रहे। सभी ने शिक्षा, विकास और राष्ट्रीय प्रगति से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया। भारतीय जनता पार्टी सरकार की उपलब्धियों को समाज के विशिष्ट व्यक्तियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसे संवाद कार्यक्रमों का आयोजन लगातार कर रही है।

जगतपुरी में चला निगम का बुलडोजर, अवैध निर्माण ध्वस्त

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के जगतपुरी क्षेत्र में दिल्ली नगर निगम ने अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए कई अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया। सुबह से शुरू हुई इस कार्रवाई में निगम की टीम ने बुलडोजर की मदद से सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर किए गए कब्जों को हटाया।अभियान के दौरान कई दुकानों के अवैध हिस्से, मकानों के अतिरिक्त निर्माण और अतिक्रमण को तोड़ा गया। निगम अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई न्यायालय के निर्देशों और निर्धारित नियमों के अनुपालन में की जा रही है।कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ स्थानीय लोगों ने इसे आवश्यक कदम बताया, जबकि प्रभावित दुकानदारों और निवासियों ने बिना पूर्व सूचना कार्रवाई किए जाने का आरोप लगाया।

नीट पेपर लीक के आरोपी यश यादव की अंतरिम जमानत पर फैसला टला

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक के आरोपी यश यादव को परीक्षा में शामिल होने के लिए दायर अंतरिम जमानत याचिका पर फैसला टाल दिया है। स्पेशल जज गौरव राव ने कहा कि अभी आरोपी को परीक्षा देने के लिए एडमिट कार्ड भी जारी नहीं हुए हैं। कोर्ट ने अंतरिम जमानत याचिका पर 16 जून को सुनवाई करने का आदेश दिया।यश यादव ने परीक्षा और अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए 15 दिनों की अंतरिम जमानत देने की मांग की है। इसके पहले कोर्ट ने 2 जून को नीट की परीक्षा तैयारी के लिए यश यादव को किताबें उपलब्ध कराने की अनुमति दी थी। यश यादव की ओर से पेश वकील अंबिका ने कहा कि उसे नीट परीक्षा की तैयारी करनी है। उसने 3 मई को नीट की परीक्षा दी थी जो निरस्त हो गई थी। कोर्ट ने 2 जून को यश यादव की न्यायिक हिरासत 15 जून तक बढ़ाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने यश यादव के अलावा मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल और धनंजय लोखंडे की न्यायिक हिरासत 15 जून तक बढ़ाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने 14 मई को मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल और यश यादव को सीबीआई हिरासत में भेजा था। 15 मई को कोर्ट ने धनंजय लोखंडे को सीबीआई हिरासत में भेजा था। इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।इस मामले में एक जून को कोर्ट ने आरोपियों शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे और कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी, पुणे में फिजिक्स के टीचर तेजस हर्षदकुमार शाह और मनीषा संजय हवलदार को 15 जून तक की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। इसके पहले कोर्ट ने 17 मई को मनीषा मंधारे को 2 जून तक की सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। मनीषा मंधारे एनटीए की ओर से प्रश्न पत्र सेट करने वाले पैनल में थी। मनीषा को मथुरा के एक होटल से गिरफ्तार किया गया था। मनीषा मंधारे पर आरोप है कि उसने नीट पेपर प्रश्न पत्र को लीक करने के लिए केमिस्ट्री टीचर पीवी राव और मनीषा वाघमारे के साथ साजिश रची।

सलमान खान ने फिल्म काला हिरण के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का किया रुख

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता सलमान खान ने काला हिरणः द बैटल फॉर लीगेसी फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में सलमान खान ने कहा है कि ये फिल्म 1998 में उनसे जुड़े काला हिरण के शिकार से संबंधित है। इस फिल्म के प्रदर्शन से उनके व्यक्तित्व के अधिकारों का उल्लंघन होगा।याचिका में कहा गया है कि फिल्म काला हिरण के निमार्ता ने फिल्म में उसके हमशक्ल का इस्तेमाल किया है और वह जो ब्रासलेट पहनता है वैसा ही ब्रासलेट भी पहने हुए दिखाया गया है। याचिका में कहा गया है कि फिल्म के निमार्ता फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज के बाद काला हिरण के शिकार से जुड़े मामले पर भी असर पड़ सकता है और इससे उसकी छवि पर खराब असर पड़ सकता है। याचिका में कहा गया है कि सलमान खान ने फिल्म के निमार्ता को कानूनी नोटिस भेजा था जिसमें फिल्म के प्रमोशन और रिलीज को रोकने की मांग की गई थी। कानूनी नोटिस में कहा गया था कि काला हिरण के शिकार का मामला अभी राजस्थान उच्च न्यायालय में लंबित है। ऐसे में अगर इस मामले में कोई भी सनसनी पैदा की जाएगी तो केस के ट्रायल पर असर पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि काला हिरण फिल्म का पहला पोस्टर हाल में जारी किया गया था। फिल्म का वीडियो आज जारी किया गया। फिल्म में काला हिरण के शिकार से जुड़े मामले और उससे संबंधित कोर्ट की सुनवाई के दृश्यों को फिल्माया गया है। फिल्म में सलमान खान और लॉरेंस बिश्नोई के बीच की शत्रुता को भी दशार्या गया है।

ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के पांच दिवसीय डायरेक्टर क्लब का भव्य शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

ALL INDIA THEATRE COUNCIL
DIRECTOR'S CLUB
DATE 11 to 15 JUNE 20

नई दिल्ली। ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय डायरेक्टर क्लब का शुक्रवार को दिल्ली में भव्य शुभारंभ हुआ। 11 से 15 जून तक चलने वाली इस विशेष कार्यशाला का उद्देश्य रंगकर्मियों को निर्देशन की बारीकियों से प्रशिक्षित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे केवल सरकारी सहयोग पर निर्भर न रहें। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ रंगकर्मी प्रोफेसर रवि चतुर्वेदी और ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के राष्ट्रीय महासचिव सतीश कुंदन ने किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सतीश कुंदन ने कहा कि रंगमंच के क्षेत्र में निर्देशन की प्रतिभा को विकसित करने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह पहल रंगकर्मियों को व्यावहारिक अनुभव और विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रोफेसर रवि चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक निर्देशक को इतिहास और नाट्यशास्त्र का गहन अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने निर्देशन की विभिन्न पद्धतियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि एक सफल निर्देशक के लिए विषय की समझ, प्रस्तुति शैली और कलाकारों के साथ संवाद की कला अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इस दौरान प्रतिभागियों के साथ प्रश्नोत्तर आधारित गोलमेज चर्चा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन रेडियो नाटक निर्देशन का अनुभव रखने वाली काजल सूरी ने प्रतिभागियों को ध्वनि संयोजन और वॉयस मॉड्यूलेशन की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। वहीं दूसरे सत्र में प्रख्यात नाटककार, इतिहासकार और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित प्रताप सहगल ने नाट्य लेखन की जटिलताओं पर विस्तृत चर्चा की।प्रताप सहगल ने कहा कि समय के साथ लेखक की दृष्टि और लेखन शैली में बदलाव आवश्यक होता है। एक संवेदनशील लेखक को अपने परिवेश, सामाजिक परिस्थितियों और बदलती मानवीय संवेदनाओं को समझते हुए अपनी लेखनी को दिशा देनी चाहिए।

सील तोड़कर इस्तेमाल की जा रही थी इमारत, केस दर्ज

नई दिल्ली। वसंत कुंज इलाके में सील तोड़कर भवन का उपयोग किए जाने का मामला सामने आया है। नगर निगम (एमसीडी) की शिकायत पर थाना पुलिस ने संबंधित मालिक, बिल्डर और कब्जाधारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत एमसीडी के दक्षिण जोन के उपायुक्त कार्यालय की ओर से भेजी गई थी। मामला चर्च रोड पर गुप्ता फार्म नंबर-3 के पास स्थित संपत्ति से जुड़ा है। उक्त संपत्ति पर अवैध निर्माण किया गया था। इसके खिलाफ निगम की ओर से कार्रवाई की गई थी। तीन जनवरी 2024 को पूरी संपत्ति को तीन अलग-अलग प्रवेश बिंदुओं पर सील कर दिया था। इसके बावजूद 16 फरवरी 2026 को भवन विभाग के कनिष्ठ अभियंता की ओर से किए गए निरीक्षण में पाया गया कि संपत्ति की सील से छेड़छाड़ की गई है और परिसर का इस्तेमाल किया जा रहा है।

पहाड़गंज में कथित देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी के पहाड़गंज इलाके में कथित देह व्यापार के एक संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दिल्ली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान चार महिलाओं को मुक्त कराया, जबकि इस मामले में भवन स्वामी के विरुद्ध भी अलग से मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस अब इस पूरे गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और नेटवर्क की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।केंद्रीय जिला पुलिस के अनुसार, 11 जून की शाम करीब साढ़े सात बजे नबी करीम थाने के प्रभारी को एक मुखबिर से सूचना मिली थी कि पहाड़गंज स्थित कुतुब रोड की सरन बिल्डिंग में कथित रूप से देह व्यापार का धंधा संचालित किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल एक विशेष दल का गठन किया गया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए गए। छापेमारी दल में उपनिरीक्षक हर्ष, महिला उपनिरीक्षक श्रुति, प्रधान आरक्षक सुनील अधाना, प्रधान आरक्षक विकास, आरक्षक धनसी, आरक्षक फेरू तथा महिला आरक्षक निशु को शामिल किया गया। प्रारंभिक सत्यापन के लिए आरक्षक फेरू को ग्राहक बनाकर संबंधित भवन में भेजा गया। सूचना की पुष्टि होने के बाद पुलिस दल ने मौके पर छापा मारकर कथित देह व्यापार के इस अड्डे का भंडाफोड़ किया।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 29 वर्षीय शाहरुख को गिरफ्तार कर लिया। वह दिल्ली के लक्ष्मी नगर क्षेत्र का निवासी बताया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ नबी करीम थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।पुलिस ने इस दौरान भवन के भीतर मौजूद चार महिलाओं को भी मुक्त कराया। इनमें 20 वर्ष, 25 वर्ष, 31 वर्ष और 34 वर्ष आयु की महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने घटनास्थल से मामले से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य भी अपने कब्जे में लिए हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि संबंधित भवन के स्वामी, द्वारका निवासी 58 वर्षीय हरिकिशन उर्फ राजू चैंपियन के विरुद्ध भी अलग से प्राथमिकी दर्ज की गई है।

तुगलकाबाद एक्सटेंशन की इमारत में लगी भीषण आग, तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन में शुक्रवार सुबह पांच मंज़िला रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गये, जिनकी हालत गंभीर है। पुलिस के अनुसार, यह घटना गुरुवार रात को हुई। गोविंदपुरी पुलिस स्टेशन की एक टीम हादसे की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि घटना के बारे में पीसीआर कॉल रात 2:24 बजे प्राप्त हुई। स्थानीय पुलिस टीमें तुरंत मौके पर पहुंची और जल्द ही वहां वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी पहुंच गये। इसके बाद अग्निशमन सेवा कर्मी और आपातकालीन प्रतिक्रिया बल के लोगों ने धुएं से भरी इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया। चार दमकल गाड़ियां और कैट्स एम्बुलेंस सेवा में लगाई गईं। एक समन्वित प्रयास के तहत, घने धुएं में फंसे आठ लोगों को बचाया गया और सफदरजंग अस्पताल तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। पुलिस के अनुसार, इस घटना में 22 साल के एक युवक और दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोगों का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। शुरूआती जांच से पता चला है कि आग शायद ग्राउंड फ्लोर पर बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। आग तेजी से फैली और वहां खड़ी सात दो-पहिया वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया, जिनमें एक इलेक्ट्रिक स्कूटर भी शामिल था, जो चार्ज हो रहा था। अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारण का पता विस्तृत जांच के बाद ही चलेगा।

सत्यवती कॉलेज में जांच जारी रहने तक, शिक्षक का कॉलेज में प्रवेश प्रतिबंधित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सत्यवती कॉलेज में गुरुवार को एक शिक्षक द्वारा छात्रा का चुपके से फोटो खींचने के मामले में कॉलेज प्रशासन ने संबंधित शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की है। कॉलेज के एक अधिकारी ने बताया कि यह मामला आंतरिक शिकायत समिति के पास भेजा गया है और जब तक जांच जारी रहेगी तब तक कॉलेज में इस शिक्षक का प्रवेश वर्जित है। जब आंतरिक शिकायत समिति शिक्षक को बुलाएगी तभी शिक्षक को कॉलेज आना है। शुक्रवार को भी शिक्षक परीक्षा ड्यूटी नहीं की। एक अन्य कॉलेज के शिक्षक ने बताया कि छात्रा का फोटो खींचने वाले शिक्षक का पिछला कोई इस तरह का रिकार्ड नहीं है लेकिन छात्रा की तरफ से की गई शिकायत को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है और शनिवार को आंतरिक शिकायत समिति ने उन छात्राओं को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया है। जांच में सब स्पष्ट हो जाएगा। ज्ञात हो कि गुरुवार को एक शिक्षक द्वारा परीक्षा देने आई एक छात्रा की चुपके से फोटो खींचने का मामला सामने आया।

आप की भाजपा सरकार से राजधानी की सभी अग्निकांड की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार से राजधानी में इस साल अब तक हुई अग्निकांड की घटनाओं की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को आग की घटनाओं के प्रति गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने पालम, विवेक विहार, मालवीय नगर अग्निकांड की जांच की घोषणा की थी लेकिन अब तक रिपोर्ट नहीं आई। जब जांच रिपोर्ट ही नहीं आयेगी तो पता कैसे चलेगा कि आग कैसे लगी और इसके लिए जिम्मेदार कौन है? अगर सरकार आग की घटनाएं रोकने के लिए वास्तव में गंभीर है तो जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे और उसके अनुसार सख्त कदम उठाए। श्री भारद्वाज ने कहा कि गोविंदपुरी इलाके में पांच मंजिला इमारत में आग लगने से तीन लोगों की मृत्यु हुई है और कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घटनास्थल पर पड़ोसियों ने फंसे लोगों की जान बचाने के लिए बड़ी मदद करने की कोशिश की है। कई लोगों ने लटकी हुई साड़ियों से भी नीचे उतरकर अपनी जान बचाई है। अगर इस तरह से आस-पड़ोस के लोग आगे आकर मदद करें, तो कई हादसों के नुकसान को कम किया जा सकता है। मैं उन सभी पड़ोसियों का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद करता हूं जिन्होंने बचाव कार्य में अपनी जान की परवाह नहीं की, पानी डाला और हर संभव कोशिश की। शायद इसी सतर्कता की वजह से कई लोगों की जान बच पाई है। आप नेता ने कहा कि दिल्ली में इस तरह के जितने भी हादसे होते हैं, उनमें जांच की बात तो की जाती है लेकिन जांच रिपोर्ट कभी सामने नहीं आती। मार्च में पालम के हादसे में नौ लोगों की मौत हुई थी, तब कहा गया था कि जांच में एक या डेढ़ महीना लग सकता है लेकिन आज चौथा महीना चल रहा है और अभी तक पालम हादसे की जांच रिपोर्ट नहीं आई कि वहां क्या हुआ था और किसकी गलती थी।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 13 जून, 2026

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें
पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

गुरुग्राम में मेट्रो, एक्सप्रेसवे, दक्षिण हरियाणा में एम्स सडक परियोजनाओं पर हजारों करोड़ रुपये का निवेश

- -81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं गुरुग्राम के सांसद राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और विकास के नए मानक स्थापित करने वाले रहे हैं। इन वर्षों में देश ने गरीबी उन्मूलन, खाद्य सुरक्षा, वित्तीय समावेशन, आवास, पेयजल, स्वच्छता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। वे शुक्रवार को गुरुग्राम में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि भारतीय के जनसंपर्क अभियान के तहत जनता से सीधे संवाद किया जा रहा है। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि एक समय ऐसा था जब देश को खाद्यान्न के लिए विदेशों पर निर्भर रहना पड़ता था, जबकि आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार वर्तमान में 81 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि बहुआयामी गरीबी सूचकांक (मल्टीडायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स) के आधार पर पिछले वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। यह दुनिया में गरीबी उन्मूलन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग चार करोड़ लोगों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे लाखों परिवारों को पक्की छत का सपना साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि जनधन योजना के अंतर्गत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं, जिसके माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाया जा रहा है। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और पारदर्शिता बढ़ी है। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत लगभग 16 करोड़ घरों तक नल से जल पहुंचाने की व्यवस्था की गई है, जबकि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लगभग 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण कर स्वच्छता और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित किया गया है। हरियाणा और विशेषकर दक्षिण हरियाणा क्षेत्र के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि माजरा में दूसरे एम्स की स्थापना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके अलावा द्वारका एक्सप्रेसवे पर लगभग नौ हजार करोड़ रुपये, गुरुग्राम-सोहना मार्ग परियोजना पर लगभग दो हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

मोदी सरकार के 12 साल देश के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय : कृष्णपाल गुर्जर

- -केंद्रीय राज्यमंत्री गुर्जर ने गिनाईं मोदी सरकार की उपलब्धियां

प्रात : किरण संवाददाता

संगठनात्मक बैठक
भारतीय जनता पार्टी
बड़खल विधानसभा
फरीदाबाद

फरीदाबाद। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल को देश के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से 2026 तक भारत ने विकास, अर्थव्यवस्था, आधारभूत ढांचे, सुरक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। वे शुक्रवार को सेक्टर-15 स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले दिन से ही राष्ट्र निर्माण के मिशन को लेकर काम किया है। यही कारण है कि आज भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि देश की जीडीपी लगातार मजबूत हुई है और जीएसटी संग्रह भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। अप्रैल माह तक जीएसटी कलेक्शन 2.48 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। साथ ही केंद्र सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले खर्च में छह गुना तक वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग और स्टार्टअप जैसे सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विकास हुआ है। पहले देश में स्टार्टअप की संख्या बेहद कम थी, जबकि आज यह बढकर लाखों में पहुंच चुकी है। इसी प्रकार यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या में भी कई गुना वृद्धि हुई है। सडक नेटवर्क का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 94 हजार किलोमीटर से बढकर डेढ़ लाख किलोमीटर से अधिक हो गई है। उन्होंने दावा किया कि देश के 126 जिलों से नक्सलवाद को समाप्त करने में सफलता मिली है। साथ ही नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। प्रेस वार्ता के दौरान आरआरटीएस और एलिवेटेड पुल परियोजना के तहत नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में मकानों को तोड़े जाने के मुद्दे पर भी उन्होंने अपनी बात रखी। कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि जिन परिवारों के मकान प्रभावित हुए हैं, उनके प्रति सरकार पूरी संवेदनशीलता रखती है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण मोदी सरकार की प्राथमिकता रही है और सरकार किसी भी गरीब को उजाडने में नहीं, बल्कि बसाने में विश्वास रखती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जो लोग निर्धारित मानदंडों के अंतर्गत आते हैं, उन्हें पुनर्वास की प्रक्रिया के तहत बसाने का कार्य किया जाएगा।

गुरुग्राम नगर निगम में लागू होगी प्रशासनिक क्लस्टर व जोन व्यवस्था

- -बेहतर प्रशासन, त्वरित शिकायत निवारण और नागरिक सेवाओं की प्रभावी डिलीवरी के लिए निगम का बड़ा फैसला

प्रात : किरण संवाददाता

नगर निगम गुड़गाँव
Municipal Corporation
Gurgaon

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम ने शहर में प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए निगम क्षेत्र को नए प्रशासनिक ढांचे के तहत पुनर्गठित करने का निर्णय लिया है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया द्वारा जारी आदेश के अनुसार नगर निगम गुरुग्राम को अब दो प्रशासनिक क्लस्टरों और कुल आठ जोनों में विभाजित किया गया है। यह नई व्यवस्था 15 जून 2026 से प्रभावी होगी। नई व्यवस्था के तहत नगर निगम क्षेत्र को दो प्रशासनिक क्लस्टरों और आठ जोन में विभाजित किया गया है। क्लस्टर-1 के जोन-1 में वार्ड 9, 10, 16 एवं 17, जोन-2 में वार्ड 11, 14, 15 एवं 18, जोन-3 में वार्ड 5, 6, 7, 33 एवं 34 तथा जोन-4 में वार्ड 8, 28, 29, 30 एवं 32 शामिल किए गए हैं। इसी प्रकार क्लस्टर-2 के जोन-5 में वार्ड 1, 2, 3, 4 एवं 36, जोन-6 में वार्ड 12, 13, 27, 31 एवं 35, जोन-7 में वार्ड 19, 20, 21 एवं 22 तथा जोन-8 में वार्ड 23, 24, 25 एवं 26 हैं। इस पुनर्गठन के माध्यम से प्रत्येक जोन में प्रशासनिक निगरानी और संसाधनों के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित किया जाएगा। नगर निगम प्रशासन के अनुसार इस नई व्यवस्था का उद्देश्य विभिन्न शाखाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, जन शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना, अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ाना तथा नागरिक सेवा विवरण को और अधिक प्रभावी बनाना है। नए ढांचे से फील्ड स्तर पर निगरानी मजबूत होगी तथा विकास एवं स्वच्छता कार्यों के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। जिम्मेदारियों और अधिकारों का होगा स्पष्ट निर्धारण आदेश के अनुसार नवगठित क्लस्टरों एवं जोनों के लिए प्रशासनिक नियंत्रण, पर्यवेक्षण व्यवस्था, रिपोर्टिंग प्रणाली, शाखाओं का आवंटन, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती तथा वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों से संबंधित विस्तृत आदेश अलग से जारी किए जाएंगे। तब तक सभी अधिकारी एवं कर्मचारी वर्तमान व्यवस्थाओं के अनुसार अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। तैयार होंगे क्लस्टर एवं जोन सीमा मानचित्र निगमायुक्त ने मुख्य नगर योजनाकार को निर्देश दिए हैं कि वे प्रशासनिक क्लस्टरों, जोनों तथा वार्ड सीमाओं के विस्तृत मानचित्र तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करें।

गुरुग्राम: चौधरी डेयरी फार्म के नाम पर फेसबुक के फर्जी पेज से की ठगी

- -90 हजार लेकर गायब हुआ आरोपी काबू

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। फेसबुक पर ऑनलाइन गाय-भैंस बेचने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक आरोपी को गुरुग्राम साइबर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को डेयरी फार्म संचालक बताकर पंजीकरण, जीपीएस ट्रैकिंग और एनओसी के नाम पर पैसे ट्रांसफर करवा लेता था। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध गौरव फौगाट के नेतृत्व में थाना साइबर दक्षिण की टीम ने तकनीकी मदद से रेड कर आरोपी साजिद को डीएलएफ फेज-3 के यू ब्लॉक से पकड़ा। आरोपी मूल रूप से राजस्थान के भरतपुर जिले के गांव बामनी का रहने वाला है और फिलहाल गुरुग्राम में रह रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने एक व्यक्ति से गाय बेचने के नाम पर पंजीकरण, जीपीएस ट्रैकिंग और अलग-अलग राज्यों की एनओसी बनवाने का झांसा देकर करीब 90 हजार रुपये ठग लिए। पैसे लेते ही आरोपी ने संपर्क बंद कर दिया। पूछताछ में पता चला कि साजिद अपने एक साथी के साथ मिलकर फेसबुक पर चौधरी डेयरी फार्म नाम से फर्जी पेज चलाता था। पेज पर आकर्षक फोटो और रेट डालकर ग्राहकों को फंसाया जाता था। जब कोई गाय या भैंस खरीदने के लिए संपर्क करता, तो आरोपी पंजीकरण, जीपीएस ट्रैकिंग और एनओसी के नाम पर अलग-अलग किस्तों में पैसे ट्रांसफर करवा लेता था। पुलिस के मुताबिक, ठगी की रकम में से आरोपी 30 प्रतिशत कमीशन रख लेता था और बाकी रकम अपने साथी को भेज देता था। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं, जिनमें ठगी से जुड़े चैट, कॉल डिटेल और बैंक ट्रांजेक्शन के सबूत मिले हैं। आरोपी के खिलाफ थाना साइबर दक्षिण गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर अन्य साथियों, ठगी की अन्य वारदातों, बैंक खातों और पैसे के लेन-देन का पता लगा रही है। गुरुग्राम पुलिस ने कहा कि साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

फरीदाबाद : ट्रक ने मारी बाइक को टक्कर, महिला व युवक की मौत

- घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद में बडखल मेट्रो फ्लाईओवर के पास तेज स्पीड़ ट्रक ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार एक महिला व युवक की मौत हो गई। जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विशाल (24) नामक युवक एक निजी कंपनी में काम करता था। गुरुवार देर रात वह अपनी बाइक पर दोस्त अभिषेक और एक महिला को लेकर घर के लिए जा रहा था। विशाल और अभिषेक एक कंपनी में साथ में काम करते है। जबकि महिला उनकी जानकार बताई जा रही है। तीनों बाइक पर सवार होकर बल्लभगढ़ से दिल्ली की तरफ जा रहे थे। विशाल और अभिषेक गांव जाजरू में किराए के मकान में रहते हैं। जबकि महिला के बारे में अभी जानकारी नहीं मिल पाई है। बडखल फ्लाईओवर पर एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में विशाल और महिला की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतकों शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में रखवा दिया है। सूरजकुंड थाना इंचार्ज प्रहलाद ने जानकारी देते हुए बताया कि, मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। घायल हालात में उनको बीके अस्पताल में लाया गया। जहां पर दो को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

एचएसवीपी की जमीन परी बाउंड्री वॉल बनेगी

- इससे सरकारी संपत्ति को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहे सेक्टर-65 के निवासियों के लिए राहत की खबर है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने क्षेत्र में अपनी जमीन की सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल निर्माण कराने का निर्णय लिया है। इस कार्य के पूरा होने से सरकारी भूमि को अतिक्रमण से बचाने में मदद मिलेगी और क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी होगा। सेक्टर-65 में लंबे समय से खाली पड़ी सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण और कचरा डालने समस्याएं सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि खुले भूखंडों पर अक्सर निर्माण सामग्री और कचरा फेंका जाता है, जिससे आसपास का वातावरण प्रभावित होता है। चहारदीवारी होने से जमीन की स्पष्ट सीमा निर्धारित हो जाएगी और उसकी निगरानी करना भी आसान होगा। इससे सरकारी संपत्ति को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। एचएसवीपी अधिकारियों का बयान एचएसवीपी अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सरकारी भूमि की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। बाउंड्री वॉल बनने के बाद भूमि पर अवैध कब्जे की आशंका कम होगी और भविष्य में विकास संबंधी योजनाओं को लागू करने में भी सुविधा मिलेगी। निवासियों की उम्मीदें निवासियों का मानना है कि इस कार्य से न केवल जमीन सुरक्षित होगी, बल्कि क्षेत्र की साफ-सफाई और सुंदरता में भी सुधार आएगा। प्राधिकरण द्वारा उठाया गया यह कदम सेक्टर-65 के सुव्यवस्थित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लोगों को उम्मीद है कि निर्माण कार्य जल्द शुरू होकर निर्धारित समय में पूरा होगा, जिससे क्षेत्र को लाभ मिल सकेगा।

फरीदाबाद : गुमशुदा लडकी को तीन दिन में बिहार से सकुशल तलाशा

- परिजनों द्वारा अपने स्तर पर काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला

प्रात : किरण संवाददाता

जिला :- गया थाना :- बेलागंज
आपराधिक

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस जहां एक ओर अपराध एवं अपराधियों पर लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी ओर आमजन की सुरक्षा एवं सहायता के लिए तत्परता से जुटी हुई है। इसी क्रम में पुलिस चौकी सेक्टर-15 की टीम ने एक सिक्योरिटी गार्ड की 17 वर्षीय गुमशुदा बेटी को मात्र तीन दिन के भीतर जिला गया बिहार क्षेत्र से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर एक सराहनीय कार्य किया है। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर-15 निवासी रामदयाल, जो कि सिक्योरिटी गार्ड का काम करता हैं, ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पुत्री 7 जून 2026 को सेक्टर-15 स्थित मदर डेयरी बूथ पर दूध लेने के लिए घर से गई थी, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटी। परिजनों द्वारा अपने स्तर पर काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। बेटी के अचानक लापता होने से परिवार बेहद चिंतित और परेशान था। शिकायत प्राप्त होते ही थाना सेंट्रल में गुमशुदगी संबंधी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर तत्काल जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस चौकी सेक्टर-15 के प्रभारी उप निरीक्षक ओम प्रकाश ने प्रधान सिपाही धर्मवीर की देखरेख में एक विशेष टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने तत्परता एवं पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए तकनीकी संसाधनों, मोबाइल लोकेशन व अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं के आधार पर जांच कर प्राप्त सुरागों के आधार पर टीम ने बिहार जिला गया में पहुंचकर युवती को सकुशल बरामद कर लिया। सभी आवश्यक कानूनी एवं औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी करने के पश्चात युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बेटी के सुरक्षित मिलने पर परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

हादसों में मासूम समेत दो घायल

फरीदाबाद। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक युवक और एक मासूम बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है।सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र में बुलंदशहर निवासी विजय सिंह का एनएचपीसी चौक के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर सड़क हादसा हो गया। हादसे में उनके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। दूसरी ओर बल्लभगढ़ के गांव कौराली निवासी जितेंद्र भाटी ने आरोप लगाया है कि 22 मई को स्कूल बस में चढ़ने के लिए खड़े उनके सात वर्षीय बेटे जिवांश को एक मोटरसाइकिल चालक ने टक्कर मार दी थी। हादसे में बच्चे के पैर में फ्रैक्चर हो गया और सर्जरी कर रॉड डाली गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी की पहचान होने के बावजूद पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने डीसीपी से मामले में कार्रवाई की मांग की।

संदिग्ध हालात में दो युवतियों समेत सात लोग लापता

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिलाओं, युवतियों, किशोरी और बुजुर्ग सहित कई लोगों के लापता होने के मामले सामने आए हैं। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी के मामले दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। खेडीपुल थाना क्षेत्र के जीवन नगर के एक व्यक्ति की 31 साल की पत्नी नौ जून को कंपनी से लंच के लिए घर लौटते समय लापता हो गई। परिजनों ने रिश्तेदारियों और आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी थाना क्षेत्र में बस चालक की पत्नी उम्र 38 साल और उनकी 17 साल की बेटी भी नौ जून को घर से निकलीं और वापस नहीं लौटीं। दोनों के मोबाइल फोन बंद आ रहे हैं, जिसके बाद परिवार ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। दो सहेलियों का लापता होना सेक्टर-7 चौकी क्षेत्र में इंद्रा नगर के एक व्यक्ति की बेटी 23 साल की बेटी और उसकी 24 साल की सहेली भी घर से निकलने के बाद लापता हो गईं। दोनों परिवारों ने काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। एक युवा पुरुष का लापता होना सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र में सेक्टर-37 की एक महिला गीता जुयाल ने अपने 33 वर्षीय पुत्र प्रत्यूष जुयाल के 8 जून से लापता होने की शिकायत दी है। प्रत्यूष कार्यालय जाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। बुजुर्ग का लापता होना वहीं, सेक्टर-16 चौकी क्षेत्र में 66 वर्षीय बाल किशन घर से बिना बताए चले गए।

गुरुग्राम: पेट्रोल पंप के पास मिला युवक का शव, करंट से मौत की आशंका

गुरुग्राम। सिकंदरपुर बढ़ा गांव स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार को एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान पानीपत जिले के समालखा निवासी पियूष के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना की जानकारी उसके परिजनों को दे दी है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि प्रारंभिक जांच में युवक की मौत करंट लगने से होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। परिजनों के पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार यह पता लगाया जा रहा है कि युवक किन परिस्थितियों में करंट की चपेट में आया। घटना स्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि मामले से जुड़े सभी तथ्यों का पता लगाया जा सके। फिलहाल पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है ।

नूंह में मुठभेड़ के बाद दो पशु तस्कर काबू

नूंह। नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर अपराध जांच शाखा (सीआईए) नूंह ने मुठभेड़ के बाद दो तस्करों को काबू किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिन्हें उपचार के लिए शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज, नल्हड़ में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार अपराध जांच शाखा नूंह की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध पिकअप वाहन में पशुओं की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने वाहन भगाने की कोशिश की। पुलिस टीम ने पीछा कर पिकअप को घेर लिया। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को मौके से काबू कर लिया और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देसी कट्टा बरामद किया है। वहीं पिकअप वाहन से पांच ऊंट भी बरामद किए गए, जो रस्सियों से बंधे हुए मिले। पुलिस ने सभी पशुओं को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

काला खैरामपुर गैंग के दिनेश को साइप्रस से डिपोर्ट कर लायी एसटीएफ

- -आरोपी हिसार में महिंद्रा शोरूम पर फायरिंग का है मुख्य साजिशकर्ता

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संगठित अपराध के खिलाफ अभियान में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एसटीएफ शुक्रवार को कुख्यात काला खैरामपुर गैंग के सक्रिय सदस्य दिनेश को साइप्रस से डिपोर्ट कराकर भारत वापस लाया है। वर्ष 2026 में स्ज्ञस्न हरियाणा द्वारा कराई गई यह 11वीं प्रत्यर्पण कार्रवाई है। बता दें कि 29 वर्षीय दिनेश पुत्र सुशील कुमार हिसार जिले के आदमपुर खंड के गांव खैरामपुर का रहने वाला है। वह काला खैरामपुर गैंग का सक्रिय सहयोगी है। साथ ही हिमांशु भाऊ गैंग से भी जुड़ा हुआ है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक काला खैरामपुर गैंग में करीब 38 सदस्य हैं। गैंग सरगना काला खैरामपुर के खिलाफ हत्या, टारगेट किलिंग, हत्या का प्रयास, रंगदारी और अवैध हथियारों से जुड़े 26 मामले दर्ज हैं। यह गैंग हिसार, सोनीपत, भिवानी, पानीपत, सिरसा, फतेहाबाद, गुरुग्राम और राजस्थान में सक्रिय है। एसटीएफ के अनुसार, दिनेश उर्फ मिट्ठू वर्ष 2024 में हिसार स्थित महिंद्रा शोरूम पर रंगदारी के लिए की गई फायरिंग का मुख्य साजिशकर्ता था। इस मामले में थाना सिटी हिसार में केस दर्ज है। उसके खिलाफ ओपन-डेटेड गिरफ्तारी वारंट जारी था। एसटीएफ की जांच में सामने आया कि दिनेश 2020 में भारत छोडकर साइप्रस भाग गया था और पासपोर्ट पर वहां रह रहा था। साइप्रस में बैठकर वह डब्बा कॉलिंग नेटवर्क के जरिए रंगदारी के लिए धमकी भरे फोन करवाता था। एसटीएफ के अनुसार, इस तकनीक का इस्तेमाल गैंग सरगनाओं और सदस्यों की पहचान व लोकेशन छिपाने के लिए किया जाता था ताकि विदेश में बैठे अपराधी कानून प्रवर्तन एजेंसियों की निगरानी से बच सकें।

प्रदूषण मुक्त बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा गुरुग्राम

गुरुग्राम। शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए निगम की तरफ से कई योजनाएं बनाकर उन पर धरात्तल पर काम शुरू कर दिया है। शुक्रवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष राजेश वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निगम आयुक्त ने इसकी जानकारी दी। बैठक में नगर निगम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने शहर में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं और पर्यावरण सुधार से जुड़े कार्यों की प्रगति रिपोर्ट साझा की। निगम आयुक्त ने बताया कि कचरा प्रबंधन, सड़क धूल नियंत्रण, ट्रैफिक जाम से मुक्ति और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से गुरुग्राम को पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित शहर बनाया जा रहा है। शहर में धूल से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए नगर निगम ने 726.54 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क के पुनर्विकास की एक महायोजना तैयार की है। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 1971 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वर्ष 2026 के दौरान लगभग 495 किलोमीटर सड़कों के सुधार का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 195 किलोमीटर से अधिक का कार्य धरातल पर पूरा भी किया जा चुका है। इसके अलावा, सड़कों की सफाई के लिए वर्तमान में 20 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें दिन-रात चल रही हैं, जो रोजाना 600 किलोमीटर से अधिक एरिया साफ कर रही हैं। निगम आयुक्त ने बैठक में बताया कि बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर बरसों से जमा लिगेसी वेस्ट (पुराने कचरे) के निस्तारण का काम युद्ध स्तर पर जारी है। अब तक वहां से 37.74 लाख मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण किया जा चुका है, जबकि शेष बचे 18.29 लाख मीट्रिक टन कचरे को मार्च 2027 तक पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही, शहर में रोजाना निकलने वाले 1500 टन सीएंडडी वेस्ट (मलबे) के प्रबंधन के लिए 4 जियो-टैग कलेक्शन प्वाइंट्स काम कर रहे हैं और 16 नए पॉइंट विकसित किए जा रहे हैं। गुरुग्राम को जाम मुक्त बनाने के लिए इस वर्ष कुल 32 ट्रैफिक कंजेशन हॉटस्पॉट्स को चरणबद्ध तरीके से सुधारने का लक्ष्य है, जिसमें से पहली तिमाही में चार प्रमुख पॉइंट्स पर काम पूरा कर लिया गया है। शहर की सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन को मजबूत करने के लिए इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के दूसरे चरण के तहत 258 स्थानों पर 2722 नए कैमरे लगाए जा रहे हैं। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि वायु गुणवत्ता की सटीक निगरानी के लिए शहर में एयर मॉनिटरिंग स्टेशनों की संख्या तीन से बढ़ाकर आठ की जा रही है और इस साल एक्यूआई में 10 प्रतिशत तक सुधार का लक्ष्य है। प्रदूषण फैलाने और खुले में कूड़ा जलाने वालों पर नकेल कसने के लिए निगम की 93 विशेष चालान टीमें फील्ड में एक्टिव हैं।

प्रबुद्धजनों के सुझावों से और मजबूत होगा विकसित भारत का संकल्प: राव इंद्रजीत सिंह

- -एक पेड़ मां के नाम अभियान में सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का किया आह्वान

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम, । केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने महाराणा प्रताप स्वर्ण जयंती पार्क (लेजर वैली) में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को समय की आवश्यकता बताते हुए नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने पार्क परिसर में स्थापित एक वाटर कूलर भी जनमानस को समर्पित किया। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर इस प्रकार की सुविधाएं आम नागरिकों को राहत प्रदान करने के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता की भावना को भी मजबूत करती हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग द्वारा सेक्टर-14 स्थित कम्युनिटी सेंटर में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया तथा विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नागरिकों को दी जा रही परामर्श एवं जांच सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। केंद्रीय मंत्री ने स्वास्थ्य जांच करवाने पहुंचे नागरिकों तथा स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले युवाओं से संवाद करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच से अनेक गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान संभव होती है, जिससे प्रभावी उपचार सुनिश्चित किया जा सकता है। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आयुष्मान भारत योजना, जन औषधि केंद्र, आयुष सेवाओं के विस्तार और स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत बनाने जैसे प्रयासों से देश के करोड़ों नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर आमजन को जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए भी प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, मेयर राजरानी मल्होत्रा, डिप्टी सीएमओ डॉ. अनुज गर्ग, जिला आयुष अधिकारी डॉ. मंजू कुमारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शहर में चार जगहों से बाइक चोरी

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में खड़ी मोटरसाइकिलें चोरी होने के मामलों में पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सेक्टर-15ए चौकी क्षेत्र में आजाद कॉलोनी निवासी पवन कुमार की बाइक घर के बाहर से चोरी हो गई। आदर्श नगर थाना क्षेत्र में अलीगढ़ निवासी भूपेश कुमार अपने भाई के घर सेक्टर-65 आए हुए थे। देर रात घर के बाहर खड़ी उनकी बाइक चोरी हो गई। खेडीपुल थाना क्षेत्र के न्यू इंद्रा कॉम्प्लेक्स निवासी खलील अहमद की बाइक भी घर के पास खाली प्लॉट से चोरी हो गई। उन्होंने तत्काल डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। सेक्टर-31 थाना क्षेत्र में श्रमिक विहार निवासी अनिल कुमार की मोटरसाइकिल घर के सामने से चोरी हो गई।

स्वामी लक्ष्मणानंद की हत्या का मामला

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

जून 2024 को विधानसभा के चुनाव परिणाम आए थे और नवीन पटनायक की पार्टी चुनाव हार गई थी। इसी दिन मुख्यमंत्री कार्यालय ने गृह मंत्रालय से आई सभी फाइलें वापस कर दी। नई सरकार ने कार्यभार संभाला। स्वामी जी की हत्या की जांच कमीशन की रपट की खोज शुरू हुई। गृह मंत्रालय की अलमारियां छानी जाने लगीं। लेकिन रपट कहीं नहीं मिली। पूरी जांच करने के बाद गृह मंत्रालय ने पाया कि चार जून को मुख्यमंत्री कार्यालय से बाकी सब फाइलें तो वापस आ गई थीं लेकिन स्वामी जी की हत्या की जांच वाली फाइल वापस नहीं आई थी। तब मुख्यमंत्री कार्यालय की आलमारियों की जांच शुरू हुई। रिकॉर्ड में यह तो पाया गया कि फाइल गृह मंत्रालय से मुख्यमंत्री के कार्यालय में आई थी। यह भी पता चल गया कि फाइल वापस गृह मंत्रालय को नहीं भेजी गई। लेकिन अब वह फाइल मुख्यमंत्री के कार्यालय में नहीं है। वह फाइल कहां गई? फाइल किस ने चुराई या गायब करवाई? स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती के हत्यारों को कौन बचाना चाह रहा है बहुत लोगों को अभी भी ज्ञात होगा कि 2008 में जन्माष्टमी के दिन ओडीशा में स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती की हत्या कर दी गई थी। स्वामी जी का आश्रम ओडीशा के सबसे पिछड़े जिले कन्धमाल में था। वे वहां के पिछड़े कन्ध समुदाय के लोगों की शिक्षा, कृषि का प्रसार कर रहे थे। इस क्षेत्र में विदेशी ईसाई मिशनरियां भी सक्रिय हैं। वे कन्ध समाज के लोगों को ईसाई पंथ में दीक्षित कर रही हैं और कुछ सीमा तक उन्हें इसमें सफलता भी मिली। लेकिन स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती जी के सक्रिय हो जाने से, मिशनरियों के पास अकूत विदेशी धन होने के बावजूद कन्ध समाज में उनका प्रभाव घटने लगा। कन्धमाल में एक ओर विदेशी ईसाई मिशनरियां सक्रिय थीं और दूसरी ओर नक्सलवादी गिरोहों ने अपने कदम जमा लिए थे। कन्ध जन इन दोनों के बीच फंस कर अपना अस्तित्व, पहचान और संस्कृति खोने के कगार पर पहुंच गए थे। लेकिन इसी बीच कन्धमाल में कन्ध जनों के पक्ष में स्वामी जी आ गए। एक ओर कन्ध जन और दूसरी ओर नक्सलवादी व विदेशी ईसाई मिशनरियां! दोनों के बीच सीना तान कर खड़े स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती। स्वामी जी के कारण कन्ध जनों में भी एक नई ऊर्जा का संचार होने लगा था। लेकिन ईसाई मिशनरियां और नक्सलवादी अपने अपने कारणों से स्वामी जी के बीच में आ जाने से क्षुब्ध थे। उन्होंने स्वामी जी को ही बीच में से हटाने का फैसला कर लिया। 2008 की जन्माष्टमी के दिन चकापाद गांव में वे स्वामी जी के आश्रम में घुस गए और अत्यन्त नृशंसता से उन्होंने स्वामी जी की कुल्हाडियों से काट कर हत्या कर दी। यह बताने की जरूरत नहीं कि तब नवीन पटनायक ओडीशा के मुख्यमंत्री थे। कुछ लोग पकड़े भी गए। कुछ को कुछ सजाएं भी मिलीं। लेकिन हत्या के पीछे असली लोग कौन थे, कि उन्होंने स्वामी जी की हत्या की योजना बनाई थी। पैसा किसने मुहैया करवाया? क्या इस हत्या के लिए विदेशी ईसाई मिशनरियां और नक्सलवादी आपस में मिल गए थे? ये सब प्रश्न थे जिनका उत्तर केवल कन्ध जन ही नहीं, बल्कि पूरा देश मांग रहा था। कन्धमाल में तो जनजीवन ही ठप्प हो गया था। भगवान जगन्नाथ की भूमि पर एक संन्यासी की हत्या हो गई थी। ऐसा नहीं कि स्वामी जी की अचानक हत्या कर दी गई। वे लम्बे समय से मिशनरियों के निशाने पर थे। उन पर अनेक बार जानलेवा हमले हो चुके थे। हत्या से करीब एक साल पहले तो वे एक ऐसे ही हमले में बाल-बाल बचे थे। सरकार ने उस हमले के पीछे के षड्यन्त्र का पता लगाने के लिए न्यायमूर्ति पाणिग्रही की अध्यक्षता में एक कमीशन भी बिठाया था, लेकिन उसकी रपट का कुछ अता पता नहीं चला। लेकिन उसके बाद तो ये षड्यंत्रकारी स्वामी जी की हत्या करने में सफल हो गए। अंततः जनता के जवाब में सरकार ने हत्या की जांच के लिए न्यायमूर्ति शरत महापात्र जांच आयोग का गठन किया। वे जांच के लगभग अंतिम चरण में पहुंच गए थे। कुछ पत्रकारों ने उनसे पूछा था कि ऐसे कमीशन प्रायः सरकार की इच्छानुसार ही रपटें देते हैं। तब उन्होंने कहा था कि जब मेरी रपट आएगी तब सभी को पता चल जाएगा कि षड्यंत्र की जड़ें कहां हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश कुछ समय बाद उनका देहांत हो गया।

आपकी न्याय व्यवस्था से आँखें पसीज जाती हैं

राजीव थेपड़ा

अखबारों और अन्य माध्यमों से जब पता चलता है कि आपने अपनी मनमानी चलाकर राज्य या राष्ट्र का इतने अरब का नुकसान किया, तो दिल बाग-बाग हो जाता है, क्योंकि राज्य की व्यवस्था के तो हम भी खिलाफ हैं, मगर हम लोग तोते की टांय-टांय कर वापस अपने-अपने खोल में दुबक जाते हैं. इसके उलट आपका त्वरित न्याय देख कर इतना मजा आता है कि आत्मा तक पसीज जाती है हमारी.कभी-कभी सोचता हूं कि भारत के न्यायालय आदि आप से कुछ सीख ले लें, तो कितना मजा आ जाये. (पुलिस तो खैर गाहे-बगाहे आपसे सबक लेती ही रहती है) इसका जो चित्र मेरी कल्पना में उभरता है, वो यह है... न्याय की !! आपके कारनामों को देख आदर से हमारी आंखें भर आती हैं!! आपकी भांति भांति की प्रक्रियाओं के दौरान सड़कों पर भागती-दौड़ती नंगी स्त्रियां, जगह-जगह सामूहिक रूप से बलत्कृत की जाती लड़कियां, हजारों बिखरे हुए कटे हाथ, काली पुती हुई मुंडी वाले लोग, हाथ-पैर टूटे हुए लोग, देशभर में जगह-जगह रुकी हुईं ट्रेनें, उखड़ी हुई फिश प्लेटें, जले हुए तमाम तरह के वाहन, रुका हुआ, थमा हुआ, मंदा पड़ा कारोबार, भूख से बिलबिलाते रोज कमाने-खानेवाले कामगारों के बच्चे... और भी न जाने क्या-क्या ...! और इन सब दृश्यों को देख कर वीभत्स अट्टहास करते आप सब परम पूजनीय नक्सली. वाह क्या बात है. ऐसी न्याय व्यवस्था में तो कोई भी गलत तत्व दहल जाये और मनुष्य मात्र सदा के लिए व्यवस्थित हो जाये !! हे उग्रवादी जी, आप सबों के पास इतनी ताकत है कि आप समानांतर सरकार चलाते ही हैं और झारखंड में तो आपका एकछत्र राज चलता है. ऐसी ताकत को सलाम. मन करता है आपके हाथ चूम लूं. जो हाथ धरती को हरा-भरा कर सकते हैं, पहाड़ से रास्ता निकाल सकते हैं, उद्योग या कारोबार कर हजारों लोगों को रोजगार दे सकते हैं. वे हाथ, हाथ तोड़ रहे हैं, पैर काट रहे हैं, रेप कर रहे हैं, वाह क्या बात है, न्याय भी और सेक्स या परपीड़कता का मजा भी. जो ताकत भारत के गांव-गांव को आत्मनिर्भर बना सकती है, सामूहिक उत्तरदायित्व का बोध दिला सकती है. चौपालों की शाम को मधुर व रंगीन बना सकती है. सरकार गिरा सकती है और लोकप्रिय हो कर अपनी सरकार बना भी साधना बाळा सकती है. है. वो ताकत ट्रेन, थाने, कैंप, वाहन उड़ा रही हैं. लोगों को आतंकित कर रही हैं. जो ताकत पूंजी और संपत्ति का निर्माण कर सकती हैं, वो राज्य और देश की अथाह संपत्ति का विध्वंस कर रही हैं. इस ताकत को प्रणाम.!! मैं आप सबसे सचमुच अभिभूत हूं. आपके आये दिन के आहूत बंद से राज्य और देश को जो नुकसान होता है और दरअसल राज्य को जो अपनी औकात पता चलती है, उससे मैं गदगद हो जाता हूं. एक आप ही तो हो, उसे झुकाने वाले. हे महाप्रभुओं-नक्सली उग्रवादियों पिछले दो दिनों में पुनः आपकी ताकत देकर, प्रभुत्व देख कर दिल सहमा भी, प्रफुल्लित भी हुआ कि हमारे पास विकल्प मौजूद तो हैं. भ्रष्ट राज्य के स्थान पर नक्सली राज व्यवस्था. आमजनों द्वारा आमजनों के लिए संचालित सु व्यवस्था. आप जैसे समर्थों का अभिनंदन है, इसे स्वीकार करें. देश-विदेश में आपका डंका बजता है. आपकी ताकत से बड़े-बड़े लोग थरार्ते हैं. आप सब कुछ रोक सकते हैं, यदि उसका चलना आपके हित में न हो. बेशक उस रोक देने की प्रक्रिया में हजारों, लाखों लोग भूखे सो जायें... हजारों मरीज रास्ते में मर जायें... लाखों, अत्यावश्यक कार्य से आते-जाते, यात्री रास्ते में ठहर जायें. उनका समय नष्ट हो, कीमती काम खराब हो जाये, स्कूल के बच्चे कुछ दिन शिक्षा से वंचित हो जाये, बाजार के बाजार, वीरान हो जायें, मगर हे इस समय के स्वयंभू दादाओं, मगर अगर सब कुछ ठहर जाये, सारा बाजार वीरान हो जाये, ग्राहक व्यापारी ना आये. समूचा तंत्र फेल हो जाये और लाशें बिछी नजर आये, तो इस भयावह वीराने में कहां राज करोगे आप. बताओ ना?

फिर सुलग रही खाड़ीः होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली प्रतिक्रिया तेल कीमतों में तेजी के रूप में सामने आई है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है जबकि डब्ल्यूटीआई भी 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है या सैन्य संघर्ष और बढ़ता है तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ने की आशंका है क्योंकि ऊर्जा लागत लगभग हर आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती है। साथियों, भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से पूरा होता है और उसका एक बड़ा भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसलिए इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर भारतीय ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। यदि तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत का आयात बिल बढ़ेगा,चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। ऊर्जा आयात पर बढ़ती लागत अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचती है और महंगाई को बढ़ावा देती है।सबसे पहला प्रभाव पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई दे सकता है।

किशन सनमुखदास भावनानी
लेखक

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गया है। 11 जून 2026 को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य, को सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा कर दी। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जाएगा। यह कदम कथित रूप से अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री टकराव तथा अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के बाद उठाया गया है। इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी बेचैनी फैल गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 95.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई लगभग 92.6 डॉलर प्रतिबैरल तक पहुंच गया है। दुनियाँ की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है, इसलिए इस घटनाक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने भी खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताव्यक्त की है। वर्तमान घटनाक्रम केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह बिल्कुल सही है कि होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व ऊर्जा व्यवस्था की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक और ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य रास्ता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करोड़ों बैरल तेल और विशाल मात्रा में एलएनजी इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। यही कारण है कि जब भी इस जलमार्ग में व्यवधान आता है, उसका असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है। वर्तमान संकट में भी निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों ने आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए तेल खरीदना शुरू कर दिया,जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल उछाल देखने को मिला। । विषय एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति है। भारत कतर सहित खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहता है तो सीएनजी और पीएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ- साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण और औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। पिछले वर्षों में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद हैं जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में किया जा सकता है।विशाखापट्टनम मैंगलोर और पादुर जैसेस्थानों पर स्थापित भूमिगत भंडारण सुविधाएं सीमित अवधि के लिए देश को राहत प्रदान कर सकती हैं। ये भंडार किसी भी अचानक आपूर्ति संकट के दौरान महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।इसके अतिरिक्त भारत नेऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को एक वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत उपलब्ध कराया है। रूस से आने वाला तेल सामान्यतः अन्य समुद्री मार्गों से आता है, इसलिए होर्मुज संकट की स्थिति में यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। यदि आवश्यकता हुई तो भारत रूस तथा अन्य गैर-खाड़ी आपूर्ति कताओं से आयात बढ़ाने की दिशा में सटिका से कदम उठा सकता है। साथियों, सऊदी अरब,यूएई और अन्य खाड़ी देशों के पास भी कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल निर्यात किया जा सकता है। हालांकि ये मार्ग होर्मुज के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, फिर भी वे वैश्विक बाजार में आपूर्ति के पूर्ण ठहराव को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसी कारण ऊर्जा बाजारों में अभी भी आशा बनी हुई है कि राजनयिक प्रयासों के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा।भू-राजनीतिक दृष्टि से यह संकट केवल तेल या गैस तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है। इसके बंद होने से बीमा लागत, माल ढुलाई शुल्क और शिपिंग समय में वृद्धि होती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ते हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी और यूक्रेन संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही आपूर्ति व्यवधानों का अनुभव कर चुकी है; ऐसे में होर्मुज संकट नई चुनौतियां पैदा कर सकता है। साथियों, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते हमले और समुद्री असुरक्षा वैश्विक व्यापार तथा भारतीय नागरिकों दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों, व्यापारिक जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसलिए नई दिल्ली स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक समाधान का समर्थन कर रही है।वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यह संकट कितने समय तक चलता है। यदि राजनयिक प्रयास सफल होते हैं और जलडमरूमध्य जल्द खुल जाता है तो तेल बाजारों में स्थिरता लौट सकती है। लेकिन यदि सैन्य टकराव बढ़ता है या मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लग सकता है। तेल की कीमतें तीन अंकों तक पहुंच सकती हैं, महंगाई बढ़ सकती है और कई आयात- निर्भर देशों को आर्थिक

सत्ता से सादगी तक - लालू प्रसाद को देखकर मन में उठे सवाल

भारतीय राजनीति में ऐसे बहुत कम नेता हुए हैं जिन्होंने जनमानस पर उतना प्रभाव छोड़ा हो जितना लालू प्रसाद ने छोड़ा। एक समय था जब बिहार की राजनीति का अर्थ ही लालू प्रसाद माना जाता था। गांव की चौपाल से लेकर राष्ट्रीय संसद तक उनकी चर्चा होती थी। समर्थकों के लिए वे सामाजिक न्याय के प्रतीक थे, जबकि विरोधियों के लिए विवादों के केंद्र। लेकिन चाहे समर्थन हो या विरोध, एक बात सभी मानते थे कि लालू प्रसाद एक असाधारण राजनीतिक व्यक्तित्व हैं। उनका काफिला निकलता था तो दर्जनों गाड़ियां साथ होती थीं। सुरक्षा कर्मियों की लंबी कतार होती थी। प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रियता देखते ही बनती थी। उस दौर में शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि एक दिन वही नेता एक साधारण कार में, बिना किसी बड़े काफिले के, शहर की सड़क पर सामान्य नागरिक की तरह दिखाई देंगे। यही समय का सबसे बड़ा सत्य है। बिहार ने राजनीति के कई रंग देखे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं से लेकर समाजवादी आंदोलन तक, जेपी आंदोलन से लेकर मंडल राजनीति तक, यहां सत्ता के कई चेहरे आए और गए। एक समय था जब श्रीकृष्ण सिंह और अनुग्रह नारायण सिंह का प्रभाव था।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
लेखक

कभी-कभी जीवन हमें ऐसे दृश्य दिखा देता है जो वर्षों की राजनीति, सत्ता और सामाजिक वास्तविकताओं को एक ही पल में समझा देते हैं। ऐसे दृश्य किताबों में नहीं मिलते, समाचार चैनलों की बहसों में नहीं दिखते और न ही राजनीतिक भाषणों में सुनाई देते हैं। वे अचानक सामने आते हैं और हमारे भीतर गहरे तक उतर जाते हैं। पटना की चिलचिलाती धूप में घटित एक ऐसा ही दृश्य कई लोगों के लिए सामान्य हो सकता है, लेकिन जिसने उसे देखा, उसके लिए वह समय, सत्ता और जीवन की नश्वरता का एक जीवंत पाठ बन गया। बिहार की राजनीति को दशकों से प्रभावित करने वाले एक बड़े नेता, जिनके नाम से कभी पूरा प्रशासन सक्रिय हो जाता था, जिनके काफिले के गुजरने से सड़कें खाली करा दी जाती थी, वे एक साधारण कार में अकेले बैठे दिखाई दिए। उन्होंने हाथ उठाकर अभिवादन किया और कुछ ही क्षणों में आंखों से ओझल हो गए। लेकिन वह दृश्य मन में रह गया। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं है। यह समय की कहानी है। यह सत्ता की अस्थिरता की कहानी है। यह उस सत्य की कहानी है जिसे हम जानते तो हैं, लेकिन स्वीकार नहीं करना चाहते। भारतीय राजनीति में ऐसे बहुत कम नेता हुए हैं जिन्होंने जनमानस पर उतना प्रभाव छोड़ा हो जितना लालू प्रसाद ने छोड़ा। एक समय था जब बिहार की राजनीति का अर्थ ही लालू प्रसाद माना जाता था। गांव की चौपाल से लेकर राष्ट्रीय संसद तक उनकी चर्चा होती थी। समर्थकों के लिए वे सामाजिक न्याय के प्रतीक थे, जबकि विरोधियों के लिए विवादों के केंद्र। लेकिन चाहे समर्थन हो या विरोध, एक बात सभी मानते थे कि लालू प्रसाद एक असाधारण राजनीतिक व्यक्तित्व हैं। उनका काफिला निकलता था तो दर्जनों गाड़ियां साथ होती थीं। सुरक्षा कर्मियों की लंबी कतार होती थी। प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रियता देखते ही बनती थी। उस दौर में शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि एक दिन वही नेता एक साधारण कार में, बिना किसी बड़े काफिले के, शहर की सड़क पर सामान्य नागरिक की तरह दिखाई देंगे। यही समय का सबसे बड़ा सत्य है। बिहार ने राजनीति के कई रंग देखे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं से लेकर समाजवादी आंदोलन तक, जेपी आंदोलन से लेकर मंडल राजनीति तक, यहां सत्ता के कई चेहरे आए और गए। एक समय था जब श्रीकृष्ण सिंह और अनुग्रह नारायण सिंह का प्रभाव था। फिर कपूर्री ठाकुर का दौर आया। बाद में लालू प्रसाद का उदय हुआ, जिन्होंने बिहार की राजनीति की दिशा और भाषा दोनों बदल दी। लेकिन समय किसी के लिए नहीं रुकता। नई पीढ़ियां आती हैं, नए मुद्दे आते हैं और राजनीति का केंद्र बदलता रहता है। जो नेता कभी सत्ता के केंद्र में होते हैं, वे धीरे-धीरे इतिहास का हिस्सा बनने लगते हैं। उनकी भूमिका कम हो सकती है, लेकिन उनका प्रभाव पूरी तरह समाप्त नहीं होता। यही कारण है कि लालू प्रसाद आज भी राजनीतिक चर्चा के केंद्र में रहते हैं, भले ही परिस्थितियां पहले जैसी न हो। पटना चिड़ियाघर के सामने गन्ने के जूस की दुकान पर खड़े होकर किसी पूर्व मुख्यमंत्री को इस तरह गुजरते देखना केवल एक दृश्य नहीं है। यह जीवन का दर्शन है। हम सभी अपने जीवन में किसी न किसी रूप में सत्ता, प्रतिष्ठा या प्रभाव की तलाश करते हैं। कोई नौकरी में ऊंचा पद चाहता है, कोई व्यापार में सफलता, कोई राजनीति में प्रभाव और कोई समाज में सम्मान। लेकिन अक्सर हम भूल जाते हैं कि यह सब स्थायी नहीं है। आज जो व्यक्ति सत्ता के शिखर पर है, वह कल सामान्य जीवन जी रहा हो सकता है। आज जो व्यक्ति हजारों लोगों से घिरा है, वह कल अकेला हो सकता है। समय की यही विशेषता है कि वह किसी को स्थायी रूप से ऊपर या नीचे नहीं रखता।राजनीतिक जीवन में सुरक्षा का विशेष महत्व होता है। नेताओं के साथ सुरक्षाकर्मी रहते हैं, काफिले चलते हैं और कई तरह की व्यवस्थाएं होती हैं। लेकिन जब जीवन के अंतिम पड़ावों की बात आती है, तब इन व्यवस्थाओं का महत्व सीमित हो जाता है। बुरे समय में इंसान के साथ उसका पद नहीं खड़ा होता। उसकी कुर्सी नहीं खड़ी होती। उसके सुरक्षाकर्मी भी नहीं खड़े होते। उसके साथ खड़े रहते हैं उसके कर्म, उसके रिश्ते और लोगों के दिलों में उसके लिए मौजूद भावनाएं। यही कारण है कि कुछ लोग सत्ता से हटने के बाद भी सम्मान पाते रहते हैं, जबकि कुछ लोग पद पर रहते हुए भी लोगों के दिलों में जगह नहीं बना पाते। राजनीति में अक्सर लोग शक्ति को ही सबसे बड़ी उपलब्धि मान लेते हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण व्यवहार होता है। लोग नेताओं को उनके पद से नहीं, बल्कि उनके व्यवहार से याद रखते हैं।यदि किसी नेता ने लोगों के दुख-दर्द में साथ दिया हो, उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया हो, उनके सम्मान की रक्षा की हो, तो लोग उसे वर्षों तक याद रखते हैं। लेकिन यदि किसी ने केवल शक्ति का प्रदर्शन किया हो, तो समय के साथ उसकी चमक फीकी पड़ जाती है। इसलिए सत्ता का अहंकार हमेशा अस्थायी होता है, जबकि मानवीय संवेदनाएं स्थायी होती हैं। यदि इतिहास पर नजर डालें तो यह सत्य बार-बार दिखाई देता है। दुनिया के बड़े-बड़े सम्राट, शक्तिशाली शासक और प्रभावशाली नेता समय के साथ इतिहास के पन्नों में सिमट गए। कभी जिनके आदेश पर सेनाएं चलती थी, आज उनके महल खंडहर बन चुके हैं। कभी जिनके सामने हजारों लोग सिर झुकाते थे, आज उनकी पहचान केवल इतिहास की पुस्तकों में है।

समय के साथ बदला शोक सभाओं का स्वरूप

प्रोफेसर हंसराज सुमन

शोकसभा संस्कृति का एक हिस्सा है। लगभग सभी धर्मों में शोकसभा का रिवाज है।शोकसभा कई तरह की हो सकती है। 1. वांछित उपलब्धि न होना, 2. कार्य संपन्न न होना, 3. कोई नुकसान हो जाना, 4. शारीरिक व्याधि होना, 5. शारीरिक और मानसिक क्षति होना, 6. सम्पत्ति का नुकसान होना, 7. इन सबमें बड़ा शोक मृत्यु शोक है। शोक-सभाओं का आकार और रूप भी अलग-अलग है। अर्थात छोटे स्तर की शोकसभा और बड़े स्तर की शोकसभा। घर-गृहस्थी में शोकसभा, पारिवारिक और कुटुंब में शोकसभा, परिचितों, संबंधियों और बृहत सामाजिक स्तर पर शोकसभा। स्वाभाविक है कि शोकसभाएँ सान्त्वना और ढांढस बधाने के लिए की जाती है। क्षतिपूर्ति तो संभव नहीं होती है लेकिन आलंबन के दूसरे माध्यम मिल जाते हैं। संबंधियों और परिचितों के सुझाव और सहयोग से ही यह संभव हो पाता है, इसलिए शोकसभा में लोगों को आमंत्रित किया जाता है या फिर जानकारी मिलने पर लोग पहुंच जाते हैं। मृत्यु पर शोकसभा का रूप भावुकता और संवेदना युक्त होता है। समय के साथ साथ रिश्तों में बदलाव आते गये, लोगों के व्यवहार में परिवर्तन हुआ और आपसी रिश्ते भी स्वार्थ से जुड़ते गये। ऐसे में मृत्यु पर लोगों की संवेदनाएँ भी बदलती गईं। आधुनिक युग में मृत्यु पर संवेदनाएँ भी औपचारिकता निभाने तक सीमित हो गईं। शहर और गाँव के वातावरण और समाज में बहुत अंतर है। ग्रामीण परिवेश में सामाजिकता का बंधन है जबकि शहर में सामाजिक बंधन में स्वतंत्रता है। गाँव और शहर की सहानुभूति और संवेदनाएँ भी अलग-अलग हैं। ग्रामीण परिवेश में लिहाज का ख्याल होता है। संपर्क टूटने और सामाजिक बहिष्कार का डर होता है इसलिए खुशी के मौके पर बेशक न जाएँ लेकिन शोक होने की खबर मिलने पर लोग जरूर जाते हैं। आधुनिकता के आगोश में अब गाँव भी आने लगे हैं। औपचारिकता निभाने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। किसी शोक में इच्छा से सहभागिता अब खत्म होने लगी है। नयी परंपरा बनने लगी है दिखावा बढ़ गया है। सिर्फ.निर्वाह करना रह गया है। संवेदनाओं के स्थान पर सुझाव देने की स्थिति बढ़ गई है। कुछ स्थान पर यह धार्मिक दोहन का रूप भी ले चुकी है। मृत्यु भोज से पिंडदान तक सिर्फ दोहन होने लगा है, बेशक मृतक के परिजन आर्थिक रूप से संकट में आ जाएँ या मानसिक रूप से प्रताड़ित हो जाएँ, लेकिन धार्मिक रिवाज को निभाना जरूरी होता है । आज के समय में परंपरा से चली आ रही धार्मिक मान्यताएँ भी टूटने लगी हैं। शहरी परिवेश में तो बहुत कम रिवाजों का ख्याल रखा जाता है । क्योंकि समय अभाव के कारण लोग परंपरा का निर्वाह नहीं कर पाते, कुछ लोग तो तार्किक दृष्टि से भी परंपराओं को बेबुनियाद ठहरा देते हैं।एक समय था जब गाँव में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर रिश्तेदार, सगे संबंधी या मृतक जहाँ कार्य करता था वहाँ से लोग तेरहवीं तक शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने आते थे। तेरह दिनों तक घर में लोगों का आना जाना लगा रहता था। तेरहवीं या सत्रहवीं वाले दिन आसपास के लोग, सगे संबंधी और रिश्तेदार हवन के समय आकर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करके चले जाते थे, लेकिन समय के साथ-साथ शोक सभाओं का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। आजकल महानगरों, शहरों और गाँवों में नव धनाढ्य वर्ग के बीच शोक सभाओं के आयोजन ने दिखावे का भदेस रूप ले लिया है। इसके लिए बड़े-बड़े टेंट लगाने, बड़ा मंडप सजाने, सफेद रंग के पर्दे, कालीन बिछाए जाते हैं। कहीं-कहीं तो शोक सभा को आयोजित करने के लिए होटल, बैंक्वेट हॉल या बड़े पार्क में शोकसभा का आयोजन किया जाता है। शोकसभा के आयोजन से पूर्व तरह-तरह के कार्ड छपवाए जाने लगे हैं।ऐसा लगता है कि यह शोकसभा न हो कर मानो कोई बड़ा उत्सव हो रहा हो। जिस तरह से शादी का आयोजन होता है ठीक उसी तरह से शोकसभा का आयोजन होने लगा है। इस प्रकार की शोक सभाओं में मृतक परिवार के प्रति शोक की भावना कम दिखाई देती है और दिखावा या प्रदर्शन की प्रवृत्ति ज्यादा होती है ? इन शोक सभाओं में यह भी देखने में आया है कि मृतक परिवार के लोग मृतक का बड़ा फोटो स्टेज के साथ सजाकर साथ में धूप, अगरबत्ती व बहुत से गुलाब के फूल रख देते हैं, शोकसभा में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति मृतक के फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धानुसार पैसे चढ़ाता है। शोकसभा के लिए एक निश्चित समय निर्धारित कर दिया जाता है। समयानुसार आयोजन शुरू किया जाता है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 13 जून, 2026

संक्षिप्त खबरें

युवक ने लाठी से तोड़े आधा दर्जन वाहनों के शीशे

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के स्टेट बैंक चौराहे पर शुक्रवार पूर्वाह्न उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक हाथ में लाठी लेकर सड़क पर निकल पड़ा और श्रद्धालुओं की खड़ी कारों पर उसने ताबड़तोड़ हमला कर दिया। युवक ने आधा दर्जन से अधिक वाहनों के शीशे तोड़ दिए और विरोध करने पर एक वृद्ध पर भी हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक पिछले दो दिनों से अपनी पत्नी के साथ स्टेट बैंक चौराहे के समीप एक होटल में ठहरा हुआ था। वह सामान्य रूप से बाजार में घूम रहा था और होटल तथा दुकानों पर भुगतान भी कर रहा था। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे अचानक उसका व्यवहार बदल गया और वह लाठी लेकर रेलवे स्टेशन रोड पर पहुंच गया। बताया जाता है कि सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान मार्ग किनारे खड़ी श्रद्धालुओं की कारों को युवक ने निशाना बनाते हुए एक-एक कर कई वाहनों के शीशे तोड़ दिए। इसके बाद उसने चौराहे पर मौजूद हरिदास बाबा उर्फ टोटक बाबा निवासी प्रयागराज पर हमला कर दिया। लाठी से किए गए कई वारों में बाबा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने किसी तरह युवक को काबू में कर पुलिस के हवाले कर दिया। घायल बाबा को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने बताया कि उनके दाहिने हाथ की दो अंगुलियां टूट गई हैं तथा सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना में राजस्थान से दर्शन-पूजन के लिए आए श्रद्धालु कजोड़मल शर्मा की कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने बताया कि परिवार के साथ मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए आए थे और होटल के बाहर वाहन खड़ा था। अचानक युवक ने लाठी से हमला कर कार का शीशा तोड़ दिया। प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार सिंह ने बताया कि युवक से पूछताछ कर घटना के कारणों की जांच कर रही है। अभी तक हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों के मुताबिक आरोपित युवक आजमगढ़ जिले का रहने वाला है और पिछले दो दिनों से पत्नी के साथ विंध्याचल में ठहरा हुआ था। घटना से पहले उसके व्यवहार में कोई असामान्यता दिखाई नहीं दी थी, जिससे अचानक हुए इस हमले ने सभी को हैरान कर दिया। घटना के बाद कुछ देर के लिए स्टेशन रोड और स्टेट बैंक चौराहे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वाहन क्षतिग्रस्त होने से बाहर से आए श्रद्धालुओं में भी नाराजगी और दहशत देखी गई। पुलिस ने लोगों को शांत कराते हुए जांच शुरू कर दी है।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के सेवानिवृत्त कर्मचारी का शव बंद कमरे में मिला

कानपुर। रावतपुर थाना क्षेत्र के आनंद नगर में शुक्रवार को एक 92 वर्षीय बुजुर्ग का कई दिन पुराना शव उनके घर के बंद कमरे में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव सड़ चुका था और घर के आसपास तेज दुर्गंध फैलने के बाद परिजनों तथा पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री (गन फैक्ट्री) से सेवानिवृत्त कर्मचारी ईबख्श के रूप में हुई है। वह वर्ष 2003 में सेवा निवृत्त हुए थे और आनंद नगर स्थित अपने दो मंजिला मकान में परिवार के साथ रहते थे। घर के निचले हिस्से में बने एक कमरे में वह अकेले रहते थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य ऊपरी मंजिल पर रहते थे। परिजनों के अनुसार ईबख्श बीते कुछ दिनों से दिखाई नहीं दिए थे। शुरूआत में परिवार को लगा कि वह अपने कमरे में आराम कर रहे हैं, क्योंकि अकेले रहने की उनकी पुरानी आदत थी। जब काफी समय तक उनका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों, परिचितों और अन्य संभावित स्थानों पर भी जानकारी जुटाई गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद थाने में गुमशुदगी की सूचना भी दी गई थी। इसी बीच घर के आसपास लगातार दुर्गंध आने लगी। पहले लोगों ने इसे सामान्य समझा, लेकिन बदबू बढ़ने पर परिवार और पड़ोसियों को किसी अनहोनी का संदेह हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बंद कमरे की जांच की। दरवाजा खुलवाने पर अंदर बुजुर्ग का शव मिला, जो कई दिन पुराना होने के कारण काफी सड़ चुका चुका था। मृतक के बेटे अनुराग ने बताया कि पिता नौ जून के बाद से किसी को दिखाई नहीं दिए थे। परिवार को लगा था कि वह अपने कमरे में हैं, लेकिन बाद में शंका होने पर तलाश शुरू की गई। जब घर के आसपास दुर्गंध फैलने लगी तो पुलिस को सूचना दी गई। एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और फोरेंसिक टीम ने भी जांच की है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

गोरखपुर-सिलीगुड़ी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के लिए कसया के 33 गांवों की भूमि होगी अधिग्रहित

प्रातः किरण संवाददाता

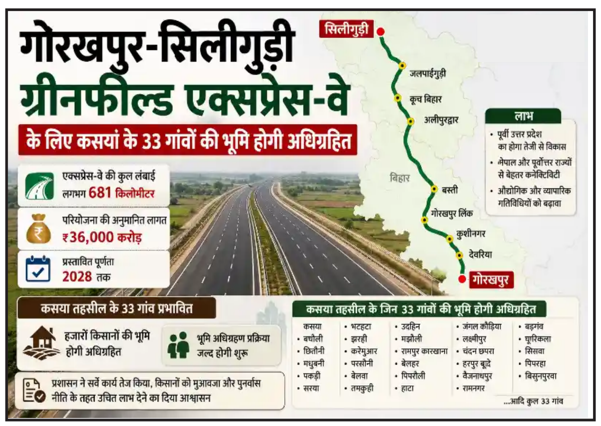
गोरखपुर-सिलीगुड़ी
ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे
के लिए कसयां के 33 गांवों की भूमि होगी अधिग्रहित
एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई लगभग 681 किलोमीटर
परियोजना की अनुमानित लागत ₹36,000 करोड़
प्रस्तावित पूर्णता 2028 तक
सिलीगुड़ी
जलपाईगुड़ी
कूच बिहार
अलीपुरद्वार
बिहार
बस्ती
गोरखपुर लिंक
कुशीनगर
देवरिया
गोरखपुर
लाभ
पूर्वी उत्तर प्रदेश का होगा तेजी से विकास
नेपाल और पूर्वोत्तर राज्यों से बेहतर कनेक्टिविटी
औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा
कसया तहसील के 33 गांव प्रभावित
हजारों किसानों की भूमि होगी अधिग्रहित
भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया जल्द होगी शुरू
प्रशासन ने सर्वे कार्य तेज किया, किसानों को मुआवजा और पुनर्वास नीति के तहत उचित लाभ देने का दिया आश्वासन
कसया तहसील के जिन 33 गांवों की भूमि होगी अधिग्रहित
कसया
बघौली
छितौनी
मधुबनी
पकड़ी
सरया
भटहटा
झरही
करेमुआर
परसौनी
बेलवा
तमकुही
उदहिन
मझौली
रामपुर कारखाना
बेलहर
पिपरौली
हाटा
जंगल कौड़िया
लक्ष्मीपुर
चंदन छपरा
हरपुर बूढ़े
वैजनाथपुर
रामनगर
बड़गंव
घुरिकला
सिसवा
पिपरहा
बिसुनपुरवा
...आदि कुल 33 गांव

कुशीनगर। गोरखपुर से सिलीगुड़ी को जोड़ने वाली प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना का मार्ग कुशीनगर जिले की कसया तहसील के 33 गांवों से होकर गुजरेगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत 24.800 किलोमीटर लंबे हिस्से के निर्माण के लिए 2944 किसानों की कुल 154.030 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। शासन से प्राप्त निर्देशों के बाद स्थानीय निबंधन कार्यालय ने संबंधित गांवों में भूमि के क्रय-विक्रय तथा अकृषक घोषित करने की धारा-80 की प्रक्रिया पर अस्थायी रोक लगा दी है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर भूमि का चिह्नीकरण करते हुए विस्तृत विवरण शासन को भेज दिया है। प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे कसया तहसील के महुई बुजुर्ग, पतई, भठही बाबू, पतया, परसौनी, डुमरी तप्पा परवरपार, सेमरी, खड़तरी, कनखोरिया, परसौनी मुकुंदहां, सुखपुरवा, चक्कर पट्टी, बालक पट्टी, मठिया विशंभरपुर माधोपुर, खेसारी गिदहां, डुमरी तप्पा भलुआ, बटलोहिया, रावतपार, बरवा सुकदेव, अहिरौली राय, चरगहां, कुरमौटा, सिअरहा, नौगांवा तप्पा भलुआ, पोखरभिंडा, रुदवलिया, महासोन, फुरसतपुर, बेलवा बुजुर्ग, डिघवा बुजुर्ग, चेगौना जनूबी, परसौनी खुर्द तथा बेलवा रामजस सहित कुल 33 गांवों से होकर गुजरेगा। 2944 किसानों को मिलेगा मुआवजा प्रशासन के अनुसार, प्रभावित किसानों को भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बैरिया राजा और भलुही मदारी पट्टी गांवों को फिलहाल लंबित श्रेणी में रखा गया है। आवश्यकता पड़ने पर इन गांवों की भूमि का भी अधिग्रहण किया जा सकता है।तहसील प्रशासन ने बताया कि सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर विस्तृत प्रतिवेदन शासन को भेज दिया गया है। बजट आवंटन और शासन के अंतिम निर्देश मिलने के बाद चरणबद्ध तरीके से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यात्रा होगी तेज और सुविधाजनक गोरखपुर-सिलीगुड़ी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना की कुल लंबाई लगभग 520 से 550 किलोमीटर के बीच प्रस्तावित है।

सीएम योगी आदित्यनाथ पर्यावरण को लेकर गंभीर, ग्रीन मोबिलिटी इलेक्ट्रिक सेवा से जोड़ेंगे हर शहर व गांव

-नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक इलेक्ट्रिक-हाइड्रोजन बसों को सीएम ने दिखाई हरी झंडी

-मुख्यमंत्री बोले 15 जून तक 110 इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर, मांग बढ़ने पर 500 तक पहुंचेगा बेड़ा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को स्वच्छ, आधुनिक और भविष्य की परिवहन व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बड़ा कदम उठाते हुए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर तक संचालित होने वाली 45 इलेक्ट्रिक और तीन हाइड्रोजन बसों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर शहर और गांव को ग्रीन मोबिलिटी से जोड़ना है। एक्सप्रेसवे, मेट्रो, एयरपोर्ट और इलेक्ट्रिक परिवहन के विस्तार ने प्रदेश को सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में शामिल कर दिया है। मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक संचालित होने वाली 45 इलेक्ट्रिक और तीन हाइड्रोजन बसों को फ्लैग आफ किया। साथ ही नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 जून से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन शुरू होने जा रहा है। एयरपोर्ट तक यात्रियों को सहज और पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए परिवहन निगम के माध्यम से इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू की है। 15 जून तक 110 इलेक्ट्रिक बसें संचालित हो जाएंगी और आवश्यकता के अनुसार उनकी संख्या बढ़ाकर 500 तक की जाएगी योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र आइटी, इलेक्ट्रानिक्स, डाटा सेंटर, स्टार्टअप और सेमीकंडक्टर उद्योगों के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। ऐसे में विश्वस्तरीय परिवहन सुविधाएं समय की आवश्यकता हैं। जहां मेट्रो सेवाएं उपलब्ध हैं, वहीं इलेक्ट्रिक बसें लास्ट माइल कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। प्रदेश में हुए बुनियादी ढांचे के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश टूटी सड़कों, बिजली संकट और अव्यवस्था के लिए जाना जाता था, लेकिन आज राज्य एक्सप्रेसवे और आधुनिक कनेक्टिविटी का माडल बन चुका है। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे प्रदेश की नई पहचान बने हैं। जल्द ही लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का भी लोकार्पण होने जा रहा है, जिससे प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

कुशीनगर मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति ने कैशलेस उपचार और पेंशन योजना लागू करने की मांग उठाई

•मान्यता प्राप्त पत्रकारों की लंबित मांगें पूरी करे सरकार: भानु प्रताप तिवारी

प्रातः किरण संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर जिले की मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति ने प्रदेश सरकार से मान्यता प्राप्त पत्रकारों की लंबे समय से लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। समिति का कहना है कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं, इसलिए उनके कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और पेशेवर सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल किया जाना चाहिए। समिति की ओर से अपनी बात रखते हुए भानु प्रताप तिवारी ने कहा कि कई बार ज्ञापन सौंपे जाने के बावजूद प्रदेश में मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा का प्रस्ताव अब तक लंबित पड़ा हुआ है। उन्होंने मांग की कि प्रदेश सरकार सभी सरकारी तथा सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके आश्रित परिवारजनों के लिए कैशलेस उपचार की व्यवस्था लागू करे, ताकि आपात परिस्थितियों में उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने वरिष्ठ पत्रकारों के लिए पेंशन व्यवस्था लागू करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। भानु प्रताप तिवारी ने कहा कि देश के कई राज्यों में 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पत्रकारों को 15 हजार से 20 हजार रुपये तक प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जा रही है, जबकि उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ मान्यता प्राप्त पत्रकार अब भी इस सुविधा से वंचित हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार से 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए 20 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन योजना लागू करने का आग्रह किया। भानु प्रताप तिवारी ने प्रदेश मान्यता समिति के गठन में हो रही देरी पर भी चिंता व्यक्त की।

युवाओं के बढ़ते जुड़ाव से मजबूत हुई महाराणा प्रताप सेना, प्रतिमा स्थापना की मांग उठी

प्रातः किरण संवाददाता

हरदोई। महाराणा प्रताप सेना ने संगठन विस्तार के साथ सामाजिक एवं जनहित के मुद्दों को लेकर अपनी सक्रियता बढ़ाने का संकेत दिया है। शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन से बड़ी संख्या में युवाओं के जुड़ने पर खुशी जताई गई, वहीं महाराणा प्रताप एवं रानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा स्थापना की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। कार्यक्रम में मौजूद राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवर्धन सिंह परमार ने संगठन की नीतियों और आगामी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के हितों की रक्षा एवं युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के लिए संगठन निरंतर कार्य कर रहा है। जिला युवा अध्यक्ष रितेश सिंह ने बताया कि संगठन का विस्तार तेजी से हो रहा है और युवाओं का रुझान लगातार बढ़ रहा है। लखनऊ मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह राजा ने कहा कि नव नियुक्त पदाधिकारी संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और समाजहित के कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मंडल उपाध्यक्ष रितेश सिंह बहर ने कहा कि संगठन जनपद की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासन एवं शासन स्तर पर आवाज उठाएगा और जरूरत पड़ने पर ज्ञापन सौंपकर जनहित के मुद्दों का समाधान कराने का प्रयास करेगा। प्रेस वार्ता के उपरांत संगठन में नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। अंकुर सिंह तोमर को लखनऊ मंडल महामंत्री तथा सचिन श्रीवास्तव को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। युवा मोर्चा में आशीष पाल को जिला युवा महामंत्री, जबकि कृष्णा गुप्ता, सौरभ सिंह, विकास यादव और शौर्य प्रताप सिंह को

कछौना ब्लॉक सभागार में दिव्यांग उपकरण शिविर आयोजित, बड़ी संख्या में पहुंचे लाभार्थी

प्रातः किरण संवाददाता

हरदोई। दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों की आवश्यकता अनुसार उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ब्लाक सभागार में शुक्रवार को शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन पहुंचकर पंजीकरण कराया। शिविर में दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता अनुसार ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, श्रवण यंत्र एवं अन्य उपकरणों हेतु चिन्हित किया तथा पार्वती रसीद भी दी गई। भविष्य में शीघ्र दिव्यांगजनों को शिविर के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। एडीओ समाज कल्याण रामू ने बताया ऐसे शिविरों का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। दिव्यांगजनों ने इस पहल की सराहना की। उपकरण मिलने से उनका जीवन सुगम होगा। इस दौरान समाज कल्याण के सभी अधिकारी व कर्मचारी दिव्यांगजन मौजूद रहे।दिव्यांगजनों के संगठन पदाधिकारियों ने

स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव मामले में दो नाबालिग हिरासत में, तीसरे की तलाश

प्रातः किरण संवाददाता

फिरोजाबाद। कानपुर से नई दिल्ली जा रही स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव के मामले में पुलिस ने दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है, जबकि उनके एक अन्य साथी की तलाश जारी है। घटना के समय ट्रेन के जिस कोच पर पथराव हुआ, उसी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत तथा उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी यात्रा कर रहे थे। हालांकि इस घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई। पुलिस के अनुसार, स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस संख्या 12003 गुरुवार शाम लगभग सात बजकर पंद्रह मिनट पर फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन से पहले खंभा संख्या 1230/05 के समीप पहुंची थी। इसी दौरान कुछ शरारती तत्वों ने ट्रेन के ई-1 कोच पर पथराव कर दिया। पथराव की वजह से कोच की एक खिड़की का बाहरी शीशा टूट गया, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी और भय का माहौल पैदा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने ट्रेन को टूंडला में रुकवाकर उसका निरीक्षण किया और यात्रियों की सुरक्षा का जायजा लिया। मोहन भागवत और भूपेंद्र चौधरी की कुशलक्षेम की भी जानकारी ली गई। रात में ही आगरा परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक, जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे सहित अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे पुलिस, जिला पुलिस, विशेष अभियान दल और निगरानी इकाइयों की संयुक्त दस टीमों का गठन किया गया। रेलवे पुलिस ने थाना रसूलपुर में रेलवे अधिनियम के तहत अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद जांच टीमों ने क्षेत्र में लगे करीब पचास सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान कूड़ा बीनने वाले तीन नाबालिगों की पहचान की गई, जिन पर घटना को अंजाम देने का संदेह है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने बताया कि चिन्हित किए गए तीन नाबालिगों में से दो को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि तीसरे की तलाश की जा रही है। दोनों नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, जहां से आगे की कार्रवाई का निर्णय लिया जाएगा। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए दोनों नाबालिग शरारती प्रवृत्ति के हैं और पूर्व में भी उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से गंभीरता के साथ जांच की जा रही है, क्योंकि इस तरह की घटनाएं यात्रियों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। रेलवे और जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और यात्रियों की जान जोखिम में डालने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

कारखानों एवं दुकानों व वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों का हुआ थर्ड पार्टी ऑडिट

प्रातः किरण संवाददाता

कानपुर। उ.प्र. शासन द्वारा जारी दिशा निर्देश के क्रम में मण्डल के समस्त जनपदों में स्थित समस्त कारखानों एवं दुकानों व वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों की थर्ड पार्टी ऑडिट की गई। इस ऑडिट में मालिक/प्रबंधकों को पूर्व में स्थापित नवीन निरीक्षण प्रणाली को अवक्रमित करते हुये औद्योगिक प्रतिष्ठानों में जोखिम आधारित नवीन निरीक्षण प्रणाली, थर्ड पार्टी निरीक्षण (ऑडिट) की व्यवस्था स्थापित की गयी है। जिसके अनुसार कारखानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों को कम जोखिम, मध्यम जोखिम एवं उच्च जोखिम में विभाजित किया गया है। अब कम जोखिम वाले औद्योगिक प्रतिष्ठानों हेतु स्वप्रमाणन की व्यवस्था एवं मध्यम श्रेणी वाले औद्योगिक प्रतिष्ठानों के निरीक्षण व ऑडिट थर्ड पार्टी द्वारा कराये जाने की व्यवस्था लागू की गयी है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा थर्ड पार्टी ऑडिट योजना लागू करते हुये श्रम कानून ऑडिटर फर्म एवं तकनीकी ऑडिटर फर्म को श्रम आयुक्त, उ०प्र० द्वारा मान्यता प्रदान किये जाने की व्यवस्था लागू की गयी है। इच्छुक संस्थाओं द्वारा उक्त शासनादेश में निहित निर्धारित प्रपत्रों पर पूर्णरूपेण भरे हुये एवं आवश्यक संलग्नकों सहित आवेदन पत्र इस कार्यालय की ईमेल आईडी पर एवं ऑफलाइन आवेदन श्रम आयुक्त कार्यालय, जी०टी० रोड, सर्वोदय नगर को प्रशासनिक अधिकारी (प्रवर्तन) के नाम से प्रेषित किये जा सकते हैं, जो इस कार्यालय में दिनांक 09 जुलाई, 2026 की सायं 06:00 बजे तक प्राप्त हो जाने चाहिये। निर्धारित तिथि व समय के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। प्राप्त आवेदन पत्रों का कार्यालय स्तर पर आवश्यक परीक्षणोपरान्त पात्र संस्था को श्रम कानून ऑडिटर फर्म, तकनीकी ऑडिटर फर्म के रूप में मान्यता प्रदान करते हुये इम्पेनलमेंट किया जायेगा।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

हरदोई। मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल की अध्यक्षता में आज स्वामी विवेकानंद सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत पात्र युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने के लिए बिना गारंटी एवं ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इसके साथ ही उद्यम स्थापना हेतु आवश्यक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से प्रदेश में सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देने तथा रोजगार सृजन को गति देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। युवाओं को विनिर्माण, सेवा एवं व्यापार क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र युवाओं तक योजना की जानकारी प्रभावी रूप से पहुंचाई जाए तथा प्राप्त आवेदन पत्रों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बावन में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई रात्रि चौपाल, योजनाओं की दी जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

हरदोई। केन्द्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के गौरवपूर्ण 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक संचालित वृहद अभियान के अंतर्गत तहसील सदर के विकास खंड बावन में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पोषण किट वितरित की तथा बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया। रात्रि चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद करते हुए जिलाधिकारी ने शासन द्वारा संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी और पात्र लोगों से इन योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाए तथा शिकायतों एवं समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शासन की विभिन्न उपलब्धियों और जनहितकारी कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। रात्रि चौपाल में ब्लॉक प्रमुख बावन प्रतिनिधि धर्मेन्द्र सिंह, पीडी ए.के. मौर्य, डीपीआरओ श्रेया उपाध्याय, डीएसटीओ राम प्रकाश, ग्राम प्रधान, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अटेवा जनजागरण यात्रा का कछौना में जोरदार स्वागत, विजय बंधु को एमएलसी बनाने की अपील

प्रातः किरण संवाददाता

आखिर क्यों? स्वयं चिन्तन करें

हरदोई। अटेवा जनजागरण यात्रा के द्वितीय दिन कछौना क्षेत्र के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम का नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह एवं ब्लॉक संयोजिका माधुरी पटेल ने किया। कछौना स्थित बीआरसी परिसर के सामने आयोजित सभा में सैकड़ों शिक्षक एवं कर्मचारियों ने अटेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु तथा प्रदेश महामंत्री नीरजपति त्रिपाठी के विचारों को सुना। सभा को संबोधित करते हुए विजय कुमार बंधु ने कहा कि संगठन का प्रमुख उद्देश्य निजीकरण पर रोक लगाना, कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिलाना, शिक्षक साथियों को टीईटी प्रकरण से राहत दिलाना तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और शिक्षकों के अधिकारों की लड़ाई निरंतर जारी रहेगी। प्रदेश महामंत्री नीरजपति त्रिपाठी ने कहा कि कर्मचारियों और शिक्षकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान तभी संभव है, जब उनका प्रतिनिधि सदन तक पहुंचे। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से विजय कुमार बंधु को स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में भेजने की अपील की। सभा में मौजूद शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने संगठन की मांगों का समर्थन करते हुए जनजागरण अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अशोक कुमार, अखिलेश सिंह, ओम प्रकाश, बद्री प्रसाद, उमेश सिंह, अनिल सिंह, वंदना सिंह, रमेश कुमार, जय प्रकाश, दिनेश कुमार, अमित कुमार, धर्मेंद्र कुमार, शिल्पी, कमलेश कुमार, रजनीश, रितु, नीरज, सचिन, वंदना मौर्य सहित सैकड़ों शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

12 वर्षों में बदला भारत का स्वरूप, आस्था और आर्थिकी के संगम से विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा देश: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रातः किरण संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और समर्पण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी शक्ति, सामर्थ्य और नेतृत्व क्षमता का नया परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि आज देश आस्था और आर्थिक विकास के अद्भुत संगम के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। लोकभवन में आयोजित मीडिया संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश और उत्तर प्रदेश में हुए व्यापक बदलावों का उल्लेख किया। कार्यक्रम से पहले उन्होंने विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में योजनाओं को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उन्हें जन आंदोलन का स्वरूप दिया गया। उन्होंने कहा कि जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया, स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ों शौचालयों का निर्माण हुआ और प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों को पक्के मकान उपलब्ध कराए। आयुष्मान भारत योजना ने स्वास्थ्य सुरक्षा का नया अध्याय लिखा, जबकि डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया और मुद्रा योजना जैसी पहलों ने देश को नई दिशा प्रदान की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकास की धुरी के रूप में गरीब, महिला, युवा और किसान को केंद्र में रखा। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं, जो विश्व स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को प्रधानमंत्री की योजनाओं का सर्वाधिक लाभ मिला है। राज्य में लाखों गरीबों को आवास, करोड़ों परिवारों को शौचालय, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिला है। महिला सशक्तीकरण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदन योजना और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसी पहल ने महिलाओं को नई पहचान दी है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और उद्यमिता के नए अवसर मिले हैं। परीक्षा पर चर्चा, मुद्रा योजना, विश्वकर्मा योजना, आत्मनिर्भर भारत अभियान, फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने युवाओं में आत्मविश्वास का संचार किया है। आज युवा केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले बनने की सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। किसानों के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, कृषि सिंचाई योजना और सॉइल हेल्थ कार्ड जैसी योजनाओं ने किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। उत्तर प्रदेश में करोड़ों किसान इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं और गन्ना किसानों को रिकॉर्ड भुगतान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कोविड-19 महामारी के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने सफल महामारी प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत किया। मुफ्त जांच, मुफ्त टीकाकरण, मुफ्त राशन और मुफ्त उपचार जैसी व्यवस्थाओं ने करोड़ों लोगों को राहत पहुंचाई।

मानव कल्याण की वैश्विक मार्गदर्शिका है गीता: प्रो. आर एन त्रिपाठी

--गीता ही समाज,राष्ट्र-निर्माण का है सूत्र: श्रीराम कृष्ण गोस्वामी

--प्रयाग का महात्म्य, राष्ट्र-निर्माण और मानवाधिकार: अशोक पाठक

--तकनीकी शिक्षा और मानवीय मूल्यों का समन्वय आवश्यक: प्रो. रवि प्रकाश तिवारी

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) प्रयागराज में ह्यभगवद्गीता ज्ञान विज्ञान महायज्ञह्ल संगोष्ठी का भव्य आयोजन शुक्रवार को किया गया। पुरुषोत्तम मास की पवित्र बेला में आयोजित इस वैचारिक अनुष्ठान में देश के ख्यातिलब्ध विद्वानों, प्रशासनिक अधिकारियों, समाजसेवियों और शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति के शाश्वत मूल्यों, शिक्षा और राष्ट्र-निर्माण में आध्यात्मिक चेतना की व्यावहारिक भूमिका को रेखांकित करना था। मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विवि (बीएचयू) के प्रो. आर एन त्रिपाठी ने शिक्षा और अध्यात्म के व्यावहारिक संतुलन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गीता का मूल संदेश सम्पूर्ण मानव कल्याण और लोक-संग्रह पर आधारित है। आज की आपाधापी भरी जिंदगी और मानसिक तनाव के दौर में गीता के श्लोक मनुष्य को आंतरिक शांति और समाज के प्रति उसके दायित्वों का बोध कराते हैं। मुख्य वक्ता दिल्ली से आये हुए श्रीराम कृष्ण गोस्वामी ने भगवद्गीता के संदेशों को 21वीं सदी के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा। उन्होंने कहा कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि श्रेष्ठ समाज और अखंड राष्ट्र निर्माण का व्यावहारिक विज्ञान है। उन्होंने नागरिक सुरक्षा, लोक प्रशासन और मानवाधिकारों पर विशेष बल देते हुए कहा कि गीता का ह्यआत्मवत् सर्वभूतेषुह्ल (सभी जीवों को अपने समान देखना) का सिद्धांत ही वैश्विक मानवाधिकारों का असली मूल मंत्र है। जब देश का प्रत्येक नागरिक ह्यनिष्काम कर्मयोगह्ल को अपनाएगा, तभी एक सशक्त और चरित्रवान राष्ट्र का उदय होगा। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सनातन एकता मिशन के अध्यक्ष पं अशोक कुमार पाठक ने अध्यात्म को राष्ट्र चेतना से जोड़ा। उन्होंने प्रयागराज की पावन भूमि के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महात्म्य का वर्णन करते हुए कहा कि जहां त्रिवेणी का संगम वैचारिक शुद्धता देता है, वहीं गीता का ज्ञान हमें कर्तव्य का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा करना ही वास्तव में लोक शासन और प्रशासन का असली धर्म है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एमएनएनआईटी के निदेशक प्रो. रवि प्रकाश तिवारी ने कहा कि आज के तकनीकी युग में युवाओं को केवल कुशल पेशेवर ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और मूल्य आधारित नागरिक बनना आवश्यक है। एमएनएनआईटी इस दिशा में तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ नैतिक और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार के लिए सदैव तत्पर है।

संक्षिप्त खबरें

हेयर सैलून खोलने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सहायल थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। अघारा गांव निवासी शिवम सविता अपने बड़े भाई मोनू सविता के साथ शुक्रवार सुबह सौंथरा अड्डा स्थित अपने हेयर सैलून को खोलने के लिए जा रहे थे। जैसे ही वे दिनवामऊ मोड़ के समीप पहुंचे, उनकी अपाचे बाइक का पिछला पहिया अचानक पंचर हो गया। इससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे खड्ड में जा गिरी। हादसे में शिवम सविता के सिर में गंभीर चोटें आईं, जबकि उनके बड़े भाई मोनू सविता को मामूली चोटें लगीं। घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए घायल शिवम को निजी वाहन से दिबियापुर के एक अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। मृतक के बड़े भाई मोनू सविता ने बताया कि दोनों भाई रोज की तरह सुबह सैलून खोलने के लिए निकले थे। शिवम दो भाइयों में सबसे छोटे थे। उनकी शादी करीब तीन वर्ष पूर्व हुई थी। उनके असमय निधन से परिवार में कोहराम मच गया है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना की सूचना मिलते ही सहायल थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई में जुट गए।

भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट पर बागपत पुलिस सख्त

बागपत। उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत में भड़काऊ शोशल मीडिया पोस्ट पर पुलिस कार्रवाई की तैयारी कर रही है। ऐसे लोगों का डाटा निकाल कर उनके खिलाफ 151 की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में शुक्रवार को एसपी बागपत सूरज कुमार राय ने भी चेतावनी जारी की है। बागपत जनपद में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट डालने वालों के खिलाफ पुलिस ने कड़ा रुख अपना लिया है। बड़ौत में हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड के बाद सोशल मीडिया पर बढ़ती भड़काऊ गतिविधियों को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक माहौल खराब करने या शांति भंग करने की कोशिश करने वालों पर धारा 151 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में आरोपियों को हिरासत में लेकर 14 दिन तक न्यायिक हिरासत में भेजा जा सकता है। इस पूरे मामले में साइबर थाना पुलिस के साथ एक स्पेशल टीम गठित की गई है, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगातार नजर बनाए हुए है। टीम द्वारा फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर डाली जा रही संदिग्ध पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स की जांच की जा रही है। एसपी बागपत सूरज कुमार राय ने सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर भड़काऊ, आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाली पोस्ट न करे। ऐसा करने वालों के खिलाफ तत्काल प्रभाव से कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि वे जिम्मेदारी के साथ सोशल मीडिया का उपयोग करें और किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने से बचें।

पार्किंग में गंदगी का विरोध करने पर महिला से मारपीट

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के खोजवा इलाके में अपार्टमेंट की पार्किंग में गंदगी फैलाने का विरोध करने पर एक महिला से मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर पिता-पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खोजवा निवासी सुमन पांडेय ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उनके पड़ोसी कृष्ण लाल और उनके पुत्र विकास केशरी अक्सर अपार्टमेंट की पार्किंग में गंदगी फैलाते थे। महिला का कहना है कि दोनों की हरकतों से अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को परेशानी होती थी। जब उन्होंने और अन्य निवासियों ने इसका विरोध किया तो आरोपी उनसे रंजिश रखने लगे। पीड़िता के अनुसार मंगलवार शाम करीब पांच बजे दोनों आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट की गई और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई। घटना के बाद महिला ने भेलूपुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

बरसात से पहले जर्जर स्कूल भवन गिराने के निर्देश, छात्रों की सुरक्षा पर डीएम सख्त

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय टास्क फोर्स एवं ऑपरेशन कायाकल्प की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जनपद के सभी परिषदीय विद्यालयों में जर्जर एवं असुरक्षित भवनों और कक्षाओं को तत्काल चिन्हित कर ध्वस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में जर्जर कक्षाएं हैं, वहां संचालित कक्षाओं को सुरक्षित भवनों में स्थानांतरित किया जाए ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बैठक में विद्यालय परिसरों के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन विद्युत लाइनों की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों ने बताया कि चिन्हित 208 हाई टेंशन लाइनों में से 129 को हटाने का कार्य पूरा हो चुका है। इस पर जिलाधिकारी ने शेष लाइनों को भी बरसात शुरू होने से पहले प्राथमिकता के आधार पर हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को समाप्त करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि ऐसे सभी परिषदीय विद्यालयों की सूची तैयार की जाए, जिनके छात्र-छात्राओं ने ब्लॉक, जनपद, मंडल, राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और उनके प्रशिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए उनका विवरण संकलित किया जाए, जिससे अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों के प्रति प्रेरणा मिल सके। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित इंडिकेटरों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने उन्हें शीघ्र अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। ऑपरेशन कायाकल्प की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य अभी अधूरे हैं, उनका निरीक्षण कर शेष कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए। साथ ही विद्यालयों के विकास में अभिभावकों एवं स्थानीय समुदाय की सहभागिता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। बैठक के दौरान स्वच्छ पेयजल, शौचालय, फर्नीचर, विद्युत व्यवस्था, रैंप, खेल सामग्री, पुस्तकालय एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम स्वनिधि अभियान को मिला रफ्तार

- बिजनौर में 122 पथ विक्रेताओं को मिला प्रथम ऋण

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

GPS Map Camera
Chandpur, Uttar Pradesh, India
47mf+c58, Chandpur, Uttar Pradesh 246725, India

बिजनौर। जनपद की नगर निकायों में पथ विक्रेताओं और छोटे कारोबारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत विशेष अभियान को उल्लेखनीय सफलता मिल रही है। निदेशक राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) एवं शासन के निर्देशानुसार 1 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित किए जा रहे ह्ललोक कल्याण मेलेह्व के तहत बड़ी संख्या में लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। शहर मिशन प्रबंधक डूडा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत अब तक प्रथम ऋण प्राप्त करने के लिए 137 आवेदन ऑनलाइन दर्ज किए गए हैं। इनमें से 122 पात्र पथ विक्रेताओं को प्रथम ऋण का लाभ प्रदान किया जा चुका है। इसके अलावा 10 लाभार्थियों को द्वितीय ऋण तथा 7 लाभार्थियों को तृतीय ऋण वितरित किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 25 लाभार्थियों ने क्रेडिट संबंधी कार्यों के लिए आवेदन किया है, जबकि विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से 36 लाभार्थियों की प्रोफाइलिंग भी की गई है। यह प्रक्रिया पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने में सहायक साबित हो रही है। शहर मिशन प्रबंधक ने कहा कि 30 जून तक चलने वाले इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक पथ विक्रेताओं को स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने व्यवसाय का विस्तार कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने पात्र लाभार्थियों से अपील की कि वे योजना का लाभ उठाने के लिए जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), विकास भवन बिजनौर के कक्ष संख्या 301 अथवा संबंधित नगर निकाय कार्यालय में संपर्क कर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को बिना किसी जटिल प्रक्रिया के आसान ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही है। यह योजना आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने के साथ-साथ शहरी गरीबों के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मृतक के पिता ने परिवार की सुरक्षा की लगाई गुहार, बहू के कथित प्रेमी पर घर पहुंचने का आरोप

- नौगांवा सादात थाने में प्रार्थना पत्र देकर जान-माल की रक्षा और सख्त कार्रवाई की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। थाना नौगांवा सादात क्षेत्र के ग्राम लौदीपुर वा मजरा निवासी अली मौहम्मद पुत्र स्वर्गीय नजीर ने थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर अपने एवं परिवार की जान-माल की सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके पुत्र की मृत्यु के बाद से उनका परिवार भय के साये में जी रहा है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, अली मौहम्मद के पुत्र कमरुद्दीन की 30 मई 2026 को संदिग्ध परिस्थितियों में अपने कमरे में फांसी के फंदे पर लटके मिलने से मृत्यु हो गई थी। इस मामले में उन्होंने कमरुद्दीन की पत्नी तहरीन जहां एवं उसके मायके पक्ष के लोगों के खिलाफ थाना नौगांवा सादात में शिकायत दी थी। उनका कहना है कि तहरीन जहां अपने मायके ग्राम इस्लाइलपुर, थाना शिवाला कलां, जनपद बिजनौर चली गई थी। अली मौहम्मद ने आरोप लगाया कि 9 जून 2026 की रात करीब 12 बजे तहरीन जहां का कथित प्रेमी शान पुत्र शाहरुख निवासी ग्राम कुआंखेड़ा, थाना बछरायूं, जनपद अमरोहा दो अज्ञात व्यक्तियों के साथ उनके घर पहुंचा। उस समय परिवार के लोग सोए नहीं थे और आपस में बातचीत कर रहे थे, जिसके चलते आरोपित किसी घटना को अंजाम दिए बिना वापस लौट गए। उन्होंने आशंका जताई कि उक्त लोग भविष्य में उनके या परिवार के किसी सदस्य को जान-माल का नुकसान पहुंचा सकते हैं। पीड़ित का कहना है कि इस घटना के बाद से पूरा परिवार डरा और सहमा हुआ है। पीड़ित ने थाना पुलिस से मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपितों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

नई कंपनी एस बी ए इनवायरो से हुआ था सफाई व्यवस्था का अनुबंध.. चारों ओर आ रही गंदगी की दुर्गंध

(ना पर्याप्त संसाधन न कर्मचारी..नरकीय जीवन जी रही जनता बेचारी)

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। नगर पालिका क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा ह्लएस बीए इनवायरो प्राइवेट लिमिटेडह्व के साथ अनुबंध किया गया है।मगर क्षेत्र में जगह-जगह लगे कूड़े करकट और गंदगी के ढेर चिल्ला-चिल्ला कर उसकी नाकामी को उजागर कर रहे हैं। पूर्व कंपनी की तरह अनुबंधित कंपनी के पास न पर्याप्त कर्मचारी नजर आते हैं और ना हीं संसाधन। अफसोस की बात तो यह है कि यह सब देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधि न जाने क्यों इस ओर से गांधी के तीन बंदर की तरह बने बैठे हैं। मामले को लेकर क्षेत्रीय नागरिकों के बीच अब तरह-तरह की चचाओं का बाजार गर्म है। दरअसल आधे-अधूरे संसाधनों के साथ नई कंपनी के साथ हुए इस अनुबंध के बाद लोगों को लगा था कि कुछ दिनों में समझौते के अनुसार कर्मचारियों की संख्या के साथ-साथ संसाधनों की कमी भी दूर कर ली जाएगी। मगर क्षेत्र के हर कोने पर लगे कूड़े-करकट के ढेर देख कर क्षेत्रीय नागरिक जिम्मेदारों से इस सवाल का जवाब मांग रहे हैं कि यह अनुबंध सफाई व्यवस्था को सुधारने के लिए हुआ था या सरकारी खजाने की सफाई के लिए? नागरिकों का आरोप है कि नगर पालिका क्षेत्र में साफ-सफाई के टेंडर का खेल अक्सर अनिमितताओं, भ्रष्टाचार और चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने का एक बड़ा जरिया बन जाता है। और इस तरह जनता की गाढ़ी कमाई का दुरुपयोग कर उसकी बंदर बाट करते हैं। यही कारण है कि क्षेत्र की सफाई व्यवस्था की अनदेखी किए जाने के मामले सामने आते रहते हैं. जो पूर्व की भांति एक बार फिर साफतौर पर धरातल पर खुलेआम देखने को मिल रहा है। मजे की बात तो यह है कि इस मामले में वार्ड सभासदों की एक बड़ी संख्या, जो कल तक अपने वार्डों की दुर्दशा को लेकर नगर पालिका विभाग के जिम्मेदारों की कमी के रोने रोते रहे हैं, न जाने क्यों आज वह भी इस मामले में गूंगे और बहरे नजर आते हैं। हालांकि क्षेत्रीय जनता सब कुछ देख भी रही है और समझ भी रही है। जो समय आने पर मजबूती के साथ इसका जवाब जरूर मांगेगी। गौरतलब हो कि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रंजीता मनोज धामा तथा तत्कालीन अधिशासी अधिकारी के.के. मिश्रा ने कंपनी के वाहनों को हरी झंडी दिखाते हुए सफाई अभियान का शुभारंभ किया था। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध संचालक शिवम् द्विवेदी, संचालक विजयानंद, मुख्य सफाई निरीक्षक संजीव अवाना आदि ने शहर को स्वच्छ बनाने का संकल्प दोहराया था। मगर क्षेत्र में जगह-जगह लगे कूड़े-करकट और गंदगी के ढेर, अब अब उसका उपहास उड़ाते नजर आ रहे हैं। क्षेत्र के मौजूदा हालात चीख-चीखकर बता रहे हैं कि नई कंपनी लोगों के विश्वास पर कितना खरा उतर पा रही है.? उक्त गंभीर प्रकरण में जनता के मन की बात जानने के बाद हम पुनः आपके बीच होंगे एक नई खबर के साथ।

शेखचिल्ली की हास्य प्रस्तुतियों के बीच समाजसेवियों का सम्मान, नयी लहर फाउंडेशन का भव्य समारोह आयोजित

- डॉ. मन्नान जैदी बोले– स्वास्थ्य, शिक्षा और मानव सेवा के लिए निरंतर कार्यरत है फाउंडेशन

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। नयी लहर फाउंडेशन द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. मन्नान जैदी ने किया। समारोह का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध कॉमेडी कलाकार शेखचिल्ली रहे, जिन्होंने अपनी टीम के साथ उपस्थित होकर हास्य प्रस्तुतियों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। उनकी प्रस्तुतियों से पूरा सभागार तालियों और ठहाकों से गूंज उठा। कार्यक्रम में समाज सेवा, रक्तदान, स्वास्थ्य सहायता एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अनेक समाजसेवियों को नयी लहर फाउंडेशन की ओर से शील्ड भेंट कर सम्मानित किया गया। शेखचिल्ली की टीम से रुखसाना, जाहिद, कैफ, अजय, बंटी और रिफाकत उपस्थित रहे। वहीं अ१शॅील्ल इ’ङ्क्ष्ग्ग् ली’स्त्र रीप् की ओर से अथर हुसैन, महबूब शेख, नदेम अख्तर और शमीम अहमद सहित कई समाजसेवियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। नयी लहर फाउंडेशन की टीम से जुबैर जैदी, डॉ. रईस अहमद, फैजान, नूर चौधरी, फरमान चौधरी, वकार चौधरी, मोहम्मद जैद, रचना देवी और दीक्षित सहित अन्य कार्यकताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लोनी के चर्चित ओमकार हत्याकांड के दो मुख्य आरोपी दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद किए

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। गनौली निवासी ओमकार हत्याकांड के जिन मुख्य आरोपियों की तलाश में जुटी क्राइम ब्रांच और लोनी-गाजियाबाद पुलिस टीम गिरफ्तार नहीं कर सकी, दिल्ली क्राइम ब्रांच ने गुरुवार देर रात दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में मुठभेड़ के बाद उक्त हत्या में शामिल दो 50 हजार के इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया हैं। अब इसे दिल्ली क्राइम ब्रांच पुलिस की तत्परता कहे या कुछ और.? मगर यह तय है कि इस पूरे प्रकरण ने लोनी गाजियाबाद पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जो आजतक ओमकार के शव को बरामद करने में भी नाकाम रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक क्राइम ब्रांच टीम को खुफिया जानकारी मिली थी कि दो बदमाश दक्षिणी दिल्ली के अरविंदो कॉलेज के निकट, मालवीय नगर में खड़े किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। तुरंत हरकत में आई क्राइम ब्रांच पुलिस ने मुखबिर की निशानदेहीनुसार दोनों संदिग्धों की घेराबंदी करते हुए वहां अपना जाल बिछा दिया। सामने पुलिस को देख दोनों बदमाशों ने पुलिस टीम की ओर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया।

21 जून को नेहरू स्टेडियम में होगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन, तैयारियों में जुटा प्रशासन

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं योग सप्ताह के सफल आयोजन को लेकर जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 15 से 21 जून तक जनपदभर में आयोजित होने वाले योग सप्ताह तथा 21 जून को होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि योग दिवस केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और स्वास्थ्य संवर्धन का महापर्व है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ह्लयोगा फॉर हेल्दी एजिंगह्व (ङ्क्ष् ङ्क्ष्१ ल्ीं’ इं८ अँील्लॅ) निर्धारित की गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योग दिवस को जनआंदोलन के रूप में मनाते हुए अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि योग सप्ताह के दौरान इंदिरा बाल भवन बिजनौर, विदुर कुटी दारानगर गंज, अमृत सरोवर अम्हेड़ा, जिला कारागार बिजनौर तथा इंदिरा पार्क सहित विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि 21 जून को स्थानीय नेहरू स्टेडियम में मुख्य योग कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, बिजली, पार्किंग, बैरिकेडिंग, चिकित्सा सहायता, ध्वनि व्यवस्था और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए। मौसम में संभावित बदलाव और वर्षा की आशंका को देखते हुए जिलाधिकारी ने वैकल्पिक स्थल की व्यवस्था करने तथा आकस्मिक कार्ययोजना तैयार रखने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। विद्यालयों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को योगाभ्यास सत्र एवं क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित कराने के निर्देश दिए गए।

हर विकासखंड के दो गांवों में चलेगा विशेष पोषण अभियान

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद को कुपोषण मुक्त बनाने की दिशा में प्रशासन ने अभियान को और तेज करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न पोषण योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विकासखंड में कुपोषण की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कम से कम दो गांवों का चयन किया जाए, जहां गंभीर रूप से कुपोषित (सैम) एवं मध्यम कुपोषित (मैम) बच्चों के लिए विशेष पोषण अभियान संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि चयनित गांवों में ऐसे बच्चों की सूची तैयार कर उनका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, वजन एवं ऊंचाई मापन तथा पोषण स्तर की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि गंभीर कुपोषित बच्चों को आवश्यकता अनुसार चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनके पोषण स्तर में निर्धारित समय सीमा के भीतर सुधार लाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर अमल किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों, किशोरियों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित निरीक्षण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पोषण कार्यक्रमों की प्रगति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष अभियान चलाकर सुधार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए जनपद को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में पोषण ट्रैकर पर डाटा फीडिंग, पोषाहार वितरण की स्थिति, ई-कवच पोर्टल पर फीडिंग, सैम बच्चों के एनआरसी रेफरल, वजन मशीनों की उपलब्धता सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करते हुए अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस पर मुरादाबाद मंडल में आयोजित हुए विविध जागरूकता कार्यक्रम

- मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने सुरक्षा जागरूकता बाइक रैली को दिखाई हरी झंडी, सेल्फी पॉइंट का किया उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

मुरादाबाद। अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस (क्छउअऊ) के उपलक्ष्य में मुरादाबाद मंडल में 03 जून 2026 से संरक्षा जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंडल के विभिन्न स्थानों सहित आज दिनांक 12 जून 2026 को मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती विनीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी राजीव गुप्ता द्वारा मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव के स्वागत के साथ हुआ। तत्पश्चात मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन परिसर में स्थापित संरक्षा जागरूकता सेल्फी प्वाइंट का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं रेल यात्रियों ने सेल्फी प्वाइंट पर फोटो एवं सेल्फी लेकर संरक्षा जागरूकता अभियान में सहभागिता निभाई।कार्यक्रम के दौरान मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी राजीव गुप्ता ने उपस्थित रेल यात्रियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए समपार फाटकों पर सुरक्षित व्यवहार अपनाने तथा रेल संरक्षा नियमों का पालन करने का संदेश दिया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, मुरादाबाद मंडल की टीम द्वारा समपार फाटक संरक्षा विषय पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। जिसके माध्यम से आमजन को रेल संरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

उत्तम शुगर मिल के कीटनाशी गोदाम का निरीक्षण नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा

- -किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि रसायन उपलब्ध कराने के निर्देश, बिक्री पर बिल देना होगा अनिवार्य

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि रसायन उपलब्ध कराने तथा कीटनाशकों की गुणवत्ता पर प्रभावी निगरानी बनाए रखने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा जनपद में निरीक्षण अभियान जारी है। इसी क्रम में जिला कृषि रक्षा अधिकारी जसवीर सिंह तेवतिया एवं वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (ग्रुप-ए) कृषि रक्षा ने संयुक्त रूप से उत्तम शुगर मिल, बरकातपुर स्थित कीटनाशी गोदाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गोदाम में उपलब्ध कीटनाशकों के स्टॉक, भंडारण व्यवस्था तथा बिक्री एवं क्रय से संबंधित अभिलेखों की गहन जांच की। विभागीय टीम ने यह सुनिश्चित किया कि गोदाम में रखे गए कृषि रसायनों का रखरखाव निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जा रहा है या नहीं। अधिकारियों ने उपलब्ध दस्तावेजों का मिलान कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की और रिकॉर्ड की जांच की। निरीक्षण के दौरान गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत गोदाम में उपलब्ध एक कीटनाशक का नमूना भी अधिग्रहित किया गया। अधिग्रहित नमूने को परीक्षण एवं गुणवत्ता जांच के लिए अधिकृत प्रयोगशाला भेज दिया गया है। प्रयोगशाला से प्राप्त होने वाली रिपोर्ट के आधार पर यह तय किया जाएगा कि संबंधित उत्पाद निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरता है अथवा नहीं। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने गोदाम प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को केवल गुणवत्तायुक्त एवं मानक अनुरूप कृषि रसायनों की ही बिक्री सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक किसान को बिक्री किए जाने वाले कृषि रसायन का पक्का बिल उपलब्ध कराया जाए, जिससे खरीद-बिक्री में पारदर्शिता बनी रहे और आवश्यकता पड़ने पर किसान अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें। अधिकारियों ने बताया कि कृषि विभाग किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क है। खरीफ सीजन के दौरान कीटनाशकों और अन्य कृषि आदानों की मांग बढ़ने के कारण विभाग द्वारा समय-समय पर निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई की जाती है। इसका उद्देश्य बाजार में निम्न गुणवत्ता अथवा मानकविहीन उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाना तथा किसानों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराना है। कृषि विभाग ने किसानों से भी अपील की है कि वे कृषि रसायन खरीदते समय अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदारी करें तथा प्रत्येक खरीद पर बिल अवश्य प्राप्त करें। इससे किसी भी प्रकार की गुणवत्ता संबंधी शिकायत की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई करना आसान होगा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जनपद में कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लोनी में 250 बीघा क्षेत्र में चला बुलडोजर अवैध रूप से बसी थी कॉलोनी

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। डीएम गाजियाबाद के निर्देशानुसार शुक्रवार को लोनी तहसील के अंतर्गत ग्राम असालतपुर और बनेड़ा खुर्द में हिंडन नदी के डूब क्षेत्र तथा बिना गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की अनुमति के बसाई जा रही अवैध कॉलोनियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया गया। ध्वस्तीकरण का यह अभियान जीडीए, सिंचाई विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस बल की मौजूदगी में व्यापक रूप से चलाया गया। अधिकारियों से मिली जानकारी अनुसार ग्राम असालतपुर में लगभग 100 बीघा तथा ग्राम बनेड़ा खुर्द में करीब 150 बीघा क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित की गई कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया। कुल मिलाकर लगभग 250 बीघा भूमि पर की गई अवैध प्लॉटिंग और निर्माण को बुलडोजर चलाकर हटाया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार लोनी डॉ. अरुण कुमार अग्रवाल, राजस्व निरीक्षक अफरोज त्यागी, जीडीए और सिंचाई विभाग के अधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस बल की तैनाती के बीच अभियान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया। तहसीलदार डॉ. अरुण कुमार अग्रवाल ने बताया कि मौके पर मौजूद कुछ परिवारों ने पूछताछ में जानकारी दी कि उन्हें प्लॉट सुभाष त्यागी निवासी चंदौली, शिवकुमार त्यागी निवासी चंदौली, अनिल शर्मा निवासी मयूर विहार तथा जोगिंदर यादव निवासी बहरामपुर द्वारा बेचे गए थे। इस संबंध में विस्तृत जांच और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के लिए जीडीए एवं सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन निर्माणों में परिवार वर्तमान में निवास कर रहे हैं, उन्हें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के माध्यम से नोटिस जारी किए जाएंगे और नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लोनी उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान बड़े पैमाने पर अवैध कब्जों और कॉलोनियों पर कार्रवाई कर प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

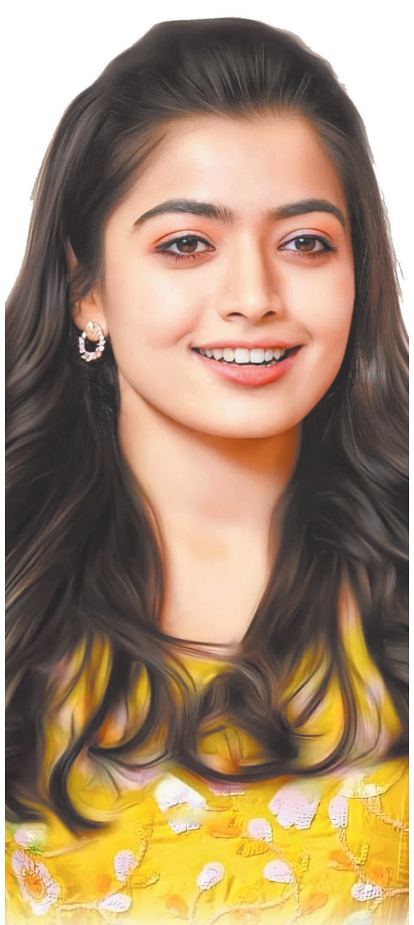

क्या बायोपिक में एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। 123 तेलुगु के अनुसार, रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं ।

क्या शादी करने वाली हैं जेनिफर विंगेट?

सिंगापुर के बिजनेसमैन से जोड़ा जा रहा नाम

ऐसा लगता है कि एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट अपनी पर्सनल लाइफ के एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मशहूर टीवी स्टार जेनिफर ने सिंगापुर के बिजनेसमैन इश्माएल विलियम से सगाई कर ली है। बताया जाता है कि अब यह कपल अपनी शादी की प्लानिंग कर रहा है।

रिश्ते में हैं जेनिफर

41 साल की एक्ट्रेस के करीबी सूत्रों ने बताया है कि जेनिफर और इश्माएल कुछ समय से रिश्ते में हैं और अब रिश्ते को अगले लेवल पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेनिफर और विलियम साथ में बहुत खुश हैं। विलियम ने छुट्टियों के दौरान जेनिफर को प्रपोज किया और उन्होंने हां कह दिया। अब वे अपनी शादी की प्लानिंग कर रहे हैं।

कब हो सकती है शादी?

बताया जाता है कि कपल क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी करने पर विचार कर रहा है। अभी शादी की तारीख और जगह फाइनल नहीं हुई है। वह सितंबर-अक्टूबर में शादी करने पर विचार कर रहे हैं। अगर इन महीनों में शादी ना हुई, तो वह दिसंबर-जनवरी में शादी कर सकते हैं। हालांकि जेनिफर ने इन खबरों पर पब्लिकली कोई कमेंट नहीं किया है लेकिन उनकी कथित सगाई और शादी की प्लानिंग की चर्चा ने फैंस को काफी एक्साइटेड कर दिया है।

जेनिफर की निजी जिंदगी

हाल के वर्षों में जेनिफर ने अपनी पर्सनल लाइफ को लाइमलाइट से काफी हद तक दूर रखा है। एक्ट्रेस की पहले करण सिंह ग्रोवर से शादी हुई थी। उन्होंने अप्रैल 2012 में शादी की थी। दो साल बाद वे अलग हो गए और 2014 में उनका ऑफिशियल तलाक हो गया। बाद में करण सिंह ग्रोवर ने 2016 में एक्ट्रेस बिपाशा बसु से शादी की।

28 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा'

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। सुपरहिट फिल्म 'स्त्री 2' के बाद, फैंस श्रद्धा की अगली फिल्म 'ईथा' का काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म की रिलीज का एलान कर दिया है।

श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' इसी साल 28 अगस्त को 2026 को रक्षाबंधन के त्योहार पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल 2025 में फिल्म 'छावा' बनाने के बाद, निर्माता दिनेश विजन और निर्देशक लक्ष्मण उतेकर एक बार फिर इस फिल्म के लिए साथ आए हैं। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ रणदीप हुडा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'ईथा' की कहानी महाराष्ट्र की मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विथाबाई भाऊ मंग नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित एक बायोपिक है। इसमें 1940 से लेकर 1990 के दशक तक के उनके सफर, उनकी सफलता और उनके जीवन के संघर्षों को दिखाया जाएगा। श्रद्धा कपूर की पिछली फिल्म 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने भी एक कैमियो किया था।

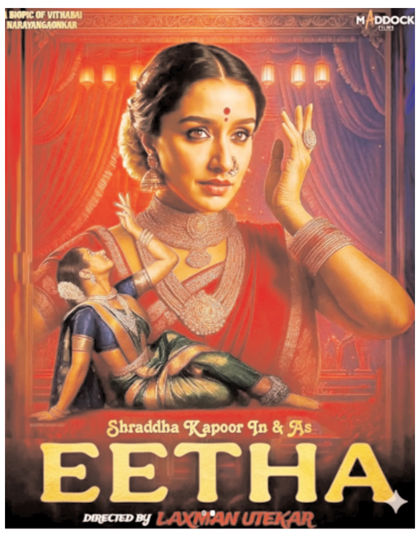
A BIOPIC OF VITHABAI NARAYANGAONKAR
MADDOCK FILMS
Shraddha Kapoor In & As
EETHA
DIRECTED BY LAXMAN UTEKAR

अरशद वारसी ला रहे डार्क कॉमेडी क्राइम थ्रिलर 'जीवन भीमा योजना'

STARBEAM VENTURES LIMITED
PRESENTS
JEEVAN BHEEMA YOJANA
DIRECTED BY ABHISHEK DOGRA
PRODUCED BY ANSHU MISHRA
CO-PRODUCED BY
NITIN KHANNA AFSANA KHERANI

अभिनेता अरशद वारसी एक डार्क कॉमेडी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'जीवन भीमा योजना' लेकर आ रहे हैं। फिल्म का पहला पोस्टर आज सामने आया है। इस फिल्म में अरशद वारसी डबल रोल में नजर आएंगे। अपने करियर में पहली बार अरशद किसी फिल्म में दोहरी भूमिका निभाएंगे। आज फिल्म का टीजर रिलीज किया गया है। जानिए कब रिलीज होगी अरशद की ये फिल्म? 1 मिनट 16 सेकंड के इस टीजर में कॉमेडी और ड्रामा की पूरी झलक दिखती है। साथ ही दिखता है कि कैसे कॉमेडी ऑफ इरर्स से होता है पूरा हंगामा। टीजर की शुरुआत में दिखाया जाता है कि अरशद वारसी के एक किरदार की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाती है। फिर अरशद का दूसरा किरदार अपने हमशक्ल की मौत का फायदा उठाकर बीमा की रकम हासिल करने की कोशिश करता है। लेकिन ये इतना आसान नहीं रहने वाला है।

ऐसी है कहानी

अरशद वारसी इस फिल्म में दो हमशक्ल व्यक्तियों की भूमिका निभा रहे हैं। उनकी जिंदगी अप्रत्याशित और खतरनाक तरीके से एक-दूसरे से जुड़ जाती है। इसके बाद शुरू होती है अपराध, धोखे और डार्क ह्यूमर से भरपूर घटनाएं। 'जीवन भीमा योजना' लालच, मजबूरी, प्यार और एक गलत फैसले के दूरगामी परिणामों की कहानी है। फिल्म जीवन और उसकी पत्नी योजना के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। उनकी जिंदगी में तब बड़ा मोड़ आता है, जब उन्हें भीमा नाम का एक व्यक्ति मिलता है, जो हूबहू जीवन जैसा दिखता है। दोनों एक ऐसी योजना बनाते ,हैं जिसमें जीवन की मौत का नाटक कर बीमा की रकम हासिल की जा सके। लेकिन यह आसान योजना तब बुरी तरह उलझ जाती है, जब मरा समझा गया व्यक्ति हीरे की तस्करी से जुड़े एक खतरनाक गिरोह से संबंध रखता हुआ निकलता है।

पूरी हो चुकी है फिल्म की शूटिंग

अभिषेक डोगरा द्वारा निर्देशित 'जीवन भीमा योजना' अंशु मिश्रा द्वारा स्टार बीम वेंचर्स लिमिटेड के बैनर तले निर्मित है। इस फिल्म में अरशद वारसी के अलावा संजीदा शेख, विजय राज, पूजा चोपड़ा और बिजेंद्र काला जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिल्म मानसून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

अनीस बज्मी ने 'नो एंट्री 2' को लेकर किया बड़ा खुलासा

हाल ही में फिल्म को लेकर देरी, शेड्यूल की दिक्कतों और कास्ट में बदलाव की खबरें सामने आई थीं। इस लंबे समय से इंतजार की जा रही सीक्वल को लेकर काफी समय से अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन फिल्म अब भी चर्चा में बनी हुई है। उम्मीद की जा रही है कि इस बार फिल्म में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ जैसे नए कलाकार नजर आएंगे। देरी को लेकर बात करते हुए अनीस बज्मी ने कहा कि कुछ फिल्मों को बनने में उम्मीद से ज्यादा समय लग जाता है, लेकिन टीम पूरी कोशिश कर रही है कि 'नो एंट्री 2' बनकर तैयार हो। उन्होंने कहा, 'कुछ फिल्मों की कुंडली होती है। मैं मानता हूं कि कुंडली होती है। कभी कोई फिल्म जल्दी बन जाती है, कभी देर से बनती है। लेकिन इंशाल्लाह, हम सबकी कोशिश है कि ये फिल्म बने।'

लोग इस फिल्म को बहुत पसंद करेंगे

फिल्ममेकर ने आगे बताया कि उन्होंने 'नो एंट्री 2' को बहुत प्यार से लिखा है और यह उनकी सबसे अच्छी लिखी गई फिल्मों में से एक है। उन्होंने माना कि इस प्रोजेक्ट में समय लगा है, लेकिन फिल्म जरूर आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म से जुड़े सभी लोग इसे लेकर काफी एक्साइटेड हैं और उन्हें पूरा भरोसा है कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। 'जो भी लोग इस फिल्म से जुड़े हुए हैं, सब बहुत एक्साइटेड हैं। और लोग इस फिल्म को बहुत पसंद करेंगे,' उन्होंने कहा।

हंसते-हंसाते समाज का सच दिखाना ज्यादा असरदार

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री माधुरी दीक्षित आज भी अपनी शानदार अदाकारी और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। पिछले कई दशकों से वह दर्शकों का मनोरंजन करती आ रही हैं और हर दौर में खुद को नए किरदारों के साथ साबित कर रही हैं। इन दिनों उनकी नई फिल्म 'मां बहन' चर्चा में है। फिल्म को लेकर बात करते हुए माधुरी दीक्षित ने मनोरंजन और समाज के रिश्ते पर अपने विचार साझा किए। उनका मानना है कि अगर किसी जरूरी बात को लोगों तक पहुंचाना हो, तो मनोरंजन से बेहतर तरीका कोई नहीं हो सकता। माधुरी दीक्षित ने बातचीत में कहा, ''जब लोग किसी फिल्म या शो को देखने बैठते हैं, तो उनका मकसद कुछ समय के लिए तनाव से दूर होकर अच्छा समय बिताना होता है। ऐसे में अगर कहानी के जरिए समाज की सच्चाई भी दिखाई जाए, तो उसका असर कहीं ज्यादा होता है। लोग हंसते हुए भी यह समझ सकते हैं कि हमारे आसपास क्या हो रहा है और समाज में कौन-सी बातें सही हैं या गलत। मनोरंजन के साथ दिया गया संदेश लोगों के दिल और दिमाग तक आसानी से पहुंचता है।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''किसी बात को बार-बार समझाने या उपदेश देने से लोग कई बार दूरी बना लेते हैं। लेकिन, जब वही बात मजेदार और दिलचस्प तरीके से दिखाई जाती है, तो लोग उसे ध्यान से देखते हैं और उस पर सोचते भी हैं। फिल्मों और कहानियों की यही सबसे बड़ी ताकत है। मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जिनमें मनोरंजन भी हो और कोई अच्छा संदेश भी छिपा हो।''

इसके अलावा, माधुरी ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया। माधुरी ने कहा, 'यह एक पितृसत्तात्मक समाज है जो प्यार और रिश्तों के मामलों में आज भी दोहरे मापदंड अपनाता हुआ आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे रोमियो कहा जाता है, लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।' अभिनेत्री ने कहा, ''मेरी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है।'' 'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 13 जून, 2026

सेंसेक्स
75527.95 पर बंद
निफ्टी
23631.45 पर बंद

सोना
1,48,210
चांदी
265,000

रिलायंस, वेदांता, अडानी... चीन को रोकने के लिए साथ आई भारत की त्रिमूर्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को दुर्लभ पृथ्वी खनिजों (रेयर अर्थ एलिमेंट्स) के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में मुकेश अंबानी की रिलायंस, अनिल अग्रवाल की वेदांता और गौतम अडानी के अडानी ग्रुप ने हाथ आगे बढ़ाए हैं। भारत के इन तीनों बड़े औद्योगिक घरानों का उद्देश्य रेयर अर्थ के क्षेत्र में चीन के एकाधिकार को तोड़ना है। रॉयटर्स के मुताबिक ये तीनों दिग्गज कंपनियां आंध्र प्रदेश में इन महत्वपूर्ण खनिजों की प्रोसेसिंग के लिए प्लांट लगाने की योजना बना रही हैं। केंद्र सरकार की ओर से दुर्लभ खनिजों के लिए चीन पर भारत की निर्भरता को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में आंध्र प्रदेश में सुविधाएं स्थापित करने के लिए करीब 10 कंपनियों ने अपनी रुचि दिखाई है, जिनमें ये तीन प्रमुख ग्रुप शामिल हैं। आंध्र प्रदेश के पास इन दुर्लभ खनिजों का एक बहुत बड़ा खजाना मौजूद है, जो भविष्य की तकनीक के लिए बेहद जरूरी है। एक सरकारी मसौदा दस्तावेज के अनुसार आंध्र प्रदेश के पास 16 चिन्हित तटीय क्षेत्रों में दुर्लभ खनिजों सहित 211 मिलियन मीट्रिक टन समुद्र तट की रेत के खनिज संसाधन मौजूद हैं। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आंकड़ों के मुताबिक पूरे भारत में 482.6 मिलियन टन दुर्लभ पृथ्वी अयस्क के संसाधन हैं। आंध्र प्रदेश सरकार का लक्ष्य अगले 10 साल में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों और टाइटेनियम के क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करना है। इसी साल फरवरी में पेश किए गए केंद्रीय बजट में आंध्र प्रदेश को उन चार राज्यों में शामिल किया गया था, जहां माइनिंग, प्रोसेसिंग और मैग्नेट प्रोडक्शन को कवर करने वाले रेयर अर्थ कॉरिडोर्स विकसित किए जाएंगे। इससे पहले नवंबर में केंद्र सरकार ने रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7300 करोड़ रुपये के कार्यक्रम को मंजूरी दी थी। रेयर अर्थ एलिमेंट्स का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों की मोटरों, रक्षा उपकरणों, स्मार्टफोन और स्थायी चुंबक बनाने में बड़े पैमाने पर होता है। भारत के पास इन खनिजों का बड़ा भंडार तो है, लेकिन वर्तमान में देश के पास औद्योगिक स्तर पर इन्हें उच्च शुद्धता तक प्रोसेस करने की आधुनिक तकनीक और सुविधाएं नहीं हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए बड़ी निजी कंपनियां आगे आ रही हैं।

175 करोड़ रुपये की ब्लॉक डील, कंपनी के शेयरों में करीब 9 प्रतिशत की तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों की कीमतों में 9 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे की वजह 175 करोड़ रुपये की ब्लॉक डील है। बता दें, बीएसई में कंपनी के शेयरों का भाव 434.80 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 8.8 प्रतिशत की तेजी के साथ 455 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया है। एक्सचेंज के डाटा के अनुसार विधी एस खांडेवाल ने 44.87 लाख शेयर के बेच दिए हैं। प्रमोटर ने 390 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से शेयरों की बिक्री की है। इस ब्लॉक डील की कुल वैल्यू 175 करोड़ रुपये की है। ब्लॉक डील गुरुवार को हुई थी। बता दें, प्रमोटर से 6.41 लाख शेयर खरीदे हैं। वहीं, मिराई एसेट म्यूचुअल फंड, और ट्रस्ट म्यूचुअल फंड ने भी शेयरों को खरीदा है। इनके अलावा भी कंपनी में हिस्सेदारी हासिल की है। पिछले तीन महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, इस साल अबतक यह स्टॉक 38 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 6 महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 53 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का 52 वीक हाई 485.35 रुपये और 52 वीक लो लेवल 239 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 4800 करोड़ रुपये से अधिक बना हुआ है। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स को लेकर एक्सपर्ट्स बुलिश हैं।

13 साल में खराब प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहा सोना

एक हफ्ते में इसमें 3.2 प्रतिशत गिरावट आई है

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में आज कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है और यह दो महीने के लो पर चला गया। इस कारण आज भारतीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। लेकिन इंटरनेशनल मार्केट में सोने और चांदी की कीमत में गिरावट जारी है। स्पॉट गोल्ड 0.5 प्रतिशत गिरावट के साथ 4,191.17 प्रति औंस पर आ गया। एक हफ्ते में इसमें 3.2 प्रतिशत गिरावट आई है। इस साल सोना अपने पीक से 25 फीसदी गिर चुका है और 13 साल में अपने सबसे खराब प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहा है।

सोने को लंबे समय से अनिश्चितता के समय में सेफ-हेवन एसेट माना जाता था लेकिन इस बार धारणा धराशाई हो गई। सोने की कीमत इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5,586 के पीक पर पहुंच गई थी। लेकिन ईरान युद्ध के बीच इसमें 25 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट आई है। अगर सोने में इसी तरह गिरावट जारी रहती है, तो यह 2013 के बाद से सोने का सबसे खराब सालाना परफॉर्मेंस होगा। 13 साल पहले सोने की कीमत में 28 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई और ब्रेंट क्रूड 114 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि हाल के दिनों में इसमें गिरावट आई है और काफी दिनों से यह 100 डॉलर से नीचे बना हुआ है। तेल की कीमत बढ़ने से महंगाई बढ़ती है क्योंकि तेल ट्रांसपोर्टेशन, मैन्युफैक्चरिंग, पावर जेनरेशन और लॉजिस्टिक्स के लिए एक जरूरी इनपुट है। इसका बोझ आखिरकार ज्यादा कीमतों के जरिए कंज्यूमर्स पर पड़ता है।

बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं। यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। 21 देशों के इस ग्रुप में महंगाई पिछले 3 फीसदी से ऊपर चली गई जो 2 फीसदी के टारगेट से काफी आगे है। अब दूसरे देशों के सेंट्रल बैंकों के भी इसी रास्ते पर चलने की उम्मीद है। पॉलिसी रेट्स बढ़ने से बॉन्ड जैसे इंटरेस्ट-बेयरिंग एसेट्स की अपील बढ़ जाती है। साथ ही गोल्ड रखने की अपॉर्चुनिटी कॉस्ट बढ़ती है।

प्रॉफिट बुकिंग: पिछले साल सोने की कीमत में 66 प्रतिशत तेजी आई थी। इस साल निवेशकों ने इस पर प्रॉफिट बुकिंग की ने भी गिरावट में योगदान दिया है। टाटा म्यूचुअल फंड को उम्मीद है कि मिले-जुले मैक्रोइकॉनॉमिक संकेतों के बीच सोने की कीमतें जल्द ही एक रेंज में रहेंगी।

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव लेकिन दो बड़े बैंकों ने बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक ने अपनी चुनिंदा समय सीमा वाले लोन पर ब्याज दरों में 0.05 प्रतिशत (5 बेसिस पॉइंट्स) तक की बढ़ोतरी कर दी है। ब्याज दरों में इस बढ़ोतरी के बाद अब ग्राहकों को ज्यादा पैसे देने पड़ सकते हैं। दोनों बैंकों की ये नई दरें आज से लागू हो गई हैं। केनरा बैंक ने शॉर्ट टर्म लोन की दरों में बदलाव किया है। एक दिन का एमसीएलआर 7.90 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.95 प्रतिशत कर दिया गया है। एक महीने का रेट 7.95 प्रतिशत से बढ़कर 8.00 प्रतिशत और तीन महीने का रेट 8.20 प्रतिशत से बढ़कर 8.25 प्रतिशत हो गया है।

छह महीने के लिए एमसीएलआर 8.55 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.60 प्रतिशत कर दिया गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने पांच अलग-अलग समय सीमा वाले लोन पर ब्याज 0.05 प्रतिशत बढ़ाया है। एक दिन का रेट 7.80 प्रतिशत से बढ़कर 7.85 प्रतिशत और एक महीने का रेट 7.90 प्रतिशत से बढ़कर 7.95 प्रतिशत हो गया है। तीन महीने का अब 8.20 प्रतिशत और छह महीने का 8.50 प्रतिशत होगा। वहीं, एक साल डीएस आधार पर ज्यादातर रिटेल लोन (जैसे पर्सनल या ऑटो लोन) तय होते हैं, उसे 8.70 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.75 प्रतिशत कर दिया गया है। बैंक ने भी 8 जून से अपने ज्यादातर लोन की ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। एक दिन का एमसीएलआर 8.10 प्रतिशत, 3 महीने का 8.20 प्रतिशत और 6 महीने का 8.35 प्रतिशत कर दिया गया है। एक साल का रेट 8.35 प्रतिशत से बढ़कर 8.40 प्रतिशत हो गया है। सबसे बड़ी बढ़ोतरी 2 साल वाले लोन पर हुई है, जहां रेट 0.10 प्रतिशत बढ़कर 8.55 प्रतिशत हो गया है।

तीन बिजनेस फेल हुए, 2 करोड़ रुपये डूबे

फिर 1 लाख रुपये से खड़ी कर दी 10 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर इरादे मजबूत हों और खुद पर भरोसा हो, तो बिना किसी गॉडफादर या भारी-भरकम फंडिंग के भी सफलता का आसमान छुआ जा सकता है। इस बात को सच कर दिखाया है नवी मुंबई के एक साधारण मिडिल क्लास परिवार से ताल्लुक रखने वाले पंकज श्रीवास्तव ने। पंकज आज डिजिटल मार्केटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एक जाना-माना नाम बन चुके हैं। वह यूनोसर्च के फाउंडर और सीईओ हैं। इस कंपनी से पहले उनके 3 बिजनेस फेल हो गए थे और करीब 2 करोड़ रुपये डूब गए थे।

पंकज श्रीवास्तव का जन्म एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पूरे परिवार की पृष्ठभूमि नौकरीपेशा वाली थी और पहले कभी किसी ने भी बिजनेस नहीं किया था। पंकज ने अपनी लगन से एमसीए की पढ़ाई पूरी की, जिसके बाद उनका चयन देश की दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में हो गया। नौकरी के दौरान उनके बेहतरीन काम को देखते हुए उन्हें अमेरिका जाकर काम करने का शानदार मौका मिला।

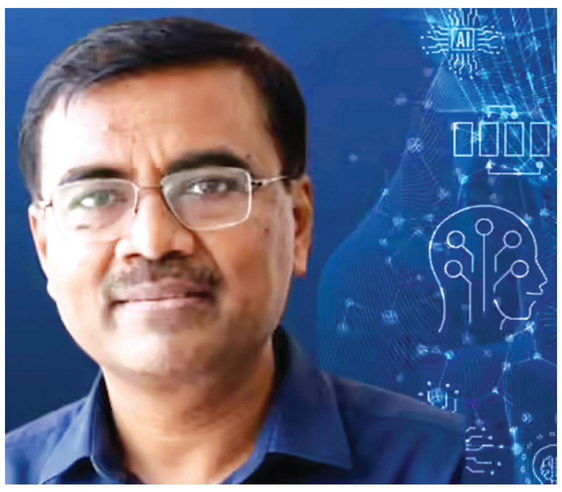

नौकरी छोड़ लिया बड़ा जोखिम

अमेरिका में पंकज के पास एक बेहतरीन सैलरी, सुरक्षित करियर और आरामदायक लाइफस्टाइल थी। लेकिन उनके मन में हमेशा से खुद का कुछ शुरू करने का एक सपना था। पंकज बताते हैं कि अमेरिका के नौकरी दौरान ही उन्होंने बिजनेस करने के बारे में सोच लिया था। पंकज के मुताबिक अमेरिका के अधिकतर लोग नौकरी की जगह अपना बिजनेस करना पसंद करते हैं। यहीं से उन्हें बिजनेस करने की प्रेरणा मिली। आखिरकार उन्होंने एक बड़ा जोखिम लेने का फैसला लिया। अमेरिका में करीब 4 साल नौकरी करने के बाद उन्होंने वह नौकरी छोड़ी और भारत लौट आए। साल 2008 में भारत आने के बाद उन्होंने बिजनेस की दुनिया में कदम रखा। शुरुआती दौर उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। पंकज ने किसी निवेशक से पैसे लेने के बजाय अपनी खुद की जमा-पूंजी से कारोबार शुरू किया। उनका पहला बिजनेस नहीं चला और जल्दी बंद करना पड़ गया। इसके बाद उन्होंने दूसरा बिजनेस शुरू किया। वह भी नहीं चला और उसे भी बंद करना पड़ा। फिर तीसरा बिजनेस शुरू किया। इसका भी हश्र पहले और दूसरे बिजनेस की तरह हुआ। साल 2014 तक उनके तीन बिजनेस फेल हो गए थे।

परिवार की मदद से फिर शुरू की कंपनी

लगातार 3 बिजनेस फेल होने के बाद उनका जमा-पूंजी खत्म हो गई थी। उन्हें करीब 2 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2014 में उन्होंने यूनोसर्च शुरू की। इसे शुरू करने के लिए उन्होंने परिवार और जानकारों से आर्थिक मदद लेनी पड़ी। उन्होंने करीब एक लाख रुपये की शुरुआती रकम से यूनोसर्च शुरू की थी। पंकज के मुताबिक उन्होंने यूनोसर्च की शुरुआत अपनी पत्नी प्रेरणा के साथ की थी। धीरे-धीरे कंपनी ने रफ्तार पकड़ी। साल 2016 में रिलायंस जियो की शुरुआत के बाद देश में इंटरनेट का विस्तार हुआ और कंपनी को गति मिली। आज उनके पास करीब 150 क्लाइंट हैं, जिनमें से ज्यादातार अमेरिकी हैं। उनकी टीम में 80 से ज्यादा लोग हैं।

6 लाख करोड़ की लॉटरी ! ट्रंप ने करा दी निवेशकों की मौज

कारोबार में बीएसई सेंसेक्स करीब 1000 अंक उछल गया

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में आज शेयर बाजार में शानदार तेजी आई है। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स करीब 1000 अंक उछल गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी10 इंडेक्स करीब 275 अंक ऊपर ट्रेड कर रहा है। सुबह 9.20 बजे सेंसेक्स 981.88 अंक यानी 1.33 प्रतिशत तेजी के साथ 74,814.43 अंक पर पहुंच गया। निफ्टी भी 280 अंक यानी 1.21 प्रतिशत ऊपर 23,441.60 अंक पर ट्रेड कर रहा था। इस बीच रुपया भी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 60 पैसे मजबूत होकर 95.25 पर पहुंच गया। इस तेजी से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 6 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 459 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

सेंसेक्स के 30 में से 29 शेयर तेजी के साथ खुले। इंडिगो में सबसे ज्यादा 3.29 फीसदी तेजी रही। इसके अलावा लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, मारुति, एचडीएफसी बैंक, इटरनल, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी ओर टेक महिंद्रा का शेयर मामूली गिरावट के साथ खुला।

ब्रॉडर मार्केट का हाल

निफ्टी में लार्सन एंड टुब्रो, श्रीराम फाइनेंस और इंटरग्लोब एविएशन में सबसे ज्यादा तेजी रही। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप में 1.38 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.61 फीसदी तेजी आई। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी ऑटो में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी, और निफ्टी फार्मा में गिरावट रही।

शेयर बाजार में क्यों आई तेजी?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के साथ डील पर सहमति बन गई है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का भी आदेश दिया है। उनका कहना है कि अगले कुछ दिनों में डील पर साइन हो जाएंगे।

सेबी का नया प्रस्ताव, एक्सचेंज के मौजूदा ढांचे में आएगा बड़ा बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार को रेगुलेट करने वाली संस्था सेबी ने एक नया प्रस्ताव दिया है। इसके अनुसार प्री ओपनिंग काल ऑक्शन के दौरान प्रयोग किया जाने वाला बेस प्राइस और कई एक्सचेंज में लिस्टेड स्टॉक के रोजाना प्राइस बैंड में एकरुपता लाना है। यह प्रस्ताव का मकसद दो या उससे अधिक एक्सचेंड के कीमत के अंतर को दूर करना है। कई बार यह देखने को मिलता है कि किसी एक एक्सचेंज में काफी हलचल है जबकि दूसरे में निवेशक शांत हैं। इसी वजह से कीमतों में अंतर पैदा हो जाता है। इस समय जो नियम लागू हैं उसके अनुसार ऐसे स्टॉक जो डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेड नहीं करते हैं उनके लिए एक स्पेशल प्राइस बैंड लागू होता है। यह पिछले दिनों की क्लोजिंग की तुलना में 20 प्रतिशत तक हो सकता है। पिछले दिनों की क्लोडिंग प्राइस प्री ओपनिंग सेशन के लिए रेफरेंस का भी काम करता है। बता दें, हर एक एक्सचेंज अपना क्लोजिंग प्राइस देखता है। ऐसे में अगर किसी एक एक्सचेंज पर कोई शेयर कई दिनों तक ट्रेड ही नहीं कर रहा है जबकि दूसरे एक्सचेंज पर ट्रेडिंग हो रही है तो इस स्थिति में कीमतों में अंतर आ सकता है। इसी को ठीक करने के लिए सेबी की तरफ से नया प्रस्ताव दिया गया है।

सेबी के नए प्रपोजल के अनुसार अगर कोई स्टॉक दो एक्सचेंज पर रजिस्टर्ड है। लेकिन एक पर ट्रेड नहीं कर रहा है। और दूसरे पर ट्रेड कर रहा है। तो इस स्थिति में एक्टिव एक्सचेंज का क्लोजिंग प्राइस ही दोनों एक्सचेंज के लिए मान्य होगा। वहीं, अगर दो से अधिक एक्सचेंज पर कोई स्टॉक ट्रेड कर रहा है। लेकिन किसी कारणवश एक एक्सचेंड पर ट्रेडिंग किसी दिन नहीं हुई। तो अगले दिन बेस प्राइस के लिए जिस एक्सचेंज पर सबसे ज्यादा वैल्यूएम उस स्टॉक का रहेगा उसे ही माना जाएगा। सेबी के अनुसार यह देखा गया है कि इस तरह की समस्या लिक्विड सिक्योरिटीज में देखने को मिलता है।

एथर एनर्जी ने नए ओटीए अपडेट के साथ नया राईडर इंटरफेस 'वॉईस ऑन एथर' पेश किया

बैंगलुरु, एजेंसी। एथर एनर्जी ने अपने थर्ड जनरेशन और उसके बाद के स्कूटरों के लिए एक नया ओवर-द-एयर (ओटीए) सॉफ्टवेयर अपडेट 'वॉईस ऑन एथर' पेश किया है। इस अपडेट के बाद राईडर्स अपनी आवाज के माध्यम से अपने एथर स्कूटर्स को कमांड दे सकेंगे। इस अपडेट से देश में एथर के हजारों स्कूटरों को वॉईस-इनेबल्ड कंट्रोल मिलेंगे। यह एथर स्कूटरों में सॉफ्टवेयर पर आधारित बेहतर अनुभव प्रदान करने की ओर कंपनी का नया कदम है।

इस अपडेट की घोषणा एथर के को-फाउंडर और सीईओ, तरुण मेहता ने एक्स पर की। उन्होंने कहा कि कंपनी का मानना है कि राईडर्स के लिए कमांड देने का अगला बड़ा जरिया उनकी वॉईस होनी चाहिए। मेहता ने लिखा, ''हमारा मानना है कि हम एक ऐसा भविष्य बना सकते हैं, जिसमें राईडर्स को डैशबोर्ड देखने की जरूरत ही न पड़े।''

इस अपडेट ने कनेक्टेड टेक्नोलॉजी पर एथर के फोकस को और अधिक मजबूत किया है। एथर उन पहले ई-स्कूटर निर्माताओं में से एक है, जिन्होंने प्रोडक्शन लेवल पर ही इलेक्ट्रिक स्कूटर में एक टच स्क्रीन डैशबोर्ड दिया था। इससे राईडर्स द्वारा अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर को कमांड देने का तरीका ही बदल गया था। 'वॉईस ऑन एथर' के साथ कंपनी ने इस इंटरैक्शन को और अधिक इंट्यूटिव बना दिया है, जिससे वास्तविक राईडिंग और ज्यादा बेहतर हो जाएगी। 'वॉईस ऑन एथर' को स्वाभाविक बोलचाल समझने के लिए बनाया गया है। यह ए.आई की मदद से काम करता है। इसकी मदद से राईडर अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर को बोलचाल की भाषा में कमांड दे सकेंगे। वो एथर हैलो स्मार्ट हेलमेट या किसी कंपैटिबल ब्लूटूथ हेडसेट के माध्यम से बात कर सकेंगे। इसलिए अब राईडर्स को न तो मेन्यू को नैविगेट करना पड़ेगा और न ही डैशबोर्ड पर बार-बार टैप करना पड़ेगा। बल्कि वो सीधे बोलकर कमांड दे सकेंगे और जवाब पा सकेंगे। यह फीचर नैविगेशन, वाहन की सैटिंग, कम्युनिकेशन और मीडिया कंट्रोल तक अनेकों फंक्शंस को सपोर्ट करता है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ने चेन्नई संयंत्र के 25 वर्ष पूरे किए

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस ने अपनी चेन्नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी (उत्पादन इकाई) के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाया। यह इकाई भारत के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और इसकी लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करने में एक अहम स्तंभ रही है। इंट्रा-लॉजिस्टिक्स (आंतरिक लॉजिस्टिक्स) में 70 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, कंपनी ने इनोवेशन, ऑटोमेशन और अगली पीढ़ी के वेयरहाउसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देने के लिए अपनी चेन्नई और बेंगलुरु इकाइयों में लगातार निवेश करने की घोषणा की है। मैन्युफैक्चरिंग के दम पर भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, वेयरहाउसिंग (गोदाम प्रबंधन) सप्लाई चेन को मजबूत, कुशल और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने स्टोरेज और इंट्रा-लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस में एक मजबूत नेतृत्व की स्थिति बनाई है, जो उद्योगों के लिए एक आधार की तरह काम कर रहा है और भारत के आर्थिक विस्तार व सप्लाई चेन के आधुनिकीकरण को आगे बढ़ा रहा है। समय के साथ चेन्नई संयंत्र एक प्रमुख विनिर्माण और इंजीनियरिंग केंद्र के रूप में विकसित हुआ है, जिसकी नींव परिचालन उत्कृष्टता और क्षमताओं के निरंतर विस्तार पर आधारित है। इसने जटिल और बड़े पैमाने की इंट्रालॉजिस्टिक्स परियोजनाओं को तेज़ी और सटीकता के साथ पूरा करने की क्षमता विकसित की है। ग्राहकों, साझेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के मजबूत नेटवर्क के सहयोग से यह आज क्षेत्र की सबसे बड़ी और उन्नत इंट्रालॉजिस्टिक्स विनिर्माण इकाइयों में शामिल है, जहां उच्च-सटीकता वाले सिस्टम तैयार किए जाते हैं जो स्वचालित और उच्च-घनत्व वाले वेयरहाउसिंग वातावरण को सक्षम बनाते हैं। यह बिजनेस ऑटोमेशन आधारित मैन्युफैक्चरिंग, प्रिसिजन इंजीनियरिंग और इंटीग्रेटेड डिजिटल डिजाइन-टू-डिलीवरी सिस्टम के माध्यम से अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। साथ ही, चेन्नई फैसिलिटी में लगातार सुधार और बेंगलुरु में क्षमता का विस्तार किया जा रहा है।

अब टी20 में ट्रॉफी का सूखा खत्म करने उतरेगी भारत की बेटियां

नई दिल्ली। महिला टी20 वर्ल्ड कप का आगाज 12 जून (शुक्रवार) से गया। इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। भारतीय टीम की नजरें भी अब वनडे विश्व कप ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के बाद टी20 की पहली ट्रॉफी जीतने पर होंगी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर रिकॉर्ड 10वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खेलने उतरेंगी। इस टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका, पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

टीम इंडिया अपना अभियान 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारत को मेजबान इंग्लैंड के सामने वॉर्म अप मैच में हार झेलनी पड़ी थी। साथ ही टीम इंडिया वर्ल्ड कप से पहले टी20 सीरीज भी यहां इंग्लैंड के खिलाफ ही 1-2 से हारी थी। अब ऐसे में टीम के सामने कई चुनौतियां हैं और कुछ टीम की ताकत भी हैं। एक-एक करके जानते हैं भारतीय महिला टीम की ताकत और कमजोरियों के बारे में।

ICC
WOMEN'S CRICKET
WORLD CUP
INDIA 20

भारतीय महिला टीम की यह है ताकत

1- बल्लेबाजी में अनुभव की भरमार- भारतीय महिला टीम की इस टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी ताकत है उसका अनुभव। इस टीम इंडिया में अनुभव की भरमार है। युवा शेफाली वर्मा तक को कई सालों का अनुभव हो चुका है। जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना, मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत कौर अपना 10वां वर्ल्ड कप खेलेंगी। साथ ही ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, मध्यक्रम की रीढ़ जेमिमा रोड्रिग्स, गेंदबाजी में सबसे अनुभवी रेणुका ठाकुर इस टीम को अनुभवी बनाती हैं। अब देखना होगा कि यह अनुभव क्या भारत के लिए पहले महिला टी20 वर्ल्ड कप के इंतजार को खत्म कर पाता है।

2- ऋचा घोष की हिटिंग क्षमता बन सकती है टर्निंग पॉइंट- भारतीय टीम के पास मध्यक्रम में और लोअर ऑर्डर में टी20 के लिए परफेक्ट कही जाने वाली बैटर ऋचा घोष मौजूद हैं। उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप में भी बेहतरीन फिनिश से कई बार भारत को जीत दिलाई थी। अब टी20 वर्ल्ड कप में भी वह टीम इंडिया के लिए ट्रम्प कार्ड बन सकती हैं। उन्होंने वार्म अप मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 36 गेंद पर 68 रन ठोके थे।

3- मजबूत स्पिन अटैक और बेहतरीन पेसर्स- भारतीय टीम की सबसे बड़ी ताकत बल्लेबाजी के बाद उसकी स्पिन गेंदबाजी है। टीम के पास अनुभवी दीप्ति शर्मा हैं जो स्पिन की बागडोर संभालेंगी। उनके अलावा वर्ल्ड चैंपियन राधा यादव, श्री चरणी भी शामिल हैं। साथ ही श्रेयांका पाटिल भी इस टीम का हिस्सा हैं। यह ग्रुप विरोधी टीमों को धराशायी कर सकता है। साथ ही तेज गेंदबाजी में भारत के पास वर्ल्ड चैंपियन रेणुका ठाकुर और क्रांति गौड़ की जोड़ी है। इस जोड़ी को बल देने आई हैं महिला प्रीमियर लीग की खोज और शानदार पेसर नंदनी शर्मा। ऐसे में भारत का गेंदबाजी आक्रमण टूर्नामेंट में अंडरडॉग की भूमिका निभा सकता है।

क्या हैं टीम इंडिया की कमजोरियां?

1- ओपनिंग जोड़ी का खराब फॉर्म- भारत की सफलता बहुत हद तक सलामी जोड़ी स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा पर निर्भर करेगी। यह जोड़ी फिलहाल आउट ऑफ फॉर्म नजर आ रही है। स्मृति ने पिछले छह टी20 इंटरनेशनल में एक भी फिफ्टी नहीं लगाई है। जबकि शेफाली का भी हालिया फॉर्म चिंता का विषय है। ऐसे में अगर यह जोड़ी कमाल नहीं कर पाती है तो टीम इंडिया की मुसीबतें बढ़ सकती हैं।

2- डेथ ओवर्स में बल्लेबाजी और गेंदबाजी- भारतीय महिला टीम ने वनडे वर्ल्ड कप जरूर जीता है लेकिन टी20 में टीम के लिए अभी दबाव झेलना बड़ी चुनौती है। खासतौर से जब डेथ ओवर्स में गेंदबाजी या इनिंग व मैच को फिनिश करने की बात आए तब। बल्लेबाजी में टीम ऋचा घोष पर निर्भर है। इंग्लैंड के खिलाफ वार्म अप मैच में यह देखने को मिला था। गेंदबाजी में टीम की सीनियर खिलाड़ी रेणुका ठाकुर, राधा यादव और दीप्ति शर्मा को जिम्मेदारियां लेनी होंगी। साथ ही बल्लेबाजी में भी राधा, दीप्ति और भारती फूलमाली को ऋचा का साथ देना होगा।

3- भारत के सामने 'ग्रुप ऑफ डेथ' की चुनौती- भारतीय महिला टीम की इसे कमजोरी नहीं कह सकते लेकिन अगर चुनौतियों की बात होगी तो सबसे बड़ी चुनौती है कि टीम का ग्रुप आसान नहीं है। भारत के ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसी टीमें हैं। कमजोरी यह है कि भारतीय टीम लगातार इन दोनों टीमों के आगे विवश होती आई है। वहीं बांग्लादेश और पाकिस्तान भी इस ग्रुप में हैं जिन्हें कमजोर नहीं आंका जा सकता है। ऐसे में यह ग्रुप ए, आगे टूर्नामेंट में ग्रुप ऑफ डेथ बन सकता है।

स्मृति-शैफाली ओपनर, जेमिमा नंबर 3

- पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए ट्ठ ने चुनी भारत की संभावित प्लेइंग 11

K GAUD
26
INDIA

नई दिल्ली। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ 14 जून को खेलना है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत जीत के साथ सीजन की शुरुआत करना चाहेगा और भारत की कोशिश होगी कि वो इस बार महिला वर्ल्ड कप टाइटल अपने नाम करे। हालांकि इंग्लैंड में हो रहे इस वर्ल्ड कप में भारत के लिए विनर बनना काफी चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन महिला वनडे वर्ल्ड कप जीत चुकी भारतीय टीम कमाल करने का दम रखती है।

भारत का पहला मुकाबला ही पाकिस्तान के साथ है और इस मैच में टीम इंडिया किसी भी कीमत पर जीत दर्ज करना चाहेगी। भारत को जीत के कम शायद ही कुछ चाहिए होगा और इसके लिए उसे अपनी सबसे मजबूत प्लेइंग 11 के साथ मैदान पर उतरना होगा।

पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के लिए भारत की सबसे मजबूत प्लेइंग इलेवन क्या हो सकता है इसके बारे में एआई (गूगल जेमिनी) ने बताया।

भारत का कार्यक्रम

- 14 जून, पाकिस्तान, शाम 7 बजे से
- 17 जून, नीदरलैंड्स, शाम 7 बजे से
- 21 जून, दक्षिण अफ्रीका, शाम 7 बजे से
- 25 जून, बांग्लादेश, शाम 7 बजे से
- 28 जून, आस्ट्रेलिया, शाम 7 बजे से

पहले मैच में मेक्सिको ने साउथ अफ्रीका को 2-0 से हराया

जूलियन ने रचा इतिहास, दागा सबसे तेज गोल

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत हो चुकी है और इस टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में मेक्सिको ने साउथ अफ्रीका को 2-0 के अंतर से हरा दिया। घरेलू टीम के लिए ये एक बड़ी जीत रही क्योंकि इससे ग्रुप ए के राउंड ऑफ 32 में क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें बढ़ गईं। इस मुकाबले में मेक्सिको का खेल काफी अटैकिंग था वहीं जूलियन क्विनोन्स ने अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। जूलियन क्विनोन्स ने इस मैच के दौरान एक ऐसा रिकॉर्ड भी बनाया जो 96 साल के फीफा वर्ल्ड कप की शुरुआत के बाद से अब तक कोई खिलाड़ी नहीं बना पाया था। जूलियन क्विनोन्स ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच के 8वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। उन्होंने अफ्रीकी टीम के डिफेंस की एक बड़ी गलती का फायदा उठाया और बॉक्स के ठीक बाहर से एक जबरदस्त शॉट मारकर सीधे गोल किया। ये फीफा वर्ल्ड कप 2026 का पहला गोल था।

जूलियन ने दागा सबसे तेज गोल- जूलियन क्विनोन्स ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ गोल करके एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने मैच के आठवें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। यह फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी ओपनिंग मैच में किया गया अब तक का सबसे तेज गोल रहा। इस मेक्सिकन विंगर ने जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी फिलिप लैम का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2006 फीफा वर्ल्ड कप में बोलीविया के खिलाफ 11वें मिनट में पहला गोल किया था।

जूलियन ने रचा इतिहास

इस गोल के साथ जूलियन क्विनोन्स फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी सीजन में पहला गोल करने वाले नॉर्थ अमेरिकन देश के पहले खिलाड़ी बन गए। दरअसल मेक्सिको एकमात्र नॉर्थ अमेरिकन देश है जिसने फीफा वर्ल्ड कप का ओपनिंग मैच खेला है।

डीडी स्पोर्ट्स पर देख सकेंगे चुनिंदा मैचों का आनंद उठा सकेंगे दर्शक

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 11 जून की देर रात (भारतीय समय के अनुसार) से होगी। भले ही भारत इस विश्व कप में हिस्सा नहीं ले रहा, लेकिन देश में फीफा विश्व कप को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। फैंस 'जी नेटवर्क' पर इन मुकाबलों का लुत्फ उठा सकते हैं, लेकिन कुछ मुकाबले 'डीडी स्पोर्ट्स' पर मुफ्त में देख सकेंगे। मेक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच ओपनिंग मैच 11 जून की देर रात 12 :30 बजे से खेला जाएगा। क्वार्टर फाइनल 10 से 12 जुलाई के बीच आयोजित होंगे, जबकि सेमीफाइनल 15 और 16 जुलाई को टेलीकास्ट होंगे। फाइनल 20 जुलाई को होगा। फुटबॉल के इस महाकुंभ में कुल 48 टीमें ट्रॉफी के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे। इस मल्टीनेशनल टूर्नामेंट की मेजबानी मेक्सिको, कनाडा और अमेरिका मिलकर करेंगे।

दक्षिण कोरिया का जीत के साथ आगाज, रोमांचक मुकाबले में चेकिया को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत साउथ कोरिया ने जीत के साथ की है। रोमांच के भरपूर मुकाबले में टीम ने चेकिया को 2-1 से हराया। साउथ कोरिया ने मैच के दूसरे हाफ में 1-0 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। मैच के आगाज के साथ ही साउथ कोरिया और चेकिया की टीम को शुरुआत में गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन दोनों ही टीमें इस भुनाने में नाकाम रहीं। मैच के 9वें मिनट में साउथ कोरिया के पास मिली फ्री किक से बढ़त बनाने का शानदार मौका था, लेकिन चेकिया के डिफेंस ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। 11वें मिनट में साउथ कोरिया की टीम कॉर्नर का भी फायदा उठाने में नाकाम रही। पहले हाफ में कोरिया ने चेकिया के डिफेंस पर दबाव तो खूब डाला, लेकिन उनके डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे। चेकिया को पहले हाफ में दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत से ही चेकिया ने आक्रामक खेल दिखाया और टीम को मैच के 59वें मिनट में सफलता हाथ लगी। लाडिसलाव क्रेजकी ने बेहतरीन हेडर के जरिए शानदार गोल करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

सरफराज की टीम बाहर

- शिवम दुबे के ऑलराउंडर प्रदर्शन से फाइनल में पहुंची अंधेरी आर्क्स, अर्जुन तेंदुलकर बल्लेबाजी में फ्लाप

AAKASH
ITALIAN MARBLE
97
PAYYADE

नई दिल्ली। टी20 मुंबई 2026 लीग के पहले सेमीफाइनल में शिवम दुबे की कप्तानी वाली अंधेर आर्क्स ने सरफराज खान की कप्तानी वाली आकाश टाइगर्स को हराते हुए फाइनल में जगह बना ली है। इस मैच में कप्तान शिवम दुबे ने अपने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन से टीम को फाइनल में पहुंचाया। अर्जुन तेंदुलकर ने इस मुकाबले में एक विकेट 31 रन देकर लिया था लेकिन बल्लेबाजी में फ्लाप साबित हुए।

सरफराज खान की कप्तानी वाली आकाश टाइगर्स की टीम अब फाइनल में पहुंचने की रेस से बाहर हो चुकी है। पहले खेलते हुए आकाश टाइगर्स ने 20 ओवर में 7 विकेट पर सिर्फ 150 रन बनाए थे। जवाब में शिवम दुबे की कप्तानी वाली टीम ने 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर 151 रन बना लिए।

1 चौका, 5 छक्के और आकाश टाइगर्स से छीना मैच

अंधेरी आर्क्स के कप्तान शिवम दुबे ने 26 गेंद पर नाबाद 45 रन की पारी खेली। उन्होंने इस पारी में 1 चौका और 5 छक्के लगाए। अपनी इस तूफानी पारी से उन्होंने अंधेरी की टीम को अपने दम पर जीत दिला दी। इस जीत के साथ अंधेरी आर्क्स टी20 मुंबई 2026 लीग की पहली फाइनलिस्ट भी बनी। इस मैच में आकाश टाइगर्स के लिए कप्तान सरफराज खान ने 17 गेंद पर 34 रन की पारी खेली थी। आशुतोष घाघरे 4 ओवर में 21 रन देकर दो विकेट लेने वाले अंधेरी के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने। फिर बल्लेबाजी में अंधेरी की टीम के लिए मुशीर खान खाता भी नहीं खोल पाए और पहली गेंद पर आउट हो गए। नंबर 3 पर आए अर्जुन तेंदुलकर ने भी 11 गेंद पर 13 रन बनाए और निराश किया। मध्यक्रम लड़खड़ा रहा था, फिर अंत में दुबे की बेहतरीन पारी से टीम जीत तक पहुंची और फाइनल में जगह बना ली।

वैभव छक्के नहीं लगा पाए तो क्या, पर चौके लगाने में किसी से कम नहीं

इंडिया ए-अफगानिस्तान ए मैच के बाद सबसे ज्यादा 4-6 लगाने वाले टॉप-5 बैटर

नई दिल्ली। इंडिया ए टीम को श्रीलंका में खेले जा रहे ट्राई सीरीज के दूसरे मैच में अफगानिस्तान ए टीम के हाथों 4 रन से करीबी हार मिली। बारिश से बाधित इस मैच में भारत की किस्मत खराब रही और उसे हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद भारत को 2 अंक का भी नुकसान हुआ और वो अंकतालिका में दूसरे नंबर पर भी आ गया। इस ट्राई सीरीज में दो मैच खेले जा चुके हैं जिसमें भारत के स्टार बैटर वैभव सूर्यवंशी ने एक भी छक्का नहीं लगाया है, लेकिन वो चौके लगाने में किसी से कम नहीं हैं।

इंडिया ए और अफगानिस्तान ए मैच के बाद बात अगर चौके लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें पहले चार नंबर पर तो भारतीय बल्लेबाज ही हैं जिसमें वैभव दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस मुकाबले के बाद अगर बात सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें 3 भारतीय बल्लेबाज मौजूद हैं। छक्के लगाने के मामले में भारतीय बैटर सूर्यांश शेडगे पहले नंबर पर मौजूद हैं तो वहीं दूसरे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ मौजूद हैं।

वैभव माली की जमकर हुई पिटाई, रहाणे की टीम बाहर

तुषार की घातक गेंदबाजी से मराठा रॉयल्स फाइनल में

नई दिल्ली। टी20 मुंबई 2026 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली नॉर्थ मुंबई पैंथर्स और सिद्धेश लाड की कप्तानी वाली MSC मराठा रॉयल्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में मराठा रॉयल्स ने तुषार देशपांडे की घातक गेंदबाजी और चिन्मय की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर नॉर्थ मुंबई पैंथर्स को हरा दिया और फाइनल में जगह बना ली। फाइनल में अब मराठा रॉयल्स का सामना 13 जून को अंधेरी के साथ होगा।

नॉर्थ मुंबई पैंथर्स और मराठा रॉयल्स के बीच खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में मराठा रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद पहली पारी में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स ने 20 ओवर में 148 रन बनाए और ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में मराठा रॉयल्स ने 19.5 ओवर में 7 विकेट पर 152 रन बनाकर मैच जीत लिया। तुषार देशपांडे को उनकी शानदार बॉलिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

SanRaj Group
NOVOTEL
TYKA

तुषार देशपांडे की घातक गेंदबाजी

नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के खिलाफ मराठा रॉयल्स के तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने शानदार बॉलिंग करते हुए 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट झटके। अथर्व और आदित्य को भी 2-2 सफलता मिली। नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के लिए अभिज्ञान कुंडू ने सबसे ज्यादा 40 रन की पारी खेली जबकि आशीष चौधरी ने 33 रन बनाए तो वहीं कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 8 गेंदों पर 11 रन की पारी खेली। रोहित पॉल ने 12 गेंदों पर 21 रन की पारी खेली।

वैभव माली की जमकर हुई कुटाई- नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के गेंदबाज वैभव माली इस सेमीफाइनल में कुछ खास नहीं कर पाए और उन्होंने जमकर रन लुटाए। 4 ओवर में उन्होंने 43 रन दिए और कोई विकेट नहीं मिला। हालांकि उनकी टीम की तरफ से मोहित अवस्थी और प्रवेश पॉल को 3-3 विकेट जरूर मिले।

खोड़ा नगर पालिका में छह महीने बाद हुई अधिशासी अधिकारी की तैनाती

साहिबाबाद,एजेंसी। खोड़ा नगर पालिका परिषद में करीब छह महीने बाद अधिशासी अधिकारी की तैनाती हो गई है। बृहस्पतिवार को जालौन की कालपी नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रहे अवनीश कुमार शुक्ल ने कार्यभार संभाला। आते ही उन्होंने जनगणना की समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता रहेगी। जनता की समस्या रोजाना सुनकर उसका समाधान कराया जाएगा। अभी जनगणना का कार्य प्राथमिकता है। अवैध निर्माण पर लगाम लगाने के लिए निर्माण उपविधि लागू कराने के लिए भी प्रयास किया जाएगा। दिसंबर 2025 में अधिशासी अधिकारी अभिषेक कुमार के तबादला होने के बाद मुरादनगर पालिका के अधिशासी अधिकारी शैलेंद्र सिंह पर चार्ज था। कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी रहे शैलेंद्र कुमार और पालिका अध्यक्ष मोहिनी शर्मा के बीच करीब सात दिन पहले विवाद सामने आया था। पालिका अध्यक्ष ने विकास कार्यों को लेकर बैठक बुलाई थी। बैठक से पहले ही कई अधिकारी चले गए थे। कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी भी बैठक में नहीं आए थे। पालिका अध्यक्ष की ओर से उन्हें और अन्य अधिकारियों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया था। खोड़ा में पेयजल आपूर्ति बहुत बड़ा मुद्दा है। इसके लिए काफी समय से कार्य चल रहा है। भूजल से चल रही पेयजल आपूर्ति की कवायद से भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। गंगाजल की योजना अभी अधर में लटकी हुई है। उसी से खोड़ा में पेयजल आपूर्ति की समस्या का स्थायी समाधान संभव है।

अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस एवं अभिलेख सप्ताह 2026

भोपाल। मध्यप्रदेश अभिलेखागार, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस एवं अभिलेख सप्ताह 2026 का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त संचालक श्रीमती मनीषा शर्मा की उपस्थिति में किया गया। यह सात दिवसीय आयोजन अभिलेखीय धरोहर, पांडुलिपियों, दस्तावेजों एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। प्रथम दिवस पर आयोजित उद्घाटन सत्र में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं अतिथियों ने सहभागिता की। संयुक्त संचालक श्रीमती मनीषा शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अभिलेखागार के महत्व तथा ऐतिहासिक दस्तावेजों के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान धरोहर एवं अभिलेख संरक्षण विषय पर विचार-विमर्श आयोजित किया गया। डॉ. रमेश यादव ने विभिन्न प्रकार की धरोहरों, उनके ऐतिहासिक महत्व तथा संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। अन्य वक्ताओं ने भी अभिलेखीय धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। निलेश लोखंडे द्वारा अभिलेखागार एवं धरोहर संरक्षण विषय पर प्रस्तुति दी गई, जिसमें अभिलेखों के संरक्षण, डिजिटलीकरण एवं प्रबंधन की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को अभिलेखागार का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्हें दस्तावेजों के संरक्षण, सूचीकरण, डिजिटलीकरण एवं सुरक्षित भंडारण की प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया। दिवस के अंतिम सत्र में एमपी लाइब्रेरी वेबसाइट एवं मोबाइल ऐप के प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसमें डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुलभ एवं उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने संबंधी सुझाव प्रस्तुत किए गए। प्रथम दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

12 करोड़ श्रद्धालुओं के स्वागत की तैयारी

नासिक सिंहस्थ का शंखनाद, रामकुंड पर ध्वजस्तंभ पूजन

नासिक , एजेंसी। नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभमेले की तैयारियों का औपचारिक आगाज गुरुवार को पवित्र रामकुंड पर ध्वजस्तंभ शिलान्यास पूजन के साथ हो गया है। कमला एकादशी के पावन पर्व पर वैदिक मंत्रोच्चार और श्रीराम के जयघोष के बीच संपन्न हुए इस समारोह में कुंभमेला मंत्री गिरीश महाजन ने आगामी कुंभमेले को अब तक का सबसे भव्य, स्वच्छ और सुरक्षित आयोजन बनाने का संकल्प दोहराया।

मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि आगामी सिंहस्थ में पिछले कुंभमेलों की तुलना में 4 से 5 गुना अधिक, यानी लगभग 12 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। इतनी विशाल संख्या के प्रबंधन के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है, लेकिन उन्होंने नासिक के हर अपील की है। निवासी से एक 'स्वयंसेवक' के रूप में इस महाआयोजन में सहयोग देने की

कुंभमेले के मद्देनजर पूरे जिले का कायाकल्प करने की योजना है। मंत्री महाजन ने बताया कि सड़कें, बुनियादी ढांचा, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं के लिए 35 हजार करोड़ रुपये के कार्यों को गति दी गई है। अगले वर्ष तक इन कार्यों के पूर्ण होने से नासिक का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। गोदावरी नदी की स्वच्छता को केवल आयोजन तक सीमित न रखकर इसे निरंतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है। समारोह में विभिन्न अखाड़ों के प्रमुख साधु-संतों और महतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को अलौकिक बना दिया। जगदुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य महाराज और संजयदत्त महाराज ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान दिगंबर अखाड़े के महंत वैष्णवदास महाराज, निर्वाणी अखाड़े के महंत मुरलीधरदास महाराज समेत कई पूज्य संतों ने उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह में महापौर हिमगौरी आडके आहेर, विधायक सीमा हिरे, विभागीय आयुक्त डॉ। प्रवीण गेडाम, पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक, कुंभमेला आयुक्त शेखर सिंह, मनपा आयुक्त मनीषा खत्री और पुरोहित संघ के सतीश शुक्ल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित थे। सिंहस्थ कुंभमेले के दौरान अमृत स्नान के प्रमुख दिनों में नासिक और त्र्यंबकेश्वर के मुख्य क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम से बचने और श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाने के लिए नासिक त्र्यंबकेश्वर कुंभमेला प्राधिकरण द्वारा एक त्रि-स्तरीय पार्किंग व्यवस्था की योजना बनाई गई है। इस व्यवस्था के तहत, अमृत स्नान के दिनों में निजी वाहनों को शहर की बाहरी सीमा पर बने निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही रोक दिया जाएगा।

यूसुफ पठान, सायोनी घोष और शताब्दी रॉय... सामने आई टीएमसी के बागी सांसदों की लिस्ट

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक भूचाल के बीच 20 में से 19 बागी सांसदों ने पार्टी से अलग होने का मन बना लिया है और 18 मई को अपने नामों की सूची आधिकारिक तौर पर लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय को भेज दी है। यह बगावत पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ मानी जा रही है। टीएमसी के इन सांसदों का बागी रुख पार्टी आलाकमान के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपकर अलग गुट को मान्यता देने की मांग की गई है। दल-बदल कानून से बचने के लिए बागी खेमे को दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, और 19 सांसदों का आंकड़ा इस कानूनी बाधा को पार करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, बापी हलदर, डॉ शर्मिला सरकार, प्रसून बंद्योपाध्याय्र जगदीश बर्मा बसुनिया, असित कुमार मल, अरूप चक्रवर्ती, रचना बनर्जी, सायोनी घोष, खलीलुर्रहमान, अबू ताहिर खान, यूसुफ़ पठान, मिताली बैग, माला रॉय कालीपद सोरेन, दीपक अधिकारी, जून मालिया, पार्थ भौमिक। इन नामों में यूसुफ पठान, सायोनी घोष और शताब्दी रॉय जैसी प्रमुख हस्तियां शामिल हैं, जो पार्टी के कद्दावर नेताओं में गिने जाते हैं। इस टूट से संसद में टीएमसी की ताकत काफी कम हो सकती है।

चलती ट्रेन में मिला नोटों का जखीरा, बलिया-छपरा एक्सप्रेस से रुपयों से भरे बैग संग युवक गिरफ्तार

बलिया, एजेंसी। यूपी के बलिया में जीआरपी ने छपरा एक्सप्रेस में चेकिंग के दौरान एक यात्री के पास से नोटों से भरा बैग बरामद किया है। बरामद धनराशि के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने पर जीआरपी ने मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को दी। इसके बाद वाराणसी से पहुंची आयकर विभाग की टीम मामले की जांच में जुट गई है। बैग में 36.25 लाख रुपये थे। बताया जाता है कि गाजीपुर से छपरा इन नोटों को पहुंचाना था।

नियमित चेकिंग के दौरान मिली सफलता: जीआरपी प्रभारी राजकपूर सिंह ने बताया कि थाने के सिपाही संदीप कुमार और रामजन्म राजभर गोमती नगर से छपरा जा रही ट्रेन संख्या 15054 बलिया छपरा एक्सप्रेस में नियमित चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान स्लीपर कोच में यात्रा कर रहे एक व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर उसकी तलाशी ली गई। उसके पास मौजूद बैग की पुलिस ने तलाशी ली तो चौंक गई। पूरा बैग नोटों से भरा था।

युवक से नोटों के बारे में पूछा गया और ट्रेन से उतारकर हिरासत में ले लिया गया। नोटों से भरे बैग के साथ युवक को जीआरपी थाने लाया गया। गिनती की गई तो बैग में 36.25 लाख रुपये थे। यहां पूछताछ में भी वह नोटों के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सका और न ही कोई कागज दिखा सका। पूछताछ में उसकी पहचान गाजीपुर जनपद के नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित रजदेपुर पुलिस चौकी अंतर्गत नवाब साहब का फाटक निवासी संचित अग्रवाल पुत्र संतोष अग्रवाल के रूप में हुई।

युवक ने यह जरूर बताया कि वह गाजीपुर में आभूषण की दुकान संचालित करता है और उस धनराशि को छपरा कचहरी स्टेशन के समीप स्थित अमन जायसवाल की आभूषण दुकान पर देने के लिए ले जा रहा था। हालांकि वह धनराशि से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद मामले की जानकारी अधिकारियों को दी गई।

अधिकारियों की तरफ से मामले की सूचना आयकर विभाग को दी गई। वाराणसी से जांच इकाई की टीम मौके पर पहुंची और बरामद धनराशि के स्रोत एवं उसके उपयोग की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार पूरा मामला टैक्स चोरी का लगता है। इन दिनों सोने-चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव और हाई रेट के कारण बड़े पैमाने पर इसकी खरीद बिक्री नकद की जा रही है।

कांग्रेस में 'बड़े विस्फोट' के संकेत, गहलोत-पायलट विवाद पर सीपी जोशी बोले- आने वाले दिनों में होगा कुछ बड़ा

उदयपुर, एजेंसी। राजस्थान कांग्रेस में गहराते अंतर्विरोधों को लेकर भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी ने बड़ा राजनीतिक दावा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भीतर लंबे समय से चल रही खींचतान अब खुलकर सामने आ रही है और आने वाले समय में पार्टी के भीतर बड़ा विस्फोट देखने को मिल सकता है। उदयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान जोशी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट के बीच जारी बयानबाजी को कांग्रेस की आंतरिक स्थिति का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल सतही विवाद नहीं, बल्कि अंदरखाने चल रही बड़ी राजनीतिक जंग का हिस्सा है। जोशी ने मानेसर प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में दोनों नेताओं के बीच जिस प्रकार की टिप्पणियां हुई थीं, वे आज भी राजनीतिक रिश्तों में मौजूद दरार को दर्शाती हैं। हालांकि उन्होंने इसे कांग्रेस का आंतरिक मामला बताते हुए प्रत्यक्ष टिप्पणी से दूरी बनाई, लेकिन कहा कि मौजूदा परिस्थितियां पार्टी में बड़े बदलाव या टूट के संकेत दे रही हैं। इस दौरान जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं। उन्होंने जीएसटी, धारा 370 हटाने और सर्जिकल स्ट्राइक जैसे फैसलों को ऐतिहासिक बताया। धर्मांतरण के मामलों पर उन्होंने कहा कि सख्त कानूनों और प्रशासनिक निगरानी के चलते ऐसे मामलों में कमी आई है। वहीं हनुमान बेनीवाल के बयान पर मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि उनके बयानों को मीडिया उनसे बेहतर समझता है।

पाकिस्तान-तुर्किये की नजदीकियां बढ़ीं, सैन्य अधिकारियों की बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा पर मंथन

इस्लामाबाद, एजेंसी। तुर्किये के लैंड फोर्सेस कमांडर जनरल मेटिन टोकल ने पाकिस्तान के शीर्ष रक्षा और सैन्य नेतृत्व के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन बैठकों में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और सैन्य साझेदारी को और मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस्लामाबाद में अपने दौरे के दौरान जनरल टोकल ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ, चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, नौसेना प्रमुख एडमिरल नावेद अशरफ और एयर चीफ मार्शल ज़ाहिर अहमद बाबर सिद्धू से अलग-अलग मुलाकात की। पाकिस्तानी सेना के अनुसार, इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने और रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। अपने दौरे के दौरान तुर्किये लैंड फोर्सेस प्रमुख ने पाकिस्तान नौसेना मुख्यालय और एयर हेडक्वार्टर का भी दौरा किया। यहां उन्होंने नौसेना प्रमुख और एयर चीफ से अलग-अलग मुलाकात कर समुद्री सुरक्षा और वायुसेना सहयोग पर विचार-विमर्श किया।

क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग पर जोर

बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग को और संस्थागत रूप देने और सैन्य संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई।

दोनों देशों ने जताई मजबूत साझेदारी की प्रतिबद्धता

रक्षा मंत्री से मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने पाकिस्तान और तुर्किये के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंधों को दोहराया। साथ ही आपसी विश्वास और जन-स्तरीय संपर्क को इस रिश्ते की मजबूती का आधार बताया गया। तुर्किये सेना प्रमुख ने पाकिस्तान के क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के प्रयासों की सराहना की और कहा कि दोनों देशों के बीच हाई-लेवल मिलिट्री डायलॉग ग्रुप रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जनरल मेटिन टोकल ने रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से भी मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति और पेशेवर सैन्य सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की गई। आसिम मुनीर ने दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंधों को रेखांकित करते हुए रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने की बात कही।

शरद पवार की पार्टी का कांग्रेस में होगा विलय, हाईकमान के प्रस्ताव से महाराष्ट्र में हलचल तेज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में इस समय भारी उथल-पुथल मची हुई है। एक तरफ जहाँ विपक्षी एकजुटता की नई कवायदें तेज हो रही हैं, तो दूसरी तरफ शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट में बगावत के सुर सुनाई देने लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में संपन्न हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में शरद पवार को अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने का प्रस्ताव दिया गया। इस फॉर्मूले पर एनसीपी के कुछ शीर्ष नेता खुलकर सकारात्मक रुख अपनाने की सलाह भी दे रहे हैं। यदि शरद पवार गुट का कांग्रेस में यह महा-विलय होता है, तो महाराष्ट्र के चुनावी समीकरण और राजनीति पूरी तरह बदल जाएगी।

विपक्ष को एकजुट करने की कवायद और विलय का प्रस्ताव: ताजा राजनीतिक घटनाक्रम के तहत कांग्रेस आलाकमान ने शरद पवार के सामने अपनी पार्टी एनसीपी (शरदचंद्र पवार) का कांग्रेस में विलय करने का एक बड़ा प्रस्ताव रखा है। इस रणनीतिक कदम की रूपरेखा सबसे पहले शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने सामने रखी थी। राउत का तर्क है कि कांग्रेस से अलग होकर वजूद में आए सभी क्षेत्रीय दलों को अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाने के लिए अब मुख्य पार्टी में वापस लौट आना चाहिए। इस फॉर्मूले पर सुप्रिया सुले ने भी सकारात्मक रुख अपनाते हुए राउत के सुझाव की सराहना की है। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पहले शिवसेना और एनसीपी को खंडित किया गया और अब टीएमसी को निशाना बनाने की कोशिश हो रही है। इसी बीच, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी सभी विपक्षी ताकतों से एक मंच पर आने तथा राहुल गांधी को 'इंडिया' गठबंधन के सर्वमान्य नेता के रूप में स्वीकार करने का आह्वान किया है।

अब कौन संभालेगा राजगद्दी?

नहीं रहीं थाइलैंड की भावी रानी, 3 साल से कोमा में थीं प्रिंसेज बज्रकितियाभा

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की भावी शासक राजकुमारी, बज्रकितियाभा का निधन हो गया है। शुक्रवार सुबह शाही परिवार ने एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। राजा महा वजिरालॉन्गकॉर्न की सबसे बड़ी बेटी और देश की सबसे लोकप्रिय शाही हस्तियों में से एक, 'प्रिंसेस भा' पिछले साढ़े 3 साल से लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे कोमा में थीं। अब उनकी मौत से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। 47 वर्षीय राजकुमारी बज्रकितियाभा ने बैंकॉक के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। इससे पहले शाही परिवार ने बीते दिनों एक बयान जारी कर बताया था कि उनकी हालत बिगड़ती जा रही है। मेडिकल टीम ने बताया था कि उनके पेट और आंतों में इन्फेक्शन फैल गया था और उनके कई अंदरूनी अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद स्थानीय समयानुसार गुरुवार रात उनका निधन हो गया।

दिसंबर 2022 में हो गई थीं बेहोश राजकुमारी बज्रकितियाभा दिसंबर 2022 में बैंकॉक में अपने पालतू कुत्तों को वॉक कराने के दौरान अचानक

बेहोश होकर गिर पड़ी थीं। डॉक्टरों के मुताबिक, दिल में माइकोप्लाज्मा इन्फेक्शन के कारण अचानक उनकी दिल की धड़कनें पूरी तरह अनियमित हो गई थीं। इससे उनके दिमाग में ऑक्सीजन की कमी हुई और वह कोमा में चली गईं। तब से उन्हें मशीनों के सहारे ही जीवित रखा गया था। राजकुमारी को यहां के लोग प्यार से प्रिंसेज भा कहा करते थे। राजा वजिरालॉन्गकॉर्न की पहली पत्नी सोअमसावली से जन्मीं प्रिंसेज भा का जन्म 7 दिसंबर 1978 को हुआ था। वह अपने पिता की सात संतानों में सबसे बड़ी थीं। बचपन से ही वे काफी मेधावी थीं। आगे चलकर वे वह एक बेहद काबिल वकील थीं। उन्होंने अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से कानून में एलएलएम और डॉक्टरेट की डिग्रियां हासिल की थीं। इसके बाद उन्हें राजघराने से अहम जिम्मेदारियां भी मिलीं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में थाई मिशन के लिए काम किया।

पेंटागन में ऑफिस सील, फ्लोर खाली और इमरजेंसी अलर्ट

पेंटागन , एजेंसी। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन में गुरुवार को सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया। इमारत के कई हिस्सों को खाली कराया गया और कुछ मंजिलों को सील कर दिया गया। सीएनएन और अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, पेंटागन की आंतरिक निगरानी प्रणालियों ने समस्या का पता लगाया, जिसके तुरंत बाद एहतियाती कार्रवाई शुरू की गई। प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए गए और खतरनाक पदार्थों से निपटने वाली विशेष टीमें मौके पर पहुंच गईं।

पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि इमारत की निगरानी प्रणालियों ने ऐसी समस्या का संकेत दिया जिसके लिए तत्काल एहतियात बरतना जरूरी था। हम प्रभावित क्षेत्र में 'शेल्टर इन प्लेस' समेत सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। रेस्क्यू टीम मौके पर तैनात हैं। भवन में मौजूद लोगों की मदद के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुरक्षा टीम के जारी संदेश में कर्मचारियों को बताया गया कि वायु गुणवत्ता संबंधी समस्या का पता चला है और अतिरिक्त जांच चल रही है, जिसमें एक से दो घंटे का समय लग सकता है। संदेश में कहा गया है कि रेस्क्यू टीम मौके पर हैं। आपको केंद्रीय प्रांगण में कई एजेंसियों के बचावकर्मी दिखाई दे सकते हैं। कृपया इसे सामान्य सुरक्षा अभ्यास मानें।

यह घटना उस समय हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका ईरान पर 'आज रात' बड़ा हमला करने जा रहा है, ताकि निकट भविष्य में ईरान के तेल और गैस उद्योगों, खासकर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप पर पूर्ण नियंत्रण हासिल किया जा सके।

अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन हमलों का वार-पलटवार जारी है। इस सप्ताह तीसरी बार मिडिल ईस्ट में जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। पहले ईरान-इजराइल संघर्ष हुआ, उसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच गोलीबारी के दो दौर चले।

ट्रंप का बड़ा दावा: अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से ईरान में हुआ नेतृत्व परिवर्तन, नए नेता समझौते के लिए तैयार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने संकेत दिया है कि हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई ने ईरान के नेतृत्व ढांचे को पूरी तरह बदल दिया है। ट्रंप के अनुसार, तेहरान में अब नेताओं का एक नया समूह सामने आया है। यह नया समूह वॉशिंगटन के साथ बातचीत करने के लिए पहले के मुकाबले अधिक इच्छुक दिख रहा है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि सैन्य दबाव ने ईरान के भीतर की राजनीतिक स्थिति को बदल दिया है। इससे परमाणु कार्यक्रम पर एक बड़े समझौते की उम्मीद जगी है। ट्रंप ने इसे एक तरह का सत्ता परिवर्तन (रिजीम चेंज) बताया। उन्होंने कहा कि अब जो लोग सत्ता में हैं, वे उन लोगों से कहीं अधिक तर्कसंगत हैं जो अब वहां नहीं रहे। ट्रंप ने विश्वास जताया कि अमेरिका और ईरान एक औपचारिक समझौते के बहुत करीब हैं। यह समझौता ईरान को परमाणु हथियार बनाने से हमेशा के लिए रोक देगा। राष्ट्रपति के अनुसार, मौजूदा ईरानी नेतृत्व उन अधिकारियों से काफी अलग है जो पहले देश की नीतियां चलाते थे। ट्रंप ने कहा, हमने नेतृत्व की पहली और दूसरी टीम को बाहर कर दिया है। अब वहां एक अलग स्तर के लोग हैं। मुझे लगता है कि यह पहले से ज्यादा समझदार और तर्कसंगत स्तर है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,